UFT LIVE TV
www.upfighttimes.com
upfighttlmesnews@gmail.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
यूपी फाइट टाइम्स
आरएनआई नं0/2020/80511

संपादक :- सतीश कुमार गोयल
वर्ष:-03, अंक:-325, पृष्ठ:-12, मूल्य:- 1 रूपये
(फतेहपुर से प्रकाशित)
फतेहपुर, बुधवार 20 सितम्बर 2023

शासन व परिक्षेत्र द्वारा चलाये ... 03
चुनाव से पहले सरकार ... 08

बेकाबू कार सड़क किनारे खंती में गिरी, तीन बच्चों समेत चार की मौत

विदिशा। जिले के हैदरगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम अमरपुर में सोमवार देर शाम एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे 15 फीट गहरी खंती में जा गिरी। हादसे के समय कार में छह लोग सवार थे, जिनमें चार की मौत हो गई। मृतकों में तीन बच्चे और एक महिला शामिल है। वहीं एक युवक और एक बच्चे को जीवित बाहर निकाल लिया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, हैदरगढ़ निवासी शहजाद खान ने ग्राम अमरपुर में जमीन ठेके पर ली थी। सोमवार को वे पत्नी और चार बच्चों को लेकर भुट्टे खाने के लिए खेत पर गए थे। शाम करीब साढ़े सात बजे वे वापस हैदरगढ़ लौट रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार होने के कारण उनकी कार अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे बनी खंती में जा गिरी। जानकारी मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस के पहुंचने से पहले ही ग्रामीणों ने रस्सी की मदद से शहजाद और उनके पुत्र फैजान को बाहर निकाल लिया। सूचना मिलने के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और स्थानीय तैराकों की मदद से करीब तीन घंटे बाद कार को बाहर निकाला गया। रात करीब साढ़े नौ बजे शहजाद की पत्नी शकीला बी उम्र 30 वर्ष, 13 वर्षीय निगद बी, 14 वर्षीय अयान और सात वर्षीय शाद खान के शव निकाले गए। ग्रामीणों के मुताबिक अमरपुर से चक्क अमरपुर तक सड़क निर्माण का कार्य किया जा रहा है। ठेकेदार ने सड़क के समतलीकरण के लिए किनारे से ही मिट्टी और मुरम निकालने का कार्य किया। जिसके चलते गहरी खाई हो गई थी। पिछले दिनों हुई लगातार वर्षा के कारण यह खाई पानी से लबालब हो गई थी। निर्माण कार्य चालू होने के कारण सड़क संकरी हो गई है। इसी के चलते कार अनियंत्रित होकर पानी से भरी खाई में जा गिरी।

पीएम ने पुरानी संसद का नाम संविधान सदन रखा

कुछ लोगों को निराशा हो सकती है, लेकिन दुनिया को विश्वास भारत टॉप थ्री इकोनॉमी बनेगा

नई दिल्ली। नए संसद भवन में जाने के पहले पुरानी संसद के सेंट्रल हॉल में मंगलवार को विदाई कार्यक्रम रखा गया। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि ये भवन ये सेंट्रल हॉल एक प्रकार से हमारी भावनाओं से भरा हुआ है। हमें भावुक भी करता है और कर्तव्य के लिए प्रेरित भी करता है। आजादी पूर्व ये खंड एक प्रकार से लाइब्रेरी के लिए इस्तेमाल होता था। उन्होंने कहा कि बाद में संविधान सभा की बैठक शुरू हुई और उसके बाद हमारा संविधान यहीं पर आकार लिया। यही पर 1947 में अंग्रेजी हुकूमत ने सत्ता हस्तांतरण किया। उस प्रक्रिया का यह हॉल साक्षी है।

सेंट्रल हॉल में तिरंगे और राष्ट्रगान को अपनाया गया। अनेक अवसरों पर दोनों सदनों ने भारत के भाग्य को लेकर निर्णय किए। अभी तक लोकसभा और राज्?यसभा ने मिलकर करीब-करीब 4 हजार से अधिक कानून पास किए हैं।

हम सबका सौभाग्य है कि हमें सदन में आर्टिकल 370 से मुक्ति पाने का मौका मिला। ऐसी कई महत्वपूर्ण कामों में संसद की भूमिका अहम रही है।

इसी संसद में मुस्लिम बहन बेटियों को न्याय की जो प्रतीक्षा थी, शाहबानों केस के कारण गाड़ी कुछ उलटी चल पड़ थी। इसी सदन ने हमारी उस गलती को ठीक किया।

मैंने लालकिले से कहा था- यही समय है, सही समय है। एक बाद एक घटनाओं पर हम नजर करेंगे तो आज भारत एक नई चेतना के साथ पूर्नजागृत हो चुका है। भारत नई ऊर्जा से भर चुका है। यह चेतना यही ऊर्जा इस देश के करोड़ों लोगों संकल्प से सिद्धि की ओर चल सकती है। इच्छित परिणाम प्राप्त होंगे। हम गति जितनी तेज करेंगे परिणाम उतने तेज मिलेंगे।

मेनका ने कहा- महिलाओं को बराबरी का अधिकार मिलने जा रहा

सेंट्रल हॉल में सबसे पहले सांसद मेनका गांधी ने स्पीच दी। उन्होंने कहा, %आज ऐतिहासिक दिन है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में महिलाओं को बराबरी का अधिकार मिलने जा रहा है। महिला आरक्षण से हाशिए पर खड़ी महिलाओं की बदलेगी किस्मत।

कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि आज हम ऐतिहासिक घटना के साक्षी बनने जा रहे हैं। अंग्रेजी हुकूमत से लेकर हमारी आजादी में अब तक हमने इस संसद के शानदार पल को अनुभव किया है। बाबा साहेब आंबेडकर ने हमें 395 आर्टिकल दिए हैं। इस अवसर का लाभ उठाते हुए, बिना किसी मलाल के और बिना कुछ कहे, मुझे कहना होगा कि मैं इस मंच पर खड़े होकर ऊंचा और उत्साहित महसूस कर रहा हूं।

सदन के सभी सांसदों ने फोटो सेशन कराया-

लोकसभा और राज्यसभा के सभी सांसदों ने सुबह सेंट्रल हॉल के पास एक साथ फोटो सेशन कराया। इस दौरान क्करू मोदी, सोनिया गांधी, राहुल गांधी समेत सत्ता और विपक्ष के सभी सांसद मौजूद रहे। पहले राज्यसभा और लोकसभा के सांसदों ने फोटो खिंचवाई। इसके बाद दोनों सदनों के सभी सांसदों का ग्रुप फोटो सेशन भी हुआ। इस बीच गुजरात से क्च्छ्वक्क सांसद नरहरि अमीन की तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद सेंट्रल हॉल में मोदी देश के सभी सांसदों के पास जाकर मिले। यहां राष्ट्रगान हुआ।

'आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में किसी तरह का समझौता ना हो'

कनाडाई पीएम ट्रूडो के बयान पर आई कांग्रेस की प्रतिक्रिया

नई दिल्ली। भारत द्वारा मंगलवार को खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या पर कनाडाई सरकार के बेतुके आरोपों को खारिज करने के कुछ घंटों बाद कांग्रेस की ओर से प्रतिक्रिया आई है। दरअसल, कांग्रेस ने कहा कि उसका मानना है कि आतंकवाद के खिलाफ देश की लड़ाई समझौता हीन होनी चाहिए और हर समय देश के हितों और चिंताओं को सर्वोपरि रखा जाना चाहिए। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने आरोप लगाया है कि जून में ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत शामिल है। हालांकि, भारत ने इस आरोपों से इनकार कर दिया है और ट्रूडो को करारा जवाब दिया है।

कांग्रेस की ओर से आया बयान

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का हमेशा मानना रहा है कि आतंकवाद के खिलाफ हमारे देश की लड़ाई समझौता नहीं होना चाहिए, खासकर तब जब आतंकवाद से भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरा हो। उन्होंने कहा, हमारे देश के हितों और चिंताओं को हर समय सर्वोपरि रखा जाना चाहिए।

कांग्रेस की टिप्पणी भारत द्वारा मंगलवार को कनाडाई सरकार के बेतुके आरोपों को खारिज करने के बाद आई है। कनाडा के साथ भारत के संबंधों में मंगलवार को उस समय खींचतान देखी गई, जब कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भारत पर जून में ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में निज्जर की हत्या में शामिल होने का आरोप लगाया।

निज्जर की हुई थी गोली मारकर हत्या

हत्या में भारत की कथित संलिप्तता के लिए कनाडा ने एक वरिष्ठ भारतीय राजनयिक को भी निष्कासित कर दिया है। कनाडा में खालिस्तानी जनमत संग्रह का नेतृत्व कर रहे निज्जर की 18 जून को सरे के गुरु नानक सिख गुरुद्वारे की पार्किंग में दो लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। ट्रूडो ने हाउस ऑफ कॉमन्स को बताया कि भारत सरकार के एजेंटों ने निज्जर की हत्या को अंजाम दिया।

अनंतनाग में सातवें दिन एनकाउंटर जारी

कश्मीर में यह अब तक का सबसे लंबा ऑपरेशन; कल लापता जवान सहित दो के शव मिले

श्रीनगर। कश्मीर के अनंतनाग में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच आज सातवें दिन मुठभेड़ जारी है। सेना को गडूल कोकेरनाग में अभी भी 2-3 आतंकियों के छिपे होने की आशंका है। सोमवार को सुरक्षाबलों ने जंगल से दो शव बरामद किए थे। सूत्रों ने बताया कि इनमें एक की पहचान जवान प्रदीप के रूप में की गई है। प्रदीप अनंतनाग में मुठभेड़ के पहले दिन 13 सितंबर से लापता थे। इसी दिन कर्नल मनप्रीत सिंह, मेजर आशीष धौंचक और डीएसपी हुमायूं भट शहीद हुए थे। पिछले एक हफ्ते के दौरान कश्मीर में तीन जगहों पर मुठभेड़ हुई। इसमें 5 जवान शहीद हुए हैं, जबकि अनंतनाग में 1, बारामूला में 3 और राजौरी में दो यानी कुल 6 आतंकी ढेर हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कश्मीर क्षेत्र में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच यह अब तक का सबसे लंबा ऑपरेशन है। वहीं जम्मू-कश्मीर में यह तीसरी सबसे लंबी चलने वाली मुठभेड़ है।

श्रीनगर में CRPF की गाड़ी पर आतंकियों ने फायरिंग की

अनंतनाग में ऑपरेशन के बीच सोमवार को एक आतंकी ने श्रीनगर में सीआरपीएफ की गाड़ी को निशाना बनाया। श्रीनगर पुलिस ने बताया कि पिस्तौल से लैस एक आतंकवादी ने सीआरपीएफ के बुलेटप्रूफ गाड़ी पर फायरिंग कर दी।

हालांकि, श्रीनगर जिले के खानयार इलाके में सुरक्षाकर्मियों ने हमले को नाकाम कर दिया। घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। सीआरपीएफ गाड़ी पर फायरिंग करने के बाद आतंकवादी मौके से भाग गया।

किश्तवाड़ में तीन संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार-जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में सोमवार को हिजबुल मुजाहिदीन आतंकी संगठन से जुड़े तीन संदिग्ध आतंकियों को सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया। उनकी पहचान तौसीफ-उल-नबी, जहूर-उल-हसन और रेयाज अहमद के रूप में हुई। तीनों को जेल भेज दिया गया है। वहीं, किश्तवाड़ जिले में ही पुलिस और सुरक्षाबलों ने जॉइंट चेकिंग ऑपरेशन के दौरान एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। उसकी कार से लगभग 70 किलोग्राम वजन की 560 जिलेटिन की स्टिक्स मिली हैं। किश्तवाड़ स्स्क्क खलील पोसवाल ने बताया कि सड़क बनाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले विस्फोटक पदार्थ को वो अवैध रूप से ले जा रहा था। अनंतनाग में एनकाउंटर साइट पर ड्रोन और हेलिकॉप्टर से लगातार निगरानी की जा रही है। शनिवार 16 सितंबर को सेना ने बताया कि कोकेरनाग के घने जंगलों में आतंकी 12 से 20 फीट गहरी गुफाओं में छिपे हुए हैं। इन गुफाओं को आतंकियों ने सीमेंट, प्लास्टिक और लकड़ियों से ढंका हुआ है।

नूंह हिंसा में बुरे फंसे कांग्रेस विधायक मामन खान, और ज्यादा बढ़ने वाली हैं मुश्किलें

नूंह। नूंह में 31 जुलाई को बृजमंडल यात्रा पर हमले के बाद भड़की हिंसा के मामले में गिरफ्तार किए गए कांग्रेस विधायक मामन खान की मुश्किलें और ज्यादा बढ़ने वाली हैं। भीड़ को उकसाने के आरोप में गिरफ्तार किए गए फिरोजपुर झिरका के विधायक का नाम डेढ़ दर्जन से अधिक एफआईआर में शामिल करने की तैयारी है। जांच में शामिल एक पुलिस अधिकारी के मुताबिक तहकीकात आगे बढ़ने के साथ हिंसा में मामन की और भूमिका सामने आ रही है। कम से कम 20 एफआईआर में मामन का नाम शामिल किया जा सकता है। मामन खान को 31 जुलाई को बढ़कली चौक पर हिंसा भड़काने के आरोप में पिछले हफ्ते गिरफ्तार किया गया। पुलिस रिमांड पर लेने के बाद पूछताछ में जुटी है। एक अधिकारी ने पहचान गोपनीय रखने की शर्त पर बताया कि मामन खान जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं। अधिकतर सवालों के जवाब में वह कहते हैं, मुझे नहीं पता, मुझे याद नहीं है। राजस्थान से गिरफ्तार किए जाने से पहले मामन खान ने पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट में याचिका दायर करके अंतरिम राहत की मांग की थी। अब तक मामन खान का नाम 4 एफआईआर में शामिल किया गया है। इनमें एक केस भाजपा नेता से जुड़े तेल मिल में आग लगाने का भी है। मामन के खिलाफ सभी 4 एफआईआर नूंह के नगीना पुलिस थाने में दर्ज है। एफआईआर नंबर 137 एक अगस्त को भाजपा नेता शिवकुमार आर्य ने नगीना पुलिस थाने में दर्ज कराया था। उन्होंने शिकायत में कहा था कि जब उन्हें बडकली चौक पर भीड़ एकत्रित होने की सूचना मिली तो उन्होंने मिल बंद कर दिया था। करीब 3 बजे भीड़ ने शटर खोल दिया, कैश लूट लिया और मिल में आग लगा दी, जिससे करीब 1.25 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। मामन खान के खिलाफ आईपीसी की धारा 148 (खतरनाक हथियारों से लैस होकर दंगा करना), 149 (अवैध तरीके से जुटान), 435 (आगजनी), 379B (चोरी की नीयत) और 153 A (समुदायों के बीच नफरत पैदा करने) जैसी धाराओं में केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने इस केस में पांच आरोपियों आशिक, आसिफ, अल्ताफ, आरिफ और आदिल को 2 अगस्त को गिरफ्तार किया था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपियों ने उसे दिन मामन खान के साथ संपर्क में होने की बात स्वीकार की और इसके बाद उनका नाम एफआईआर में शामिल किया गया है।

कनाडा प्रधानमंत्री के आरोपों को, भारत ने खारिज किया

नयी दिल्ली। भारत ने कनाडा में हिंसा की घटनाओं में भारत सरकार की संलिप्तता के कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के आरोपों को बेतुके एवं घरेलू राजनीति से प्रेरित बताते हुए आज सिरे से खारिज कर दिया।

विदेश मंत्रालय ने आज यहां एक कड़ा बयान जारी कर के कहा, ÷हमने कनाडा के प्रधानमंत्री का उनकी संसद में दिया गया बयान और उनके विदेश मंत्री का बयान देखा है और उसे खारिज करते हैं। कनाडा में हिंसा के किसी भी कृत्य में भारत सरकार की संलिप्तता के आरोप बेतुके और प्रेरित हैं।÷

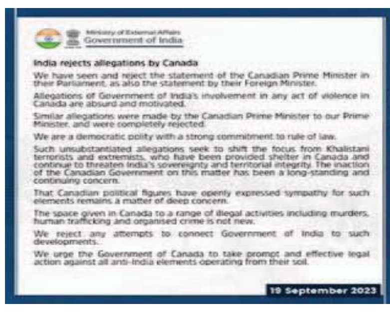

Ministry of External Affairs
Government of India

India rejects allegations by Canada

We have seen and reject the statement of the Canadian Prime Minister in their Parliament, as also the statement by their Foreign Minister.

Allegations of Government of India's involvement in any act of violence in Canada are absurd and motivated.

Similar allegations were made by the Canadian Prime Minister to our Prime Minister, and were completely rejected.

We are a democratic polity with a strong commitment to rule of law.

Such unsubstantiated allegations seek to shift the focus from Khalistani terrorists and extremists, who have been provided shelter in Canada and continue to threaten India's sovereignty and territorial integrity. The inaction of the Canadian Government on this matter has been a long-standing and continuing concern.

That Canadian political figures have openly expressed sympathy for such elements remains a matter of deep concern.

The space given in Canada to a range of illegal activities including murders, human trafficking and organised crime is not new.

We reject any attempts to connect Government of India to such developments.

We urge the Government of Canada to take prompt and effective legal action against all anti-India elements operating from their soil.

19 September 2023

विदेश मंत्रालय के अनुसार इसी तरह के आरोप कनाडा के प्रधानमंत्री ने भारतीय प्रधानमंत्री पर लगाए थे जिन्हें पूरी तरह से खारिज कर दिया गया था। बयान में कहा गया, हम कानून के शासन के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता वाली एक लोकतांत्रिक राजनीतिक व्यवस्था हैं। इस तरह के निराधार आरोप खालिस्तानी आतंकवादियों और चरमपंथियों से ध्यान हटाने की कोशिश दर्शाते हैं जिन्हें कनाडा में आश्रय दिया गया है और जो भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए खतरा बने हुए हैं। इस मामले पर कनाडा की सरकार की निष्क्रियता लंबे समय से और निरंतर चिंता का विषय रही है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि कनाडाई राजनीतिक हस्तियों द्वारा ऐसे तत्वों के प्रति खुले तौर पर सहानुभूति व्यक्त करना गहरी चिंता का विषय बना हुआ है। कनाडा में हत्या, मानव तस्करी और संगठित अपराध सहित कई अवैध गतिविधियों को जो जगह मिली है, वह कोई नई बात नहीं है। बयान में कहा गया, हम भारत सरकार को ऐसे घटनाक्रम से जोड़ने के किसी भी प्रयास को खारिज करते हैं और कनाडा सरकार से अपनी धरती से सक्रिय सभी भारत विरोधी तत्वों के खिलाफ त्वरित और प्रभावी कानूनी कार्रवाई करने का आग्रह करते हैं।

एनसीआर में फिर सांसों पर संकट? इस बार अक्टूबर से ही सताएगा पराली का धुआं; जल्द हवा में दिखेगा असर

नई दिल्ली। पराली का धुआं इस बार जल्दी परेशान कर सकता है। पराली जलाने के मामलों को लेकर हर साल छह राज्यों की निगरानी की जाती है। इनमें से तीन राज्यों में अक्टूबर से पहले ही पराली जलाने के शुरुआती संकेत मिलने लगे हैं। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के मुताबिक, पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में बीते तीन दिनों में पराली जलाने के दस घटनाएं दर्ज की गई हैं। राजधानी दिल्ली-एनसीआर समेत पूरे उत्तर भारत के एक बड़े भूभाग को जाड़े की शुरुआत में भारी प्रदूषण का सामना करना पड़ता है। धान की फसल के बाद कृषि अवशेष को खेतों में जलाने से उठने वाला धुआं इसका बड़ा कारण रहता है। इसके चलते न सिर्फ पराली जलाने से किसानों को रोकने के लिए तमाम उपाय किए जाते हैं, बल्कि पराली जलाने की घटनाओं की उपग्रहों के जरिए मिलने वाले चित्रों के आधार पर निगरानी भी की जाती है।

15 सितंबर के बाद से घटनाएं दिखने लगीं : भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और मध्य प्रदेश में पराली जलाने की घटनाओं पर नजर रखता है। आमतौर पर पराली जलाने की घटनाएं सितंबर के अंत या अक्टूबर की शुरुआत से ही देखने को मिलती हैं, लेकिन इस बार 15 सितंबर के बाद से ही पराली जलाने की घटनाएं दिखने लगी हैं। हालांकि, घटनाओं की संख्या कम है।

सप्ताह बाद हवा में असर दिखने के आसार : भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के मुताबिक, 15 से 18 सितंबर के बीच पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश से कुल दस घटनाएं फसल अवशेष जलाने की दर्ज की गई हैं। इनमें से 6 घटनाएं अकेले पंजाब की हैं, जबकि हरियाणा और उत्तर प्रदेश की दो-दो घटनाएं है। अगले कुछ दिनों में घटनाओं के बढ़ने के आसार हैं। मौसम के अलग-अलग कारकों की वजह से अभी दिल्ली-एनसीआर की हवा सालभर के अपने सबसे अच्छे दौर से गुजर रही है, लेकिन सप्ताह बाद हवा पर पराली के धुएं का असर दिखने के आसार हैं।

40 दिन रहता है सबसे अधिक बुरा हाल

दिल्ली-एनसीआर की हवा को पराली का धुआं चालीस दिनों तक परेशान करता है। 15 अक्टूबर से 25 नवंबर तक हवा में पराली के धुएं की हिस्सेदारी सबसे ज्यादा हो जाती है। इसके चलते कई बार वायु गुणवत्ता सूचकांक 400 से भी ऊपर यानी गंभीर श्रेणी में पहुंच जाती है। इस बार भी ऐसे ही हालात रहे तो वायु गुणवत्ता सूचकांक गंभीर श्रेणी में पहुंचेगा।

हर साल रोकथाम के तरीके अपनाए जा रहे-खासतौर पर पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने की रोकथाम के तमाम तरीके अपनाए जाते हैं। इसके चलते पराली जलाने की घटनाओं में कुछ कमी भले आई है, लेकिन अभी भी बड़ी संख्या में पराली जलाई जा रही है। पिछले साल छह राज्यों में पराली जलाने की करीब 70 हजार घटनाएं पिछले साल दर्ज की गई थीं।

प्रदूषण की निगरानी को स्कूलों में तैनात होंगी मोबाइल वैन

वहीं, सर्दी के मौसम में प्रदूषण के खतरे को देखते हुए निगरानी के लिए स्कूलों में मोबाइल वैन तैनात की जाएंगी। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) की ओर से शिक्षा निदेशालय को पत्र जारी किया गया है। समिति ने निदेशालय से स्कूलों में वैन तैनाती के लिए जगह उपलब्ध कराने को कहा है। इस संबंध में निदेशालय ने सर्कुलर जारी किया है। स्कूलों में मोबाइल वैन की तैनाती की मदद से प्रदूषण के स्त्रोतों की पहचान की जाएगी। साथ ही वायु गुणवत्ता की निगरानी होगी। सभी स्कूल प्रमुखों को निदेशालय ने डीपीसीसी अधिकारियों के साथ सहयोग करने के संबंध में निर्देश दिए हैं।

न्यूज सार

एसओ करारी की हरकत महिला को मारेगे जूता

कौशांबी। एसओ करारी की हरकत महिला को मारेगे जूता।करारी थाना क्षेत्र के रहनी वाली महिला की शादी 9 माह पहले करारी थाना क्षेत्र के लड़के साथ हुई थी। पति–पत्नी में विवाद हो गया जिससे पीड़िता न्यायालय की शरण में पहुंची जहां पर दहेज उत्पीड़न का मामला दर्ज किया गया। 16 सितंबर की रात 9रू00 बजे विवाहिता के घर पति पहुंचकर मारपीट और गाली गलौज किया। पीड़िता का आरोप है कि पति और उसके अन्य साथियों ने सोने चांदी के जेवर छीन लिया और गला दबाकर जान से मारने की कोशिश की। पीड़िता शिकायत लेकर थाने पहुंची तो थाना अध्यक्ष द्वारा पीड़ित विवाहिता को मां–बहन की भददी गाली देते हुए जूता से पीटने की बात कहा इस पर महिला भड़क गई और थाना अध्यक्ष के उत्पीड़न से परेशान होकर एसपी की चौखट पर पहुंची। जहां पर न्याय की गुहार लगाया। थाना अध्यक्ष द्वारा महिला को जूता से पीटने का ऑडियो वायरल हो रहा है। थाना प्रभारी गणेश सिंह का महिला को जूता मारने और भद्दी भद्दी गलियां देने का ऑडियो वायरल हो रहा है देखना है प्रशासन क्या महिला को न्याय देगा कि ठंडे बस्ते में डाल देगा।

हत्या के जुर्म जिला जेल में बंद दो अभियुक्तों की बाइकें हुई जब्त

यूपी फाइट टाइम्स

बस्ती। पुलिस अधीक्षक गोपाल कृष्ण चौधरी के निर्देश क्रम में बस्ती अपर पुलिस अधीक्षक दीपेन्द्रनाथ चौधरी के दिशा निर्देश पर एवं रूद्दौली क्षेत्राधिकारी प्रीती खरवार के कुशल पर्यवेक्षण में लालगंज थानाध्यक्ष जितेन्द्र सिंह के नेतृत्व में उ0 नि0श्री इन्द्रेश यादव मय हमराह टीम द्वारा गैंगेस्टर एक्ट से सम्बन्धित अभि0 सत्येन्द्र पाल उर्फ गब्बर पाल पुत्र अमरदेव पाल निवासी भरवलिया थाना लालगंज जनपद बस्ती तथा पीयूष पाल उर्फ आशुतोष पाल पुत्र अमरदेव पाल निवासी भरवलिया थाना लालगंज जनपद बस्ती की चल सम्पत्ति बस्ती जिलाधिकारी के संस्तुति के उपरान्त मोटरसाइकिल नं0 UP 51V 2044 बजाज डिस्कवर व मोटरसाइकिल no UP51 AM 8475 हीरो पैशन को भिन्न स्थानों से लाकर थाना स्थानीय पर गैंगेस्टर एक्ट के अन्तर्गत जब्त कर दाखिल कर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है जब्त सम्पत्ति का विवरण वाहन सँ0–UP51V2044 बजाज डिस्कवर मोटरसाइकिल no-UP51 AM 8475 हीरो पैशनं।

सलेमपुर सांसद के प्रयास से सात ट्रेनों का ठहराव हुआ स्वीकृत

देवरिया। सलेमपुर सांसद रविन्दर कुशवाहा के प्रयास से क्षेत्रीय भाजपा विशेष संसद सत्र के दौरान रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा स्वीकृति प्रदान किये जाने के पश्चात उप निदेशक रेलवे बोर्ड राजेश कुमार ने आदेश निर्गत कर 11123/24 ग्वालियर–बरौनी का ठहराव भाटपाररानी रेलवे स्टेशन, 11059/60 लोकमान्य तिलक–छपरा एक्सप्रेस, 18201/02 दुर्ग नौतनवा एक्सप्रेस का ठहराव सलेमपुर स्टेशन, 11081/82 लोकमान्य तिलक गोरखपुर एक्सप्रेस, 11037/38 पुणे – गोरखपुर का ठहराव बेल्थरा स्टेशन 15111/12 छपरा–वाराणसी एक्सप्रेस का ठहराव रेवती स्टेशन, 19489/90 अहमदाबाद–गोरखपुर एक्सप्रेस का ठहराव भटनी स्टेशन पर शीघ्र किये जाने की स्वीकृति प्रदान किया है। अहमदाबाद–गोरखपुर एक्सप्रेस का ठहराव भटनी में किये जाने पर भाजपा नेता सत्यप्रकाश सिंह विशेन ने कहा कि सांसद रविन्दर कुशवाहा का प्रयास सराहनीय है। वे क्षेत्र के लोगो के प्रति समर्पित रहते है। 7 ट्रेनों के ठहराव पर सलेमपुर भाजपा कार्यकर्ताओं ने बधाई दी है। बधाई देने वालो में अशोक पाण्डेय,जयनाथ कुशवाहा गुड्डन,बलबीर सिंह दादा,कन्हैया लाल जायसवाल,अजय दूबे वत्स,अशोक कुशवाहा,अमित सिंह सिट्टू, जगदीश यादव,मनोज सिंह,अभय तिवारी,सुनील स्नेही,राजेश शाह आदि शामिल रहे।

पईन्सा बाजार में डेंटल कैंप लगाकर मरीजों का किया गया निशुल्क इलाज

सिराथू तहसील के मोहब्बतपुर पईन्सा के एम0 के0 पॉलीक्लिनिक में मंगलवार को एडवांस डेंटल जोन हॉस्पिटल सिराथू के डॉक्टर श्रवण कुमार आर्या दांत एवं मुख रोग विशेषज्ञ की ओर से आम जनमानस के लिए सेवा भाव से निशुल्क डेंटल कैंप का आयोजन किया गया जिसमें डेढ़ सौ से अधिक मरीजों ने अपना फ्री चेकअप करवाया साथ ही निशुल्क दवाइयां ब्रश एवं दंत मंजन प्राप्त किया डॉक्टर श्रवण आर्या ने बताया आजकल के युवा गुटका पान मसाला तंबाकू सिगरेट आदि का सेवन अत्यधिक कर रहे हैं इसलिए कैंप में हमें अधिकतर मरीज तम्बाकू से होने वाले कैंसर के देखने को मिले हैं व्यक्ति को रोग मुक्त रहने के लिए नियमित दिनचर्या व्यायाम योगाभ्यास आदि करते रहना चाहिए साथ ही साथ पान मसाला तम्बाकू आदि से बनने वाली चीजों का सेवन बंद कर देना चाहिए। इस दौरान डॉक्टर श्रवण आर्या के साथ डॉक्टर कुर्बान अली एवं सहायक सल्लू सिंह चौहान , अनिल मौर्य , रंजीत चौहान आदि लोग मौजूद रहे।

लम्पी वायरस से बचाव को लेकर जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा जारी की गयी एडवाइजरी

यूपी फाइट टाइम्स

बलरामपुर। जिलाधिकारी अरविन्द सिंह के निर्देशन में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा लम्पी स्किन डिंजीज (एल0एसएडी0) से बचाव को लेकर एडवाइजरी जारी की गई है।जिलाधिकारी ने कहा कि लम्पी पशुओं में होने वाली वायरस जनित बीमारी है जो मक्खियों और मच्छरों की कुछ प्रजातियों और टिक्स द्वारा एक पशु के शरीर से दूसरे पशु के शरीर में फैलता है। लंपी वायरस से संक्रमित पशुओं को तेज बुखार आने के साथ ही उनकी भूख कम हो जाती है, इसके अलावा पशुओं के चेहरे, गर्दन, थूथन, पलकों समेत पूरे शरीर में गोल उभरी हुई गांठें बन जाती हैं। उन्होंने बताया कि लम्पी स्किन डिजीज एक विषाणुजनित रोग है। इस रोग से ग्रसित होने पर मवेशी सम्पूर्ण शरीर की चमडी विशेष रूप से सिरगर्दन, थूथन, थनों,गुदा व अंडकोष या योगिगुख के बीच के भागों पर गांठों के उभार वन जाते है। कभी भी पूरा शरीर गौठों से ढक जाता है। लम्पी रोग से ग्रसित होने पर पशु के श्वसन पथ में घाव होने से सॉस लेने में कठिनाई होती है, पशुओं का वजन घट जाता है,शरीर कमजोर हो जाता है। बचाव के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि सर्वप्रथम निकटतम पशुचिकित्साधिकारी को सूचित करें, प्रभावित पशु को स्वस्थ पशु से अलग करें। प्रभावित पशुओं का आवागमन प्रतिबन्धित करें।

पशुओं को सदैव साफ पानी पिलायें। पशु के दूध को उबाल कर पियें। पशुओं को मच्छरों, मक्खियों, किलनी आदि से बचाने हेतु पशुओं के शरीर पर कीटनाशक दवाओं का प्रयोग करें। पशुबाड़े और पशुखलिहान की फिनायल या सोडियम हाइपोक्लोराइट इत्यादि का छिड़काव कर उचित कीटाणु शोधन करें। बीमारी पशुओं की देखभाल करने वाले व्यक्ति को भी स्वस्थ पशुओं के बाडे से दूर रखना चाहिए।पहले स्वस्थ पशुओं को चारा व पानी दें,फिर बीमार पशुओं को दें। बीमार पशुओं को प्रबंधन करने के पश्चात हाथ साबुन से धोयें। लम्पी स्किन डिजीज होने पर सामूहिक चराई के लिए अपने पशुओं को ना भेजें। पशु मेला एवं प्रदर्शनी में अपने पशुओं को ना भेजे। बीमार एवं स्वस्थ पशुओं को एक साथ चारा–पानी न करायें। प्रमावित क्षेत्रों से पशु खरीद कर ना लायें। यदि किसी पशु की मत्यु होती है, तो शव को खुले में न फेकें एवं वैज्ञानिक विधि से दफनायें तथा रोगी पशु के दूध को बछडे को न पिलायें।

मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत उज्जैनी कला में निकाला गया माटी कलश यात्रा

गोण्डा। शासन के क्रम में विकास मुजेहना के अन्तर्गत ग्राम पंचायत उज्जैनी कला में आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत मेरी माटी मेरा देश का ग्राम विकास अधिकारी व ग्राम प्रधान हारून के नेतृत्व में कार्यक्रम का अयोजन किया गया। जिसमें ग्राम प्रधान प्रतिनिधित्व मसीरुद्दीन खान व ग्राम विकास अधिकारी ने गांव के लोगों और महिलाओं के साथ माटी का कलश लेकर महिलाओं के साथ गांव में यात्रा निकाली। जिसमें दर्जनों घरों की मिट्टी इकट्ठी की । उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र योगी के आवाहन पर देश में इस समय तिरंगा यात्रा के साथ मेरी माटी मेरा देश अभियान चलाया जा रहा है । भारत के अमर शहीदों के योगदान का स्मरण करने तथा नई्ई पीढ़ी को देश के शहीदों से परिचय करवाना भी है। देश तभी महान बनता है जब उसकी सांस्कृतिक विरासत महान होती है। इस तिरंगा यात्रा के अंतर्गत अमृत कलश लेकर घर–घर जाकर मिट्टी इकट्ठी कर उसे दिल्ली में भेजा जाएगा । जहां नेशनल वॉर मेमोरियल में इकट्ठा कर एक अमृत वाटिका पौधा रोपण की जाएगी । इस मौके पर , ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत अधिकारी अनूप श्रीवास्तव, ग्राम प्रधान हारून ,प्रधान प्रतिनिधित्व मसीहुदीन खान, रोजगार सेवक संजू श्रीवास्तव, विक्कू श्रीवास्तव,साबिर, राकेश एवम ग्राम वासी मौजूद रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में मद्य निषेध एवं नशीली पदार्थ के रोकथाम के संबंध में बैठक संपन्न

नशीले पदार्थो पर कड़ाई से रोकथाम को अभियान चला कर दोषियों के विरुद्ध करें कड़ी कार्रवाई : जिलाधिकारी

यूपी फाइट टाइम्स

बलरामपुर। जिलाधिकारी अरविंद सिंह की अध्यक्षता में मद्य निषेध एवं नशीले पदार्थों के रोकथाम के संबंध में बैठक संपन्न हुई।बैठक में सशस्त्र सीमा बल के कमांडेंट उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने कहा की नशीले पदार्थ पर रोकथाम के लिए सीमा पर विशेष रूप से निगरानी सशस्त्र सीमा बल, पुलिस एवं एक्साइज विभाग की संयुक्त टीम द्वारा की जाए। इसके लिए इंटेलिजेंस व्यवस्था को सुदृढ़ करते हुए प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि सीमा से लगे ग्रामों में नशीले पदार्थ के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया जाए। उन्होंने कहा कि नशीले पदार्थ का अवैध रूप से व्यापार करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जाए। इस अवसर पर समस्त एसडीएम वर्चुअल रूप से जुड़े रहे। बैठक में एक्साइज इंस्पेक्टर अनंत कुमार मिश्रा व अन्य संबंधित अधिकारीध् कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

थाना कौड़िया पुलिस द्वारा गुमशुदा/अपहत बालक को बरामद कर उसके परिजन को किया सुपुर्द

यूपी फाइट टाइम्स

पुलिस अधीक्षक गोंडा अंकित मित्तल ने ''ऑपरेशन मुस्कान'' के तहत अभियान चलाकर गुमशुदा बालकों की शीघ्र बरामदगी करने के निर्देश जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षों को दिए थे। उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना कौड़िया पुलिस द्वारा अपर पुलिस अधीक्षक गोण्डा के पर्यवेक्षण में गुमशुदाध्अपहृत को पतारसी–सुरागरसी कर अथक प्रयास से बरामद किया गया। गुमशुदा लड़का दिनांक 02.09.2023 को अपने घर से नाराज होकर कर चला गया था और घर नही लौटा था। जिसके सम्बन्ध में वादी राजेन्द्र प्रसाद चौरसिया पुत्र हजुरी प्रसाद चौरसिया निवासी ग्राम बेलहा मौजा रूकमंगदपुर थाना कौडिया जनपद गोण्डा द्वारा थाना कौड़िया में इसकी सूचना दी थी। जिसके सम्बन्ध में थाना कौड़िया में सम्बन्धित धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया था। गुमशुदाध्अपहृत बालक को अग्रिम विधिक कार्यवाही हेतु बाल कल्याण समिति गोण्डा के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

पंजीकृत अभियोग–

01. मु0अ0सं0–291/23, धारा 363 भादवि थाना कौड़िया जनपद गोण्डा।

बरामदगी टीम–

उ0नि0 सुरेश कुमार सिंह मय टीम।

बांदा प्रेस क्लब के पदाधिकारियों की पुलिस अधीक्षक से नए भवन में हुई मुलाकात

यूपी फाइट टाइम्स

बांदा। बांदा प्रेस क्लब बांदा के पदाधिकारियों ने मंगलवार को पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल से नए भवन में पहुंचकर अनौपचारिक भेट की। साथ ही क्लब की ओर से स्मृति चिन्ह व गुलदस्ता देकर उनका स्वागत किया गया। इस मौके पर उन्हें कवरेज के दौरान पत्रकारों को आ रही कठिनाइयों से अवगत कराते हुए समाचार संकलन में मदद करने की अपील भी की। मंगलवार को प्रेस क्लब के अध्यक्ष दिनेश निगम दद्दा जी और महासचिव सचिन चतुर्वेदी के साथ प्रेस क्लब का एक प्रतिनिधिमंडल पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचा। संयोग से आज ही पुलिस अधीक्षक का कार्यालय पुराने भवन से नए भवन में स्थानांतरित किया गया था। जैसे ही पुलिस अधीक्षक नए भवन में पहुंचे वैसे ही प्रेस क्लब के पदाधिकारियों ने उनसे अनौपचारिक भेंट करते हुए गुलदस्ता देकर उनका स्वागत किया। अध्यक्ष दिनेश निगम दद्दा जी और महासचिव सचिन चतुर्वेदी ने गौ माता का स्मृति चिन्ह इस आशा से भेंट किया ताकि गोवंशों के संरक्षण में पुलिस की भी मदद मिल सके। इस मुलाकात के दौरान पुलिस अधीक्षक से अपील भी की गई कि समाचार संकलन में पत्रकारों की मदद की जाए जिस पर पुलिस अधीक्षक ने आश्वासन देते हुए कहा कि यदि किसी भी पत्रकार को किसी तरह की कोई परेशानी हो, तो सीधे मुझसे बात करें। उनकी हर समस्या का निराकरण किया जाएगा। इस शुभ अवसर पर प्रेस क्लब के संरक्षक आत्माराम त्रिपाठी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनिल सिंह आवारा,सचिव सुनील सक्सेना, कोषाध्यक्ष राजेंद्र खत्री, उपाध्यक्ष संजय मिश्रा, प्रोटोकॉल अधिकारी रोहित धुरिया, नरैनी तहसील अध्यक्ष मयंक शुक्ला, संयुक्त सचिव श्रीष पांडे, कार्यकारिणी सदस्य सरोज त्रिपाठी, सुरेश साहू व नरेनी तहसील के सदस्य फाजिल शेख मौजूद रहे।

पयागपुर क्षेत्र के खुटेहना चौराहे पर भाजपा जिला अध्यक्ष बृजेश पांडे के आगमन पर कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

बहराइच। पयागपुर तहसील क्षेत्र के खुटेहना चौराहे पर नवनियुक्त जिला अध्यक्ष भाजपा बृजेश पांडे के प्रथम आगमन पर अयोध्या मंडल के युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने ढोल नगाड़े सहित भव्य स्वागत किया युवा मोर्चा के पदाधिकारी में उत्साह दिखा स्वागत समारोह के मौके पर पप्पू तिवारी मंडल उपाध्यक्ष प्रदीप मिश्रा मंडल अध्यक्ष गंगा त्रिपाठी मंडल महामंत्री अंकुर मिश्रा मंत्री अखिलेश त्रिपाठी मंडल मीडिया प्रभारी मोहित कुमार मौर्य अतुल गुप्ता सहित तमाम कार्यकर्ताओं ने स्वागत करके कार्यक्रम में मौजूद रहे।

गोवंशीय पशुओं का हुआ लम्पी टीकाकरण

देवरिया। पशु रोग नियंत्रण योजनांतर्गत विकास खंड बैतालपुर में पशु चिकित्साधिकारी डॉ.दिग्विजय यादव एवं पशुधन प्रसार अधिकारी निशाकान्त तिवारी के नेतृत्व में कुल 69 राजस्व ग्रामों में 7200 गौवंशीय पशुओं को लम्पी टीकाकरण किया गया।शेष 58 राजस्व ग्रामों में भी शीघ्र ही टीकाकरण किया जायेगा।पशु चिकित्सकों ने बताया कि लम्पी उपचार हेतु पशु को नियमित फिटकरी या नीम के पत्तो से नहलाना चाहिए।बुखार और पैरों में सूजन को कम करने के लिए पैरासिटामोल अथवा दर्द निवारक दवा का प्रयोग करना चाहिए।पशु को नियमित मिनरल पाउडर और लीवर टानिक दें।जूं व किलनी को नियंत्रित करने के लिए आईवरमेक्टिन की एक गोली का प्रयोग करें।यह रोग पशुओं से इंसानों में नहीं होता है फिर भी पशुओं को छूने के बाद साबुन से अच्छी तरह से हाथ धोना चाहिए।

8 वर्षो से नगर पालिका के सामुदायिक भवन पर अवैध कब्जा हटाए गए

बलरामपुर। सामुदायिक भवन को सुसज्जित कर सार्वजनिक कार्यों में होगा उपयोग। बलरामपुर आदर्श नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष डॉक्टर धीरेंद्र प्रताप सिंह धीरू के निर्देशन में नगर पालिकाओं के संपत्तियां पर अवैध कब्जा को हटाने के क्रम में निबकौनी में सामुदायिक भवन पर 8 वर्षों से अवैध कब्जे को संवैधानिक तरीके से मुक्त कराया गया। एवं सार्वजनिक हितों में प्रयोग है भवन को सुसज्जित कराया जाएगा। नगर पालिका अध्यक्ष धीरेंद्र प्रताप सिंह धीरू ने पालिका के संपत्तियों पर अवैध कब्जे किए हुए व्यक्तियों से अनुरोध है की स्वयं खाली करे जिससे वैधानिक कार्रवाई न करनी पड़े।

भ्रमण एवं प्रशिक्षण वाहन को हरी झण्डी दिखाकर गोविन्द बल्लभ पन्त कृषि एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय पन्त नगर उत्तराखण्ड के लिए किया गया रवाना

यूपी फाइट टाइम्स

बलरामपुर। शासन द्वारा जारी सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन (आत्मा) की कार्य योजना वर्ष 2023–24 द्वारा जनपद से राज्य के बाहर 07 दिवसीय कृषक भ्रमण एवं 07 दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस क्रम में आज जिला पंचायत अध्यक्ष बलरामपुर प्रतिनिधि श्याम मनोहर तिवारी द्वारा भ्रमण एवं प्रशिक्षण वाहन को हरी झण्डी दिखाकर गोविन्द बल्लभ पन्त कृषि एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय पन्त नगर उत्तराखण्ड के लिए रवाना किया गया। इस दौरान उप कृषि निदेशक नरेन्द्र कुमार, जिला कृषि अधिकारी आर0पी0 राना, उप सम्भागीय कृषि प्रसार अधिकारी सदर सुबेदार यादव मौजूद रहे।

सन्त बाबा उमाकान्त जी ने बताया- नाम दान लेने से पहले क्या छोड़ना पड़ता है

नाम दान देना, संभाल करना और संस्कार डालना अलग-अलग है, समय परिस्थिति का ध्यान रखते हुए नाम दान दिया जाता है

उज्जैन (म.प्र.बाबा जयगुरुदेव जी के आध्यात्मिक उत्तराधिकारी, जीते जी देवी–देवताओं के दर्शन और मुक्ति–मोक्ष प्राप्ति के लिए चरम की तरफ बढ़ते कलयुग में केवल कुछ छोटे–मोटे परहेजों वाली अति सरल शब्द नाम योग साधना बताने वाले, अमोलक नाम का दान देने वाले, संभाल करने वाले, संस्कार डालने वाले, पूरे सन्त, दुःखहर्ता, उज्जैन वाले बाबा उमाकान्त जी महाराज ने 1 जनवरी 2023 प्रातः उज्जैन (मध्य प्रदेश) में दिए व अधिकृत यूट्यूब चौनल जयगुरुदेवयूकेएम पर लाइव प्रसारित संदेश में बताया कि नाम दान लेने से पहले आपको कुछ छोड़ना पड़ेगा। घर, जमीन–जायदाद, बाल–बच्चों को, अपना धंधा नौकरी कुछ नहीं छोड़ना है। न बाल बढ़ाना न कटाना, न कपड़ा बदलना। जैसे रहते हो, वैसे रहो। आपके पास है तो अच्छा खाओ, अच्छा पहनो, अच्छे समाज में रहो। पूरी छूट है। छोड़ना क्या है? गंदी चीजों को। मांस, मछली, अंडा, शराब, शराब जैसा तेज नशा चाहे गोली, जड़ी–बूटी, चाहे पीने वाली चीज हो, उसको छोड़ना है। उससे (नशे से) दूर रहना है जिससे बुद्धि खराब हो जाती है, आदमी मदहोश हो जाता है। मदहोशी में ही गलत काम करता है। इसलिए मदहोशी वाले नशे का सेवन मत करना।

नाम दान देना, संभाल करना और संस्कार डालना अलग–अलग है

महाराज जी ने 20 मई 2020 प्रातः उज्जैन आश्रम में बताया कि लोगों को गुरु महाराज ने नाम दान दिया, संस्कार डाला। संस्कार डालना अलग चीज होती है। नाम दान देना, भजन करना, संभाल करना अलग चीज होती है। गुरु महाराज ने संस्कार भी बहुत लोगों पर डाल दिया। दृष्टि जिन पर डाल दिया, उन पर भी संस्कार पड़ गया। जीव–जंतुओं पर भी संस्कार डाल देते हैं। और दया कर देते हैं तो उनको मनुष्य शरीर मिल जाता है। तब उस वक्त के जो महापुरुष होते हैं उनकी

आवाज पर वहां पहुंच जाते हैं। संस्कार जिसमें पड़ जाता है तो समझ लो उसका उद्धार होना ही होना है। मनुष्य शरीर पाने के बाद उस जीव का खिंचाव वक्त के गुरु को करना ही करना रहता है। जिम्मेदारियां हो जाती है। इसीलिए मानसिक रूप से सन्त परेशान रहते हैं लेकिन परेशानी दूर होती रहती है, दया होती रहती है तो फिर वह काम को नहीं छोड़ते हैं।

समय परिस्थिति का ध्यान रखते हुए नाम दान दिया जाता है

महाराज जी ने 8 जुलाई 2017 प्रातः जयपुर (राजस्थान) में बताया कि (समय के सन्त सतगुरु पहले) ऐसे आसानी से तो नाम दान देते नहीं थे। समय पर देते थे। निश्चित कर देते थे। कोई अमावस्या, पूर्णिमा को देता। बीच में भी उनकी मौज पर निर्भर रहता है। पूरा पावर मालिक उन्हीं को दे देता है। लेकिन वह समय और परिस्थिति का ध्यान रखते हैं। अपनी भी बचत करते हैं क्योंकि जीवों के कर्म बहुत आते हैं, सफाई अंदर करनी पड़ती है, अंतरू करण साफ करना पड़ता है। जैसे ज्यादा गंदे बर्तन को साफ करते समय कालिख लगती है, ज्यादा गंदे कपडे को धोते समय धोबी के ऊपर मैल के छींटे, गंदगी पड़ती है। देखो ज्यादा मैल अभी कहीं जमा हो जाए तो वहीं पर फोड़ा–फुंसी, चर्म रोग होने लग जाता है, वहां का खून खराब, गड़बड़ हो जाता है। तो वह गंदगी तो आती ही आती है। समय परिस्थिति के अनुसार (नाम दान) दिया करते थे लेकिन उन्होंने जब देखा कि यह जिज्ञासु प्रेमी और भक्त है और जीव के कल्याण का ही जब हमारा काम है तो नाम दान दे दिया जाए तो दे दिया।

मनुष्य शरीर की कार्य करने की एक क्षमता होती है

महाराज जी ने 31 अक्टूबर 2020 प्रातः उज्जैन आश्रम में बताया कि अकेला आदमी कोई क्या कर सकता है। जैसे जितने भी महापुरुष आये सब मनुष्य शरीर में रहे। मनुष्य शरीर की कार्य करने की एक क्षमता होती है। उतना ही कर सकता है जितना उम्र के अनुसार बल ताकत होती है। तो (सन्त) परिवर्तन के लिए लोगों को जोड़ते हैं। जैसे महापुरुषों ने जोड़ा अपने साथ। ऐसे ही इस समय पर आपको लोगों को जोड़ने में मदद करने की जरूरत है, और लोगों को तैयार करने की, उनका मानस बनाने की, लोगों के अंदर नाम दान लेने की इच्छा जगाने की, लोग मनुष्य शरीर के, कर्म के बारे में सोच लग जाए कि बुरा करेंगे तो नर्क में जाना पड़ेगा, मार पड़ेगी, चौरासी में कीड़ा–मकोड़ा आदि बनना पड़ेगा, यह समझ में आ जाए। इसलिए दुबारा इस दुरूख के संसार में आना न पड़े, एक ही बार में आप निकल चलो, अपने घर पहुंच जाओ इसलिए इस समय लोगों को समझाने की खास जरूरत है।

महिला थाना द्वारा पारिवारिक विवाद का हुआ सफल निस्तारण

यूपी फाइट टाइम्स

तुलसीपुर। दिनांक 19 सितम्बर 2023 को आवेदिका गुलनश जहाँ पत्नी मो.शरीफ निवासी ग्राम् मोहल्ला बैरागीपुरवा थाना तुलसीपुर जनपद बलरामपुर,द्वारा महिला थाना ,जनपद बलरामपुर में एक शिकायती प्रार्थना पत्र दिया गया था,जिसमें पति मो.शरीफ पुत्र बुद्धु निवासी ग्राम बैरागीपुरवा थाना तुलसीपुर जनपद बलरामपुर द्वारा आवेदिका को प्रताड़ित ध गाली–गलौज व मार – पीट करने संबंधित विवाद था।जिसके सम्बन्ध में महिला हेल्पडेस्क पर नियुक्त महिला कॉन्स्टेबल सविता सिंह व रोशनी देवी द्वारा दोनों पक्षों को निस्तारण हेतु महिला थाना,बलरामपुर बुलाया गया द्य उक्त प्रकरण को संज्ञान में लेकर थाना प्रभारी अजय कुमार मौर्य द्वारा दोनों पक्षों को थाने पर बुलाकर समझाया बताया गया । जिसके उपरांत दोनों पक्ष पुरानी बातों को भुलाकर राजी खुशी से एक साथ रहने को तैयार हुए और थाना प्रभारी महोदय को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए महिला थाना से रवाना हुए।

रोटी बैंक सोसाइटी के पदाधिकारियों का सराहनीय कार्य

यूपी फाइट टाइम्स बांदा

बांदा। मंगलवार को दिनाँक 19/09/2023 को सादी जमा संरक्षक बाँदा रोटी बैंक के संरक्षण में रिजवान अली अध्यक्ष बाँदा रोटी बैंक की अध्यक्षता में राहुल अवस्थी शाखा प्रमुख क्योटरा जैविक किसान बाँदा रोटी बैंक के नेतृत्व में सत्येंद्र सिंह उर्फ मोती सिंह संचालक विभूति कार ड्राइविंग स्कूल निवासी ग्राम खैराडा के सहयोग से अरविंद सिंह समाजसेवी निवासी ग्राम खैराडा की उपस्थिति में ग्राम खैराडा के ग्रामीणों को बाँदा रोटी बैंक सोसाइटी के पदाधिकारियों और सदस्यों के द्वारा कपड़े, जूते चप्पल, किताबें,बोतलें आदि का वितरण किया गया। साथ ही ग्रामीणों को वृक्षारोपण,हेल्मेट,कानूनी अधिकारों के लिए बाँदा रोटी बैंक के अध्यक्ष रिजवान अली के द्वारा जागरूक किया गया।उक्त सामान को पाकर ग्रामीणों के चेहरों पर खुशी दिखाई दी।बाँदा रोटी बैंक टीम को ग्रामीणों ने आशीर्वाद से नवाजा। उक्त कार्यक्रम में निम्न पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। मोहम्मद शमीम कार्यालय प्रभारी,अब्दुल मुजीब राजू मीडिया प्रभारी, प्रीती शिवहरे महिला संगठन मंत्री,राहुल अवस्थी शाखा प्रमुख क्योटरा जैविक किसान,इरफान खान चाँद शाखा प्रमुख खाईंपार ,मोहम्मद सलीम शाखा प्रमुख बलखंडी नाका, शाहान अली सदस्य,अलीमुददीन सदस्य आदि।

पुलिस अधीक्षक बलरामपुर के निर्देशन में नारी सुरक्षा दल द्वारा किया जा रहा है महिलाओं/बालिकाओं को जागरूक

यूपी फाइट टाइम्स

पुलिस अधीक्षक बलरामपुर केशव कुमार के निर्देशानुसार एंटी रोमियो स्क्वाड दल, महिला बीट पुलिस अधिकारी, नारी सुरक्षा दल द्वारा समस्त थाना क्षेत्र अन्तर्गत प्रमुख चौराहोंध गॉवोंध्भीड़भाड़ वाले स्थानों पर जाकर चौपाल लगाकर मिशन शक्ति अभियान के बारे में महिलाओंध्बालिकाओं आदि को जानकारी देते हुए सुरक्षा एवं आत्मनिर्भरता के लिए बनाए गए कानून एवं नियमों के बारे में बताते हुए जागरूक किया गया। साथ ही साथ सेल्फ डिफेंस व हेल्पलाइन नंबर– वीमेन पावर लाइन–1090, महिला हेल्प लाइन नंबर–181, चिकित्सीय सहायता हेतु–108 पुलिस कंट्रोल नंबर –112, चाइल्ड हेल्पलाइन –1098 व साइबर अपराधों जैसे– व्ज्च शेयरिंग,लकी ड्रा फ्रॉड कॉल, स्मॉर्ट एडिटिंग वीडियो कॉल,बैंकिंग फ्रॉड आदि के बारे में भी जानकारी दी गयी। साथ ही साथ यह भी बताया गया की यदि किसी प्रकार की समस्या होती है या कहीं आने–जाने पर कोई अंजान व्यक्ति परेशान करता है तो हेल्पलाइन नंबरों पर फोन कर सहायता प्राप्त की जा सकती है। महिलाओं को उनके अधिकार के लिए बनाए गए कानून व नियमों के बारे में जानकारी दी गई तथा पंपलेट का वितरण किया गया। इस दौरान सभी को साइबर अपराध से बचाव के बारे मे भी जानकारी दी गई।

शासन व परिक्षेत्र द्वारा चलाये जा रहे अभियानों में तेजी लाए त्यौहारो पर विशेष सतर्कता बरते

पुलिस महानिरीक्षक आर के भारद्वाज

यूपी फाइट टाइम्स

बस्ती। पुलिस महानिरीक्षक आर के भारद्वाज की अध्यक्षता में रेंज कार्यालय पर मासिक अपराधा समीक्षा गोष्ठी का आयोजन किया गया इस दौरान पुलिस महानिरीक्षक आर के भारद्वाज ने परिक्षेत्र के जनपद पुलिस अधीक्षकों को निम्न निर्देश दिए वाछित अभियुक्तो की गिरफ्तारी कराते हुये उनके विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही कराया जाय अनवर्क आउट के केसों का अनावरण कराया जाय हत्या लूट डकैती व महिला सम्बन्धी अपराधों में अपराधियो के विरूद्ध तत्काल कार्यवाही की जाय सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर पैनी नजर रखते हुए सोशल मीडिया के माध्यम से प्राप्त होने वाली शिकायतों पर तत्काल रिस्पांश देते हुए आवश्यक विधिक कार्यवाही करायी जाय शासन व

परिक्षेत्र द्वारा चलाये जा रहे अभियानों में तेजी लाते हुए प्रभावी कार्यवाही कराई जाए गैगेस्टर एक्ट में जब्तीकरण की कार्यवाही की जाय और माफियाओं का चिन्हिकरण किया जाय त्योहार के सम्बन्ध में तैयारी पूरी करायी जाय पण्डाल रोड पर न बनाया जाय तथा त्योहार पर सभी लोग साथ में रहे त्योहारों पर मन्दिरों पर पुलिस प्रबन्ध सुनिश्चित की जाय 117 सीआरपीसी की कार्यवाही अमल में लायी जाय 145,133 सीआरपीसी जो पेंडिग है शीघ्र निस्तारण किया जया बैठक में बस्ती पुलिस अधीक्षक गोपाल कृष्ण चौधरी संतकबीर नगर पुलिस अधीक्षक सत्यजीत कुमार गुप्ता सिद्धार्थनगर पुलिस अधीक्षकश अभिषेक कुमार अग्रवाल व अन्य अधिकारी मौजूद रहे प्रभारी निरीक्षक सोशल मीडिया सेल पुलिस महानिरीक्षक कार्यालय जनपद बस्ती।

न्यायालय में लम्बित अपराधों में अभियुक्तों को जल्द से जल्द कड़ी सजा दिलाये जाने के संबंध में अपर पुलिस अधीक्षक बांदा द्वारा अभियोजन अधिकारियों. पैरोकारों, कोर्ट मोहर्रिरों के साथ की गई समीक्षा बैठक

यूपी फाइट टाइम्स बांदा

बांदा। पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल निर्देशन में शासन की

मंशा के अनुरुप जनपद में चलाये जा रहे अभियान ऑपरेशन कन्विक्शन के क्रम में मा0 न्यायालय में लम्बित अपराधों में अभियुक्तों को जल्द कड़ी सजा दिलाए जाने हेतु आज दिनांक 19.09.2023 को पुलिस लाइन सभागार में अपर पुलिस अधीक्षक बांदा लक्ष्मी निवास मिश्र द्वारा जनपद के अभियोजन अधिकारियों, कोर्ट मोहर्रिरों तथा पैरोकारों के साथ समीक्षा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा मा0 न्यायालय में प्रभावी एवं त्वरित पैरवी के माध्यम से लम्बित अपराधों के अभियुक्तों को जल्द सजा दिलाए जाने के निर्देश दिए गये। इस दौरान क्षेत्राधिकारी सदर अंबुजा त्रिवेदी भी उपस्थित रही।

दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत ऑनलाइन आवेदन करने की अन्तिम तिथि 31 दिसम्बर

कौशाम्बी। दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना वर्ष 2023–24 के अन्तर्गत सामान्य वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक वर्ग के लिए तथा अनु0जातिध्अनु0जनजाति दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना के लिए निर्गत शासनादेशानुसार नवीन शिक्षण संस्थाओं को मास्टर डाटावेस में सम्मिलित होने तथा मास्टर डाटाबेस में पूर्व से सम्मिलित संस्थाओं को पाठ्यक्रम, पाठ्यक्रम का प्रकार, पाठ्यक्रमवार कुल सीटों की संख्या, सक्षम स्तर से निर्धारति शुल्क आदि सूचनाओं को पूर्ण कर डिजिटल हस्ताक्षर से प्रमाणित करने की अन्तिम तिथि दिनांक 19 दिसम्बर 2023 तथा दशमोत्तर कक्षाओं में अध्ययनरत छात्रध्छात्राओ को ऑनलाइन आवेदन करने की अन्तिम तिथि 31 दिसम्बर 2023 निर्धारित की गयी है। ज्ञात हो कि यह जानकारी जिला समाज कल्याण अधिकारी दिलीप कुमार ने देते हुए जनपद में संचालित समस्त नवीनध्मास्टर डाटाबेस में पूर्व से सम्मिलित दशमोत्तर शिक्षण संस्थाओं के प्रधानाचार्यध्प्राचार्यधनिदेशक एवं नियमित छात्रध्छात्राओं को सूचित किया है कि निर्गत समय सारणी के अनुसार ससमय कार्यवाही करना सुनिश्चित करें, ताकि समस्त पात्र छात्र–छात्रायें छात्रवृत्ति योजना से लाभान्वित हो सकें।

सीडीओ की अध्यक्षता में क्वालिटी एश्योरेंस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षण का आयोजन

कौशाम्बी। मुख्य चिकित्साधिकारी अध्यक्षता में कार्यालय में मंगलवार को क्वालिटी एश्योरेंस कार्यक्रम के अंतर्गत कायाकल्प ओरिएंटेशन कम आवेयरनेस प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिसमे बी०सी०पी०एम०, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा प्रतिभाग किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा बताया गया कि कायाकल्प का उद्देश्य चिकित्सा इकाइयों की स्ट्रेन्निंग किया जाना है, जिससे जन मानस को अधिक से अधिक स्वास्थ्य सुविधा प्रदान की जा सके। कायाकल्प कार्यक्रम के अंतर्गत तीन चरणों मे असससेस्समेंट किया जाता है। चेकलिस्ट के अनुसार चिकित्सा इकाइयों की साफ सफाई, अस्पताल का रख रखाव, इन्फेक्शन कंट्रोल, वेस्ट मेनेजमेंट, सपोर्ट सर्विस, हाइजीन प्रमोशन, बियोंड हॉस्पिटल बाउंड्री, इको फ्रेंडली थीमेटिक एरिया पर असेस्समेंट किया जाएगा । 70: से अधिक स्कोर प्राप्त होने पर मण्डल, राज्य स्तर से असससेस्समेंट कराया जाएगा, राज्य स्तर से असससेस्समेंट में 70: से अधिक स्कोर प्राप्त होता है तो चिकित्सा इकाइयों को कायाकल्प अवार्ड से सम्मानित किया जागा । प्रशिक्षण उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी नोडल क्वालिटी एश्योरेंस एवं डॉ० हसनैन अहमद द्वारा दिया गया।

कौशाम्बी पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर टीएसआई ने चलाया सघन चेकिंग अभियान

कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक वृजेश कुमार श्रीवास्तव के निर्देशानुसार इन दिनो जाति समुदाय व धर्म समुदाय के नाम लिखे वाहनों का सघन चेकिंग अभियान का कार्य किया जा रहा है। गौरतलब हो कि इन दिनो पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी के निर्देशानुसार दोपहिया तथा चार पहिया एवं अन्य वाहनों में धर्म से व जाति से सम्बंधित लिखा रहने पर साथ ही बिना हेलमेट व वाहनों से जुड़े समस्त कागजात न रहने पर सघन चेकिंग अभियान का कार्य टीएसआई जितेन्दप्रसाद सिंह नेतृत्व मे हमराह गणेश प्रसाद, नरेन्द्र सिंह, अफसर अली तथा फुर्ती लाल के द्वारा किया जा रहा है। जिसमें पच्चीस वाहनो का चलान किया गया है। वही चेकिंग अभियान के दौरान कौशाम्बी थाना क्षेत्र मे वाहन चालकों मे अफरातफरी का महौल बना रहा जिसके कारण सडक पर सन्नाटा दिखाई दिया।

दलितों के खिलाफ अन्याय कांग्रेस नहीं करेगी बर्दास्त : राष्ट्रीय सचिव प्रदीप नरवाल

कौशाम्बी। जिले के मोहिद्दीनपुर गांव में हुए तिहरे हत्याकांड पर सोमवार को कांग्रेस पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी के निर्देश पर राष्ट्रीय सचिव प्रदीप नरवाल के नेतृत्व में मोहिद्दीनपुर गांव पहुंचा और पीड़ित परिवार से मुलाकात की। ज्ञात हो कि प्रदीप नरवाल ने कहा कि जिस तरह से ये जघन्य अपराध हुआ है ये सिर्फ एक परिवार के खिलाफ नहीं बल्कि पूरे दलित समाज के खिलाफ अपराध है और कांग्रेस इस मुद्दे पर चुप नहीं बैठेगी और पूरे प्रदेश में इसके खिलाफ लड़ाई लड़ी जाएगी। उन्होंने कहा कि योगी सरकार में जिस तरह से दलितों के खिलाफ अपराध बढ़ा है और अपराध के बाद न्याय न मिलना इस बात का परिचायक है कि सरकार द्वारा पूरे दलित समाज का मनोबल गिराया जा रहा है और स्मांतवादियों का मनोबल इससे बढ़ता जा रहा है, जिससे प्रदेश में लगातार दलितों के खिलाफ अपराध बढ़ रहा है और सरकार दलितों के मुद्दों पर आंख बंद कर बैठी हुई है।

जनपद की समस्त गौशालाओ में संरक्षित गौवंशों को 10 करोड़ साढ़े तीस लाख आवांटित

यूपी फाइट टाइम्स

बांदा। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ० रामऔतार ने बताया है कि जनपद की समस्त तहसीलों के सम्बन्धित ग्राम पंचायतों में गौवंशों के भरण पोषण हेतु कुल 10 करोड 30 लाख 69 हजार 260 की धनराशि भेजी गयी है, जिससे कि ग्राम पंचायतों के द्वारा गौशालाओं में संरक्षित किये गौवंशों के भरण–पोषण की व्यवस्था सुचारू रूप से की जा सके। उन्होंने बताया है कि सदर तहसील बांदा के ग्राम पंचायतों हेतु 3 करोड़ 36 लाख हजार 310 रू0 की धनराशि, तहसील पैलानी के ग्राम पंचायतों हेतु 2 करोड़ 21 लाख 44 हजार 410 रू०, नैरनी तहसील की गौशलाओं हेतु 01 करोड़ 51 लाख 2 हजार 330 रू0 की धनराशि, अतर्रा तहसील की ग्राम पंचायतों की गौशालाओं हेतु 2 करोड़ 39 लाख 55 हजार 240 तथा बबेरू तहसील की ग्राम पंचायतों की गौशालाओं हेतु 81 लाख 95 हजार 970 रू0 की धनराशि सितम्बर माह में तहसील स्तरीय संयुक्त खाते में प्रेषित की गयी है। उन्होंने बताया है कि तहसील बबेरू के विकास खण्डों के प्राप्त एवं अवशेष मांग पत्रों का भुगतान रू0 6.80 करोड़ का शीघ्र भुगतान किया जायेगा।

भगत सिंह पर नयी सुनवाई, लाहौर हाई कोर्ट की नाइंसाफी!

सम्पादक
सतीश गोयल

भगत सिंह मेमोरियल फाउंडेशन ने भगत सिंह की सजा के मामले को फिर से खोलने की मांग की थी। हालांकि लाहौर हाई कोर्ट ने कहा कि याचिका बड़ी पीठ के गठन के लिए सुनवाई योग्य नहीं है। याचिकाकर्ता कुरैशी ने बताया कि वरिष्ठ वकीलों के एक पैनल, जिसका वह भी सदस्य है, उसने लाहौर हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। एक दशक से यह टाल रही है। साल 2013 में तत्कालीन जस्टिस शुजात अली खान ने एक बड़ी पीठ के गठन के लिए मामले को मुख्य न्यायाधीश के पास भेजा था। अब हाई कोर्ट ने बड़ी पीठ के गठन पर आपत्ति जता दी है। लाहौर हाई कोर्ट में कहा गया है कि भगत सिंह ने उपमहाद्वीप की आजादी के लिए लड़ाई लड़ी।

एक बार फिर पुष्टि हो गई कि ब्रिटिश साम्राज्यवादियों की अवैध औलाद है पाकिस्तान। उसके संस्थापक मियां मोहम्मद अली जिन्ना तो गोरे शासकों की कठपुतली रहे। मकसद स्पष्ट था- अखंड भारत को विभाजित कर उसे कमजोर करना। वर्ना लाहौर हाई कोर्ट (16 सितंबर 2023) शहीद-ए-आजम सरदार भगत सिंह को फांसी (23 मार्च 1931) वाले मुकदमे की ईमानदार सुनवाई, नए सबूतों के आधार पर पुनः शुरू कर सकती थी। कारण, भगत सिंह को हत्या के मनगढ़ंत जुर्म में सजा दी गई थी। सरदार भगत सिंह को लाहौर (अविभाजित पंजाब) जेल में रखा गया था। वहीं, अंधेरे में फांसी भी दी गई। पहले उन्हें आजीवन कारावास की सजा दी गई थी। फिर फांसी। साथ में राजगुरु और सुखदेव को भी शहीद कर दिया।

भगत सिंह पर ब्रिटिश शासन के खिलाफ साजिश रचने के आरोप में मुकदमा थोपा गया था। याचिका में भगत सिंह मेमोरियल फाउंडेशन के अध्यक्ष और याचिकाकर्ता वकील इम्तियाज राशिद कुरैशी ने कहा कि हत्या की प्राथमिकी (एफआईआर) में भगत सिंह का नाम नहीं था। भगत सिंह के मामले की सुनवाई कर रहे विशेष न्यायाधीशों ने गत सदी में मामले में 450 गवाहों को सुने बिना ही उन्हें मौत की सजा सुना दी थी। आजादी के आंदोलन के सिपाही भगत सिंह को पहले लंबे अरसे तक कारावास में रखा गया था। बाद में एक अन्य झूठे मामले में मौत की सजा सुनाई गई। लाहौर हाई कोर्ट ने गत शनिवार को लगभग एक दशक पहले दायर मामले को फिर से खोलने और उस याचिका पर सुनवाई के लिए एक वृहद पीठ के गठन पर आपत्ति जताई, जिसमें समीक्षा के सिद्धांतों का पालन करते हुए भगत सिंह की सजा को रद्द करने का अनुरोध किया गया था। अधिवक्ता कुरैशी ने कहा कि वरिष्ठ वकीलों की एक

समिति की यह याचिका एक दशक से हाई कोर्ट में लंबित है। उन्होंने कहा कि 'न्यायमूर्ति शुजात अली खान ने 2013 में एक वृहद पीठ के गठन के लिए मामले को मुख्य न्यायाधीश के पास भेजा था, तब से यह स्थगित है।' भगत सिंह मेमोरियल फाउंडेशन ने भगत सिंह की सजा के मामले को फिर से खोलने की मांग की थी। हालांकि लाहौर हाई कोर्ट ने कहा कि याचिका बड़ी पीठ के गठन के लिए सुनवाई योग्य नहीं है। याचिकाकर्ता कुरैशी ने बताया कि वरिष्ठ वकीलों के एक पैनल, जिसका वह भी सदस्य है, उसने लाहौर हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। एक दशक से यह टाल रही है। साल 2013 में तत्कालीन जस्टिस शुजात अली खान ने एक बड़ी पीठ के गठन के लिए मामले को मुख्य न्यायाधीश के पास भेजा था। अब हाई कोर्ट ने बड़ी पीठ के गठन पर आपत्ति जता दी है। लाहौर हाई कोर्ट में कहा गया है कि भगत सिंह ने उपमहाद्वीप की आजादी के लिए लड़ाई लड़ी। भगत सिंह का उपमहाद्वीप में न केवल सिखों और हिंदुओं बल्कि मुसलमानों द्वारा भी सम्मान किया जाता है। याचिकाकर्ता ने कहा कि यह राष्ट्रीय महत्व का मामला है और इसे पूर्ण पीठ के समक्ष तय किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश पुलिस अधिकारी जॉन पी. सैंडर्स की हत्या की प्राथमिकी में भगत सिंह का नाम ही नहीं था, जिसके लिए उन्हें मौत की सजा सुनाई गई। गवाहों को मौका दिये बिना ही भगत सिंह को मौत की सजा सुनाई गई थी।

करीब एक दशक पहले अदालत के आदेश पर लाहौर पुलिस ने अनारकली थाने के रिकॉर्ड खंगाले थे। पुलिस अफसर सैंडर्स की हत्या की प्राथमिकी ढूंढने में कामयाबी हासिल की थी। उर्दू में लिखी यह प्राथमिकी 17 दिसंबर, 1928 को शाम साढ़े चार बजे दो 'अज्ञात बंदूकधारियों' के खिलाफ अनारकली पुलिस थाने में दर्ज की गई थी। कुरैशी ने कहा कि भगत सिंह का मामला देख रहे विशेष न्यायाधीशों ने गवाहों को सुना ही नहीं था। मगर उन्हें मौत की सजा सुना दी। उन्होंने कहा कि सिंह के वकीलों को जिरह करने का समय तक नहीं दिया गया था।

इस प्राथमिकी में लिखा था कि 17 दिसंबर, 1928 को शाम साढ़े चार बजे दो 'अज्ञात बंदूकधारियों' के खिलाफ अनारकली पुलिस थाने में दर्ज की गई थी। याचिका में भगत सिंह को मरणोपरांत राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किए जाने का भी अनुरोध किया गया था। भगत सिंह को ब्रिटिश शासन के खिलाफ साजिश रचने के आरोप में मुकदमा चलाने के बाद 23 मार्च, 1931 को उनके साथियों राजगुरु और सुखदेव के साथ फांसी दे दी गई थी। अब भारत के पंजाब हाईकोर्ट में याचिका दायर होनी चाहिए।

(लेखक, जाने-माने वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

संपादकीय

टीम इंडिया का बुलंद है हौसला

टीम इंडिया ने रिकॉर्ड आठवीं बार एशिया कप पर कब्जा जमा लिया है। श्रीलंका पर भारत की अब तक की यह सबसे बड़ी जीत है। यह पेस गेंदबाज मोहम्मद सिराज की गेंदबाजी का ही कमाल था कि जिस श्रीलंका को जीत का मजबूत दावेदार माना जा रहा था, वह फाइनल में इज्जत बचाती नजर आई। सिराज ने अपने वनडे करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए एक ओवर में चार विकेट निकालकर भारत की जीत की कहानी लिखी। ऐसे प्रदर्शन करने वाले वे भारत के इकलौते गेंदबाज हैं। भारतीय टीम को पिछले काफी समय से फाइनल में लड़खड़ाहट दिखाने वाली टीम माना जाता है और इसकी वजह एक दशक से ज्यादा समय से किसी आईसीसी ट्रॉफी पर कब्जा नहीं जमा पाना है। लेकिन इस सफलता ने भारत को विश्व कप जीतने के दावेदारों में ला खड़ा किया है, जो पांच अक्टूबर से भारत में होने वाला है। इस सफलता को पाने में शुभमन गिल, विराट कोहली और केएल राहुल की बल्लेबाजी के साथ मैन ऑफ द टूर्नामेंट बने कुलदीप यादव, पेस गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की गेंदबाजी ने अहम भूमिका निभाई है। एशिया कप में भाग लेने वाली भारतीय टीम में तमाम खामियां देखी जा रहीं थीं। कहा जा रहा था कि इस टीम से विश्व कप जीतने की उम्मीद बेमानी होगी। लेकिन इस खिताबी सफलता ने टीम के सारे समीकरणों को बदल दिया है। अब टीम एकजुट नजर आने लगी है। पर श्रेयस अय्यर और अक्षर पटेल की चोटों ने टीम प्रबंधकों को चिंता में डाल दिया है। श्रेयस की लंबे समय बाद वापसी हुई थी और उनकी फॉर्म की ढंग से परख हो भी नहीं पाई थी कि वे फिर से चोटिल हो गए। वे यदि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में खेलने लायक फिट नहीं हो पाते हैं तो उन्हें विश्व कप टीम में ढोना उचित नहीं होगा। यहां तक उनकी चौथे नंबर की बात है तो उस पर केएल राहुल पहले ही काबिज हो गए हैं और पांचवें नंबर ईशान किशन फिट हो गए हैं। अक्षर पटेल के बांग्लादेश के खिलाफ मैच में चोटिल होने के बाद बहुत संभव है कि उनके स्थान पर रविचंद्रन अश्विन टीम में आ जाएं। इससे भारतीय गेंदबाजी में विविधता आने के साथ ही धारदार हो जाएगी, साथ ही अश्विन अच्छी बल्लेबाजी करने का माद्दा भी रखते हैं। वैसे भी टीम में दो लेफ्ट आर्म स्पिनरों को चुनने और ऑफ स्पिनर की अनदेखी की आलोचना भी हो रही थी। ऐसा करके स्पिन आक्रमण को और संतुलित किया जा सकता है। वैसे भी माह के आखिर तक टीम में बदलाव किया जा सकता है।

चिंतन-मनन

पाप कर्म का फल हानिकारक है

कहहिं कबीर यह कलि है खोटी। जो रहे करवा सो निकरै टोटी।। एक छोटा सा पहाड़ी गांव था। ग्राम के सभी लोग शराब व मांस का सेवन करते थे। जो शराब नहीं पीता था, जो मांस नहीं खाता था उसे ग्राम सजा के रूप में ग्राम बाहर कर देते थे। उसी ग्राम का एक आदमी अपने संबंधी के गांव गया। ग्राम में संतजन आए हुए थे। अतः अपने समधी के साथ सत्संग में चला गया। उपदेश का जादू ऐसा कर गया कि वह तत्काल प्रभाव से शराब व मांस सेवन छोड़ दिया। गांव वापस आने पर पूरा परिवार इस दुर्व्यसन को छोड़ दिए। यह तथ्य ग्राम में फैल गई। बैठक हुई और उसे गांव बहिरा की सजा दे दी गई गांव वाले उस परिवार से कटने लगे। नाई, धोबी, नौकर आदि सब ने उसके यहां काम करना बंद कर दिया। कुछ दिन उसे जीवनयापन में अड़चन हुई परंतु धीरे-धीरे सब सामान्य हो गया। गांव के और लोग उनसे प्रभावित होकर शराब मांस छोड़ दिए। साहेब कहते हैं कि, हे अभागा मनुष्य! तुम्हें बुरे कार्य करने के लिए किसने सम्मानित किया है जो रात दिन चोरी, झूठ, नशापान, मांस खाने में आनंद मानते हो और विषयों में सुख का भ्रम पाल रहे हो आज कल में तेरा अंत हो जाएगा। जीवन भर अशुभ कार्य करते हुए इस उत्तम मानव शरीर का दुरुपयोग ही किए हो अतः मृत्यु पश्चात तुम्हारा कहां निवास होगा इसका तुम्हें होश नहीं है। राम न रमसि कौन डंड लागा। राम भजन है शुभ कार्य। शुभ कार्य छोड़कर अशुभ काम में लिप्त रहने तुम्हें किसने दंडित या गांव बहिरा किया है? साहेब कहते हैं, पाप कर्म बहुत बुरी बात है। पाप कर्म का फल हानिकारक है, पाप कर्म काटने के लिए तीर्थ जाते हो। पूजा पाठ करते हो। केश-मुंडन कराते हो। तंत्र-मंत्र तथा पाखंड युक्त कर्म करके मुक्त होना चाहते हो। ये सब तुम्हारा भ्रम है अपने अंदर की पशुत्व को मिटाना छोड़ पशुबलि पर मुक्ति पाने का भ्रम पालते हो। साहेब कहते हैं, जीवन में जिसकी कमाई होगी उसी का फल मिलेगा। मनुष्य जो कुछ जीवन भर करता है उन्हीं सबका संस्कार मन में इकट्ठे होकर भीतर जमा होते हैं। और उन्हीं का फल आज तथा आगे मिलते हैं यदि तुमने जीवन में अच्छे संस्कार की कमाई की है तो तुम्हारे जीवन में शांति बनी रहेगी। ड्रम को मांज धोकर स्वच्छ जल भरोगे तो ड्रम के नल से स्वच्छ जल ही निकलेगा। गंदा पानी भरने से गंदा पानी निकलेगा। तेल भरने से तेल व जहर भरने से जहर ही निकलेगा। हे अभागे मनुष्य तू अपना माना हुआ सब कुछ छोड़कर एक दिन यहां से चला जाएगा। धन-जन साथी सब छूटेंगे। परंतु राम नहीं छूटेगा और राम है तेरी चेतना तेरा अभिन्न स्वरूप अतः सारी वासनाएं छोड़कर राम में लीन हो जा। वे कहते हैं।

राम न रमसि कौन डंड लागा।
मरि जबै का करिये अभागा।।

75 साल में बुढ़ा गई संसद

पुनीत गौड़
पॉलिटिकल एडिटर

संसद का विशेष सत्र सोमवार से शुरू हो गया है। स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। संसद के गठन और कामकाज को लेकर चर्चाएं और समीक्षा होने लगी हैं। वर्तमान संसद में केवल 21 लोकसभा के युवा सांसद हैं। जब पहली संसद गठित हुई थी उस समय लोकसभा में 35 बरस से कम उम्र के युवा संसद सदस्यों की संख्या 82 थी। वर्तमान लोकसभा में 35 वर्ष से कम आयु के मात्र 21 सांसद रह गए हैं। जब पहली सांसद बनी थी उसे समय लोकसभा सदस्यों की संख्या 489 थी। अब लोकसभा सदस्यों की संख्या बढ़कर 545 हो गई है। इस संख्या को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि वर्तमान लोकसभा बूढ़े लोगों की लोकसभा बन गई है। पहली लोकसभा में सांसदों की औसत उम्र 46.5 वर्ष थी जो अब बढ़कर 55 साल हो गई है। पहले मतदान में महिलाओं ने कम मतदान किया था। 1962 में लोकसभा के चुनाव में महिलाओं का मतदान प्रतिशत 46.6 फीसदी था, जो अब बढ़कर 67.4 फीसदी तक पहुंच गया है। पहली लोकसभा में महिला सांसदों की संख्या 22 थी, जो अब बढ़कर 78 हो गई है।

बैठकों के मामले में लोकसभा निचले स्तर पर जा रही है। 1956 में लोकसभा की सबसे अधिक 151 दिन की बैठकें हुई थीं। 2020 में कोविड के दौरान मात्र 23 बैठकें हुईं। पिछले 9 वर्षों में लोकसभा में बैठकों की संख्या लगातार घटती ही जा रही है। पहली लोकसभा के चुनाव में 53 राजनीतिक दलों के उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा था। अब देश में राजनीतिक दलों की संख्या बढ़कर 673 हो गई है। देश में अभी तक 17 लोकसभा के चुनाव हुए हैं, जिसमें से 10 लोकसभा चुनाव में स्पष्ट बहुमत के साथ सरकार बनी है। सात लोकसभा चुनाव में किसी भी राजनीतिक दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला। 2004 के बाद से सत्ताधारी दल को लोकसभा चुनाव में सबसे ज्यादा मत प्राप्त होते हैं, यह ट्रेंड 2004 के बाद ही शुरू हुआ है। पहली लोकसभा में प्रश्नकाल के लिए 15 फीसदी समय दिया गया था। चौथी लोकसभा में यह समय घटकर 11.42 फीसदी रह गया था। इसके बाद के आंकड़े लोकसभा सचिवालय ने जारी नहीं किए हैं। 16वीं और 17वीं लोकसभा में हो हंगामा के बीच बैठकें हो रही हैं। बिल बिना चर्चा के ध्वनि मत से पास कराए जा रहे हैं। 17वीं लोकसभा का कार्यकाल सबसे ज्यादा चिंता जनक रहा है। इसमें संसद सदस्यों को पर्याप्त समय उनके प्रश्न उठाने के लिए नहीं मिला नाही उन्हें पर्याप्त समय किसी भी कानून के बारे में बोलने के लिए दिया गया। संसद सत्र की अवधि कम हो जाने के कारण सांसदों के अधिकारों में हनन भी हुआ है।

17वीं लोकसभा में परित बिलों पर विशेष चर्चा नहीं हुई, अधिकांश बिल बिना चर्चा के ध्वनिमत से बहुमत के आधार पर पास कर दिए गए, जिसके कारण जो कानून बनाए, गए उनमें बार-बार संशोधन करना पड़ रहा है। सरकार ने मनी बिल के रूप में कई विधेयक पेश कर संसद के अधिकारों को सीमित कर दिया। विभागों द्वारा परिपत्र जारी कर नियमों को लगातार बदलाव किया, जिसके कारण अब कानून कम बन रहे हैं। संसद में कानून में कम संशोधन होते हुए दिख रहे हैं, जिसके कारण संसद और सांसदों के अधिकार पहले की तुलना में कम हुए हैं। संसद का विशेष सत्र नई संसद भवन में 18 तारीख से शुरू हुआ है। सारे देश एवं दुनिया में नये संसद भवन के चर्चा हो रही है। पक्ष और विपक्ष के बीच में नई संसद भवन में चर्चा के दौरान पहले ही दिन तलखी देखने को मिली है। 75 वर्ष के संसदीय इतिहास में युवाओं की संख्या और उनका प्रतिनिधित्व लोकसभा में लगातार घट रहा है, जबकि देश में युवाओं की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। उस हिसाब से इस असंतुलन को लेकर भी चर्चा होने लगी है। लोकसभा के अध्यक्ष निर्वाद रुप से सांसदों के अभिभावक और संसदीय प्रणाली लोकतंत्र के संरक्ष की भूमिका होती थी। सरकार के प्रति वह उत्तरदायी नहीं होते थे। पिछले कुछ वर्षों में लोकसभा के अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति की निष्ठा सत्ता पक्ष के प्रति बढ़ी है, जिसके कारण संविधान और संसदीय परम्पराओं और कार्यवाही को लेकर भी सत्ता पक्ष एवं विपक्ष में दूरियां बढ़ रही हैं।

हिमालय दिवस : गंभीर नहीं हैं चिंता करने वाले

शरद कुमार सह सम्पादक

हिमालय के संवेदनशील पर्यावरण के लिए चिंतित देश भर के सामाजिक कार्यकर्ताओं और पर्यावरणविदों ने मिलकर देहरादून स्थित हैस्को केंद्र शुक्लापुर में 2010 में एक बैठक की थी।

जिसमें हर वर्ष 9 सितम्बर को हिमालय दिवस मनाने का निर्णय लिया गया था। जब यह विचार आया तो हम काफी उत्साहित थे कि हिमालय दिवस के अवसर पर राज-समाज को साथ लेकर हिमालय की गंभीर समस्याओं के साथ-साथ यहां के ज्वलंत मुद्दों की तरफ सरकार का ध्यान आकर्षित करेंगे। कहा गया था कि जहां-जहां पर लोग हिमालय बचाने के लिए रचनात्मक और आंदोलनात्मक गतिविधियां कर रहे हैं, उनको साथ लेकर संवाद किया जाएगा।

इससे पहले 2009 में हिमालय नीति संवाद का आयोजन भी देहरादून में किया गया था। जिसमें हिमालय नीति के लिए सुझाव के रूप में 'हिमालय लोक नीति' का एक दस्तावेज तैयार किया गया। इस दस्तावेज को सन 2014-15 में आयोजित गंगोत्री से गंगासागर तक की यात्रा के दौरान आमजन के बीच में साझा किया गया था। जिस पर लगभग 50 हजार लोगों ने हस्ताक्षर किए थे। जिसको प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को भेजा गया था। लेकिन उन्होंने इस विषय पर कुछ नहीं कहा, जबकि 16वें लोकसभा के चुनाव में भाजपा की सरकार बहुत बड़े बहुमत के साथ केंद्र में आई। उत्तराखंड से भी पांचों सांसद भाजपा से चुने गए थे। इन्हीं में पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद रमेश पोखरियाल निशंक ने पार्लियामेंट में हिमालय विकास के मॉडल पर बहुत ही महत्त्वपूर्ण चर्चा करवायी, जिसके फलस्वरूप हिमालय के लिए अलग मंत्रालय बनाने पर सुझाव दिये गए।

हमें भी खुशी हुई कि केंद्र की सरकार एक मजबूत केंद्रीय हिमालय नीति बनाने के लिए हिमालय का मंत्रालय तो बनाएगा ही साथ ही हिमालय के पृथक विकास के मॉडल को निर्धारित करने के लिए आमजन द्वारा प्रस्तुत की गई हिमालय लोक नीति के सुझाव के अनुरूप हिमालय नीति का निर्धारण करेगी। हमारी यह आशा इसलिए थी कि जब हिमालय लोक नीति का मसौदा केंद्र सरकार तक पहुंचाया गया तो इसके तुरंत बाद नीति आयोग में राधा बहन और खुद इस लेखक की उपस्थिति में हिमालय के पृथक मॉडल पर एक महत्त्वपूर्ण बैठक गांधी शांति प्रतिष्ठान नई दिल्ली की पहल पर की गई थी। जिसमें हिमालय के लिए अलग से सेल बनाने की बात स्वीकारी गई। इसके बाद हम पत्रों के माध्यम से नीति आयोग के संपर्क में बने रहे। लेकिन सरकार ने तुरंत मसूरी में हिमालय राज्यों की एक कांक्लेव कर हिमालय की बहस इसके आगे नहीं पहुंचायी। इसी दौर में 'नमामि गंगे परियोजना' भी शुरू हुई।

हम लोग बार-बार कहते रहे कि 'हिमालय बचेगा तो गंगा बहेगी' इस विषय पर हमने बहुत सारी बातें लिखकर सरकार को सौंपी थी। परंतु हमारी अनसुनी की गई। 2010 के बाद 5 वर्षों तक हम हिमालय दिवस को देहरादून में जाकर इसलिए मनाते रहे कि हमें महसूस हो रहा था कि शायद सरकार इस विषय पर गंभीरता दिखायेगी। लेकिन हमने जितने भी दस्तावेज, हस्ताक्षर, ज्ञापन मीटिंगों के माध्यम से जो भी संवाद केंद्र और राज्य तक पहुंचाया उन सबको रद्दी की टोकरी में डाल दिया गया है। लेकिन दूसरी ओर हमारे साथ खड़े दूसरे महत्त्वपूर्ण लोग पर्यावरण के इस सवाल पर गंभीरता से आगे तो नहीं आ रहे थे। लेकिन उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के प्रचार के नाम पर जल्दी ही ख्याति प्राप्त कर ली और उन्हें पुरस्कार भी मिल गया। जबकि हिमालय दिवस की आवाज को सुना ही नहीं गया था। और इसकी शुरू आत करने वाले लोगों ने पुरस्कारों के आगे झुकना ही ज्यादा पसंद किया। और हिमालय लोक नीति की बहस को ही कुंद कर दिया। अब वर्तमान समय में हिमालय दिवस स्कूल के छात्र-छात्राओं के बीच में एक प्रतिज्ञा के रूप में फैल गया है। लेकिन वे किस हिमालय को बचाने के लिए प्रतिज्ञा कर रहे हैं, इसका संवाद देहरादून तक ही सिमट गया है।

जिस तरह से 2010-15 के बीच में हिमालय दिवस को बहुत आगे तक ले जाने के लिए सरकार भी इसके विचार को मानने लगी थी। वह अब मूल विषय से हटकर उसे व्यक्तिगत प्रतिष्ठा और पुरस्कार के बीच थम गया है। स्थिति यह है कि हिमालय दिवस अन्य दिवसों की भांति ही हिमालय की चिंता भर कर रहा है। उत्तराखंड में कई स्थानों पर बड़े पैमाने पर जंगल कट रहे हैं। हिमालय आपदा का घर बन गया है। लेकिन हम भूल गए कि लोग हिमालय बचाने के लिए आगे आए हैं, जैसे उदाहरण के रूप में हमारे पास जोशीमठ के लोग हिमालय की बिगड़ती स्थिति की तरफ देश का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। कुछ लोग जंगल बचा रहे हैं। हेलंग गांव की महिलाओं ने घास काटने का अधिकार मांगा था, पर पर्यावरणविदें ने अपने सम्मान और पुरस्कार के चक्कर में उस मुद्दे को भुला कर व्यवस्था के सामने पूरी तरह नतमस्तक हो चुके हैं। ऐसे में हिमालय तो नहीं बच सकता है। लेकिन हिमालय दिवस के नाम पर अनेकों पुरस्कार वितरण होंगे, हिमालय लुटता रहेगा। लोग पुरस्कार लेते रहेंगे और हिमालय-हिमालय बोलते रहेंगे। क्या सचमुच हिमालय बचेगा या हिमालयार्जन की कोई नई योजना आ जाएगी। सोचिए!

न्यूज सार

हड़ताल पर रहे अधिवक्ता, की नारेबाजी

कौशाम्बी। हापुड़ प्रकरण को लेकर वकीलों का विरोध अभी तक खत्म नहीं हुआ है। बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के आह्वान पर सोमवार को भी अधिवक्ता हड़ताल पर रहे। उन्होंने न्यायिक कार्य नहीं किया। चायल तहसील परिसर में विरोध प्रदर्शन करते हुए लाठीचार्ज करने वाले पुलिस कर्मियों को निलंबित करने की मांग की। चेतावनी दी कि मांगें पूरी न होने तक आंदोलन जारी रहेगा। ज्ञात हो कि सुबह बार अध्यक्ष जगजीत सिंह एवं सचिव राजेश्वर सिंह के नेतृत्व में अधिवक्ता तहसील परिसर में एकत्र हुए। उन्होंने बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के आह्वान पर न्यायिक कार्य नहीं किया। हापुड़ घटना के विरोध में उन्होंने नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। अध्यक्ष ने कहा कि हापुड़ में पुलिस ने अधिवक्ताओं पर लाठीचार्ज कर कानून व्यवस्था को छिन्न–भिन्न किया है। उन्होंने मांग किया कि दोषी अधिकारियों और पुलिस कर्मियों को बर्खास्त कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाए और अधिवक्ताओं पर दर्ज मुकदमे वापस लिए जाएं। इस दौरान संतोष श्रीवास्तव, रिजवान अहमद, शनिचंद्र मिश्रा, रामनरेश पटेल, अजीत कुमार, मो.आमिर, राजेंद्र कुमार, सुरेंद्र सिंह, सुखलाल यादव, मुलायम सिंह, धर्मेंद्र सिंह, नूरुत जमां, मेशाहरुख, मो.सुल्तान, राकेश कुमार, विनय कुमार, विद्यासागर, सुभाष, सुनील कैथवास, बलवंतिसंह, विनीत सिंह, त्रिभुवन सिंह और संदीप कुमार आदि अधिवक्ता मौजूद रहे।

जल निगम के दूषित जल से परेशान उपभोक्ता

लालगोपालगंज प्रयागराज। नगर पंचायत क्षेत्र में जल निगम के पानी में दुर्गंध आ रही है जिससे उपभोक्ता जल निगम का उपयोग न करके पानी पीने के लिए सरकारी हैंड पंप का सहारा ले रहे हैं। हालांकि यह दुर्गंध कई हफ्ते से आने की सुगबुगाहट कस्बे में हो रही थी लेकिन मंगलवार को पानी में दुर्गंध ज्यादा आने लगी जिससे उपभोक्ता एक दूसरे से दुर्गंध की पूछताछ कर रहे हैं। वहीं एक उपभोक्ता जल निगम के कर्मचारियों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए उच्च अधिकारियों से शिकायत की बात कही है। उपभोक्ता ने यह भी आरोप लगाया कर्मचारी चंद्र पैसे के लालच में जल निगम को ट्यूबवेल बना दिया है सिंचाई का कार्य हो रहा है लेकिन उच्च अधिकारी का ध्यान नही है इसलिए जिला स्तर के अधिकारी से पुनः शिकायत की जाएगी।

किसान दिवस की बैठक 20 सितम्बर को

कौशाम्बी। किसान दिवस की बैठक 20 सितम्बर 2023 को पूर्वाह्न 11:30 बजे किसान कल्याण केन्द्र, मंझनपुर के सभागार में आहूत किया जायेगा। यह जानकारी उप कृषि निदेशक ने देते हुए बताया कि बैठक में जनपद के किसानों की समस्याओं का निराकरण किया जायेगा।

गैंगेस्टर एक्ट का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

यूपी फाइट टाइम्स

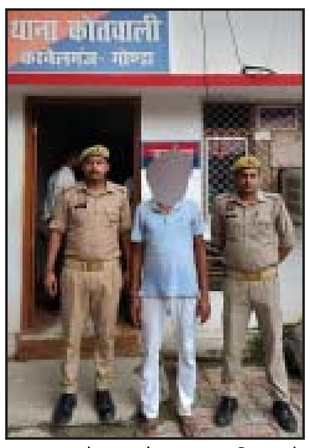

पुलिस अधीक्षक गोण्डा अंकित मित्तल द्वारा अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत पुरस्कार घोषित/गैंगेस्टर एक्ट में वांछित अभियुक्तों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी करने के निर्देश जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षों को दिए थे। जिसके क्रम में थाना को0 करनैलगंज पुलिस को बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। आज दिनांक 19.09.2023 को थाना को0करनैलगंज पुलिस ने क्षेत्रभ्रमण के दौरान गैंगेस्टर एक्ट के वांछित अभियुक्त विनोद कुमार सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया। उक्त अभियुक्त थाना करनैलगंज में पंजीकृत मु0अ0सं0 147/2023 धारा 3(1)यू0पी0 गैंगेस्टर एक्ट में वांछित था अभियुक्त के विरूद्ध थाना करनैलगंज पुलिस द्वारा विधिक कार्यवाही की गयी।

गिरफ्तार अभियुक्त–

01. विनोद कुमार सिंह पुत्र जयशंकर सिंह निवासी चौनापुर थाना कौड़िया जनपद गोण्डा।

पंजीकृत अभियोग–

01. मु0अ0सं0–147/2023 धारा 3(1) यू0पी0 गैंगेस्टर ऐक्ट थाना करनैलगंज जनपद गोण्डा।

गिरफ्तारकर्ता टीम–

01. प्रभारी निरीक्षक चितवन कुमार मय टीम थाना करनैलगंज गोण्डा।

मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत गजपुर ग्रिंट में निकाला गया माटी कलश यात्रा

यूपी फाइट टाइम्स

बलरामपुर। शासन के क्रम में विकासखंड खण्ड गैंड़स बुजुर्ग के अन्तर्गत ग्राम पंचायत गजपुर ग्रिंट में आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत मेरी माटी मेरा देश का ग्राम विकास अधिकारी व ग्राम प्रधान प्रतिनिधि के नेतृत्व में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें ग्राम प्रधान प्रतिनिधित्व व ग्राम विकास अधिकारी ने गांव के लोगों और महिलाओं के साथ माटी का कलश लेकर महिलाओं के साथ गांव में यात्रा निकाली। जिसमें दर्जनों घरों की मिट्टी इकट्ठी की। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवाहन पर देश में इस समय तिरंगा यात्रा के साथ मेरी माटी मेरा देश अभियान चलाया जा रहा है। भारत के अमर शहीदों के योगदान का स्मरण करने तथा नई पीढ़ी को देश के शहीदों से परिचय करवाना भी है। देश तभी महान बनता है जब उसकी सांस्कृतिक विरासत महान होती है। इस तिरंगा यात्रा के अंतर्गत अमृत कलश लेकर घर–घर जाकर मिट्टी इकट्ठी कर उसे दिल्ली में भेजा जाएगा। इस मौके प्रधान गुज्जीलाल चौहान, छेदीलाल चौहान कप्तान सिंह चौहान, किशोरी लाल चौहान, शैलेंद्र प्रसाद रोजगार सेवक, भाजपा मंडल अध्यक्ष सुरेश कुमार मौर्या, शालिग्राम मौर्या, लालजी चौहान, राम केवल यादव, सहज राम, व मायाराम चौहान समस्त ग्राम वासी मौजूद रहे।

जल जीवन मिशन कार्यदायी संस्था द्वारा खोदे गये गड्ढे बने मुसीबत

पूर्व विधायक संजय प्रताप ने मुख्यमंत्री से किया गड्ढों को भरवाने क्षतिग्रस्त सड़कों के मरम्मत की मांग

यूपी फाइट टाइम्स

बस्ती। रुधौली के पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर जनपद में जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्रो में पाईप लाइन बिछाने के दौरान खोदे गये गड्ढे को पुनः भरवाने एवं क्षतिग्रस्त हुए सड़को इण्टर लॉकिंग को ठीक कराये जाने का आग्रह किया है मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में पूर्व विधायक संजय प्रताप ने कहा है कि विधानसभा क्षेत्र 309 रुधौली के अन्तर्गत ग्रामो में जल जीवन मिशन के तहत कार्यदायी संस्था द्वारा पाईप लाइन बिछाये जाने का कार्य किया जा रहा है पाईप बिछाने के दौरान खोदे गये जमीन तथा क्षतिग्रस्त सड़को की पटरियों को छोड़ दिया जा रहा है इससे आये दिन ग्रामीणों को परेशानियां तथा दुर्घटनाएं हो रही है पत्र में पूर्व विधायक संजय ने कहा है कि उन्होंने मण्डलायुक्त एवं जिलाधिकारी से पत्राचार कर प्रकरण से अवगत कराया गया था परन्तु कार्यवाही के क्रम में पत्रांक संख्या 227 ६ डब्लू–4 ६ 29 दिनांक 18.08.2023 को अधिशासी अभियन्ता उत्तर प्रदेश जल निगम ग्रामीण के खण्ड कार्यालय द्वारा खानापूर्ति करते हुये कार्यदायी संस्था को अनुबन्ध के अनुसार कार्य करने के लिए आदेशित किया गया जबकि समस्याओं का विभाग द्वारा न तो धरातलीय जांच की गयी और न ही गुणवत्ता विहीन कार्य के लिए कार्यदायी संस्था को दण्डित किया गया जिससे समस्याएं पूर्ववत बनी हुई है आये दिन ग्रामीणों के माध्यम से शिकायते मिल रही है उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि कार्यदायी संस्था द्वारा पाईप लाइन बिछाने के दौरान खोदे गये नाली तथा सड़को की क्षतिग्रस्त पटरियों का गुणवत्ता पूर्ण निर्माण कराये जाने हेतु संबंधित विभाग के दौरान निर्देशित किया जाय यह जानकारी पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल के मीडिया प्रभारी अमर सोनी ने दी है।

जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी ब्लॉक प्रमुख राकेश श्रीवास्तव के साथ सभी कर्मचारी ब्लॉक परिसर में बनाये गए थे बंधक

सदर ब्लश्क के मैन गेट में ताला बंद कर ग्राम प्रधान ने लगाए मुर्दाबाद के नारे

यूपी फाइट टाइम्स

बस्ती। बस्ती सदर ब्लॉक फिर एक बार ग्राम प्रधानों द्वारा चर्चाओं की सुर्खियों मे दिखा हुआ यू कि बस्ती सदर ब्लाक के अंदर सभी ग्राम पंचायत में लगभग 60 दिनों से विकास कार्य ठप रहा जिससे ग्राम प्रधान संगठनों में काफी आक्रोश पैदा हो गई वहीं ग्राम प्रधानों द्वारा ब्लॉक के सभी पटलों को बंद करवा कर सभी कर्मचारियों को बाहर निकाल कर सभी कमरे को बंद कर दिया गया और वही सदर ब्लाक के गेट मे ग्राम प्रधानों द्वारा ताला लगाकर बंद कर दिया गया और ग्राम प्रधानों ने खंड विकास अधिकारी के मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए कहां की वीडीओ की मनमानी नहीं चलेगी और वीडीओ को ब्लॉक से हटाने की मांग करने पर अड़ गए वहीं ब्लॉक के सभागार में कई दर्जन दिव्यांगों को आवास योजना का लाभ दिया जाने का कार्यक्रम था इस कार्यक्रम मे जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी व ब्लाक प्रमुख राकेश श्रीवास्तव के साथ कई अधिकारी कर्मचारी आये हुए थे जिसमे ये दोनों जनप्रतिनिधि द्वारा प्रधानों को समझाने की कोशिश की गई और काफी देर मान मानउवल किया गया लेकिन प्रधानों ने इन दोनों जनप्रतिनिधियों की एक न सुनी और कई घंटो धरना प्रदर्शन और नारे बाजी करते रहे इसके बाद जब इसकी खबर उच्चाधिकारियों को हुई तो आनन फानन मे बस्ती सदर उपजिलाधिकारी विनोद पाण्डेय ने आ कर प्रधानों की समस्या सुनी और इनके समस्याओं को निस्तारण करते की बात कही तब जा कर प्रधानों ने धरना प्रदर्शन समाप्त किया।

वाल्टरगंज थानाध्यक्ष रामदेव के हत्थे चढ़ा अवैध गांजा 800 ग्राम के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार

यूपी फाइट टाइम्स

बस्ती। पुलिस अधीक्षक गोपाल कृष्ण चौधरी द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत बस्ती अपर पुलिस अधीक्षक दीपेन्द्र नाथ चौधरी के कुशल निर्देशन में तथा बस्ती सदर क्षेत्राधिकारी विनय चौहान के निकट पर्यवेक्षण में वाल्टरगंज थानाध्यक्ष रामदेव के नेतृत्व में उ0नि0 श्री सुभाष मौर्या मय पुलिस फोर्स के बहद ग्राम मानिकचन्द्र रुधौली मार्ग के पास से एक नफर अभियुक्त रामनरायन सैनी उर्फ शशी सैनी पुत्र स्व0 रामकिशोर सैनी निवासी धोबहा थाना रुधौली जनपद बस्ती को 800 ग्राम नाजायज गांजा के साथ गिरफ्तार किया गया गिरफ्तार अभियुक्त के विरूद्ध थाना स्थानीय पर मु0 अ0 सं0– 0241/2023 धारा 0820 एनडीपीएस ऐक्ट पंजीकृत करके नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करते हुए आज न्यायालय बस्ती रवाना किया गया गिरफ्तारी का संक्षिप्त विवरण आज उ0 नि0 श्री सुभाष मौर्या मय हमराहियान के देखभाल क्षेत्र व चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति के मामूर थे कि कि मुखबीर सूचना के आधार पर बहद ग्राम मानिकचन्द्र रुधौली मार्ग के पास से एक संदिग्ध व्यक्ति जिसके पास एक झोले में 800 ग्राम नाजायज गांजा था समय करीब 12.10 बजे हिरासत पुलिस में लिया गया अभियुक्त को हिरासत में मौके पर फर्द बरामदगी व गिरफ्तरी तैयार कर अभियुक्त के परिजन को गिरफ्तारी की सूचना दी गयी दौराने गिरफ्तारी व बरामदगी मा0 सर्वोच्च न्यायालय व मानवाधिकारी आयोग का अक्षरश पालन किया गया गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण रामनरायन सैनी उर्फ शशी सैनी पुत्र स्व0 रामकिशोर सैनी निवासी धोबहा थाना रुधौली जनपद बस्ती उम्र करीब 31 वर्ष

गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम

उ0 नि0 श्री सुभाष मौर्या थाना वाल्टरगंज हे0का0 राकेश यादव थाना वाल्टरगंज का0 राकेश कुमार थाना वाल्टरगंज जनपद बस्ती।

किशनपुर व्यापार मंडल इकाई का शपथग्रहण समारोह सम्पन्न

यूपी फाइट टाइम्स

फतेहपुर। किशनपुर व्यापार मंडल की इकाई का गठन कुछ दिन पूर्व किया गया था। जिसका शपथ ग्रहण समारोह कामिनी मैरिज हॉल में व्यापार मंडल के कई बड़े पदाधिकारियों की मौजूदगी में मंगलवार को संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता नवनिर्वाचित नगर अध्यक्ष अनिल शुक्ला ने की। मंगलवार को कामिनी मैरिज हॉल में व्यापार मंडल के शपथ ग्रहण में स्थानीय विधायिका कृष्णा पासवान भी मौजूद रही। कार्यक्रम की शुरुआत पदाधिकारी को माल्यार्पण व स्वागत कर किया गया। जिसके बाद नवनिर्वाचित कमेटी को उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद द्विवेदी ने शपथ दिलाई। इस दौरान अध्यक्ष पद पर अनिल शुक्ला के अलावा महामंत्री वेद प्रकाश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष विभूति तिवारी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विनीत अग्रवाल, सुशील शुक्ला संयुक्त मंत्री विकास यादव, आयुष मिश्रा, उपाध्यक्ष सुनील सिंह, मोनू सलमानी, सोनू निषाद, प्रदीप सिंह मीडिया प्रभारी सहित सभी पदाधिकारी को शपथ दिलाई गई। इस दौरान व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष शिवचंद्र शुक्ला ने व्यापारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि किसी भी व्यापारी को किसी भी अधिकारी से डरने की जरूरत नहीं है। सभी व्यापारी संगठन की मदद करें और अपने अध्यक्ष को मजबूत करें जिससे की अधिकारियों से मजबूती के साथ व्यापारी हित की बात कर सके। वहीं मुख्य अतिथि के रूप में पहुंची क्षेत्रीय विधायिका कृष्णा पासवान ने व्यापारियों की हर संभव मदद करने की बात कही उन्होंने कहा कि व्यापारियों का शोषण करने वाले को किसी भी हाल में बक्सा नहीं जाएगा। वही इस मौके पर व्यापार मंडल के पदाधिकारी समेत किसान नेता छोटू सिंह परिहार व कस्बे के तमाम गणमान्य लोग व सैकड़ों की तादाद में व्यापारी मौजूद रहे।

जिले में दो अलग-अलग जगहों पर नवजात शिशुओं के मिलने से अफवाहों का बाजार गर्म

एक नवजात शिशु की मौत, अस्पताल में पसरा सन्नाटा

यूपी फाइट टाइम्स

गोंडा। जनपद में दो अलग–अलग स्थानों पर दो नवजात शिशुओं के मिलने से अफवाहों का बाजार गर्म है। जहां एक ओर एक नवजात बच्ची जिला अस्पताल के सर्जिकल वार्ड के सार्वजनिक शौचालय में पड़ी मिली है तो वहीं दूसरे नवजात शिशु को गोनार्द होटल के करीब विष्णुपुरी से बरामद किया गया जिसकी मौत हो चुकी है। पुलिस ने नवजात के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। यह बच्ची किसकी है और किन परिस्थितियों में मिली है इसकी कोई सूचना नहीं मिल सकी है। वहीं जिला अस्पताल के शौचालय से बरामद बच्ची के बारे में आपातकालीन रात्रि ड्यूटी पर तैनात फार्मासिस्ट डॉक्टर आजाद सिंह ने बताया कि रात्रि में उन्हें सूचना मिली कि एक नवजात शिशु सर्जिकल वार्ड के सार्वजनिक शौचालय में पड़ा हुआ चीख रहा है। सूचना पर हम लोग फौरन वहां पहुंचे तो देखा कि नवजात बच्ची है और वह दर्द से कराह रही है, उसका नार भी नही कटा था। रात्रि में ही स्टाफ नर्स के द्वारा उसका नार कटा गया और उसे लेकर महिला अस्पताल के एनआईसीयू में भर्ती कराया गया जहां उसकी सूचना जिला प्रोबेशनल अधिकारी को दी गई है। डॉक्टरों ने नवजात की हालत को गंभीर बताया है। इस दोनों घटनाओं से जहां एक ओर मां की ममता शर्मशार हो रही है वहीं दूसरी ओर लोग इस बात को लेकर तरह तरह की चर्चाएं करते हुए कह रहे हैं कि आखिर कोई मां बाप इतना निर्दयी कैसे हो सकता है कि वह अपने इन मासूम बच्चों को आवारा पशुओं का निवाला बनने के लिए छोड़ जाए। यही नहीं इस बात की भी चर्चाएं आम है कि शहर की आबो हवा में अब धड़ल्ले से बेशर्मी और बेहयाई के चलते इस तरह के मामले आए दिन प्रकाश में आ रहे हैं। वहीं इलाके में इन दो नवजात शिशुओं के मिलने से अफवाहों का बाजार गर्म है।

स्वच्छता पखवारे को लेकर डीपीआरओ ने की बैठक

कौशाम्बी। स्वच्छता ही सेवा 2023 के तहत कचरा मुक्त भारत बनाए जाने के लिए दो अक्टूबर तक जिले भर में अभियान चलना है। इसके तहत डीपीआरओ रवि शंकर द्विवेदी ने एडीओ पंचायत, खंड प्रेरक व डाटा एंट्री आपरेटरों के साथ बैठक की। बैठक में उन्होंने अभियान को सफल बनाने का निर्देश दिया है। ज्ञात हो कि जिला पंचायत राज अधिकारी ने मातहतों के साथ बैठक कार्यक्रम को सफल बनाने की रणनीति बनाते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। अभियान के तहत अस्पताल, गांव की गलियां, विद्यालयों, रेलवे स्टेशनों समेत विभिन्न जगहों पर अभियान चलाया जाएगा। इसमें नेहरू युवा केंद्रों के युवाओं, एनसीसी कैडेटों, स्वच्छता प्रहरियों समेत विभिन्न समूहों व संगठनों का भी सहयोग लेते हुए श्रमदान कराया जाएगा। बैठक में जिला समन्वयक सम्पूर्ण स्वच्छता मिशन सुजीत शुक्ल, एडीओ पंचायत कमलाकांत मिश्र, जितेंद्र प्रसाद शुक्ल समेत सभी एडीओ पंचायत, खंड प्रेरक व डाटा इंट्री आपरेटर मौजूद रहे।

लापता बुजुर्ग का चार किलोमीटर दूर मिला नर कंकाल

हरदोई (ब्यूरो)। हरदोई जिले में शाहाबाद कोतवाली क्षेत्र में लगभग एक माह से लापता बुजुर्ग का क्षत–विक्षत शव (कंकाल) चार किलोमीटर दूर हिरौली गांव में गन्ने के खेत में पड़ा मिला। पास मिले कपड़े और लाठी से उसकी शिनाख्त हुई। परिजनों ने घटना को लेकर कोई आरोप नहीं लगाया है। शाहाबाद कोतवाली क्षेत्र के खुल्कीपुर निवासी कोमिल (84) बीती 19 अगस्त को घर से बिना कुछ बताए चला गया था। काफी तलाश के बाद भी कोई सुराग न मिलने पर पुत्र राम कुमार ने गुमशुदगी शाहबाद कोतवाली में 19 अगस्त को ही दर्ज करा दी थी। राम कुमार का कहना था कि कोमिल मानसिक रूप से कमजोर है और आए दिन बिना कुछ बताए इधर–उधर चला जाता है।

50 साल के अधेड़ ने आठ साल की मासूम से की दरिंदगी

कानपुर (ब्यूरो)। कानपुर के जूही थानाक्षेत्र में मामा के नाम से पुकारे जाने वाले एक 50 साल के अधेड़ ने महज आठ साल की मासूम को चॉकलेट–चिप्स खिलाने के नाम पर जंगल ले जाकर उसके साथ दरिंदगी की। मासूम दर्द से चिल्लाने लगी तो उसका गला घोंटकर मारने का प्रयास किया। जब उसने किसी से कुछ भी न कहने की बात कही तो आरोपी ने उसे छोड़ दिया। हालांकि किशोरी सीधे घर पहुंची और उसने अपने माता–पिता को पूरी घटना बताई। दरिंदे की कारस्तानी सुनकर लोगों ने आरोपी को दौड़ाकर पकड़ लिया और जमकर पीटा। इसके बाद पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मूल रूप से बिहार के पूर्णिया जिला निवासी युवक पत्नी व बच्चों के साथ महीने भर पहले कानपुर आया था। मजदूरी कर वह परिवार का भरण पोषण किया करता था। मोहल्ले के लोगों से पूछताछ शुरू की परिवार के अनुसार सोमवार दोपहर करीब बारह बजे उसे बेटे ने बताया कि मोहल्ले में रहने वाले 50 साल के अधेड़ जिसे बच्चे मामा कहते थे, वह उनकी आठ साल की बेटी को चॉकलेट दिलाने के बहाने ले गया है। हालांकि जब काफी देर तक बेटी नहीं मिली, तो उन्होंने मोहल्ले के लोगों से पूछताछ शुरू की। इस बीच करीब बारह बजे बेटी बदहवास हालत में भागती हुई आई और बताया कि मामा उसे लेकर पास की मिल के जंगल में ले गए और उसके कपड़े जबरदस्ती उतारकर कुकर्म किया। जब उसने कहा कि वह किसी से शिकायत नहीं करेगी तो उसे छोड़ दिया। बिलखते बच्चे की आपबीती सुन परिजन भड़क उठे और उसे जमकर पीट दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बच्ची को मेडिकल के लिए भेज दिया, जबकि आरोपी को गिरफ्तार कर उसकी भी मेडिकल करा रही है। इंस्पेक्टर जूही जितेंद्र सिंह ने बताया कि मारपीट की वजह से आरोपी भी जख्मी हो गया था। इसलिए उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रिपोर्ट दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। जिस अधेड़ पर बच्ची से दरिंदगी के आरोप है उसे पूरा मोहल्ला मामा कहकर पुकारता था।

सीएम योगी ने बच्चों से पूछा- माता पिता की याद तो नहीं आती, खाना ठीक से मिलता है

वाराणसी (संवाददाता)। सोमवार को सीएम योगी आदित्यनाथ जब अटल आवासीय विद्यालय पहुंचे तो हर क्लास में बच्चे उनके स्वागत में तैयार मिले। बच्चों ने तालियां बजाकर सीएम का स्वागत किया। सीएम ने बच्चों से जब पूछा कि कहां घर है तो किसी ने गाजीपुर तो किसी ने बनारस का नाम लिया। उन्होंने कुछ बच्चों से उनके नाम भी पूछे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को अटल विद्यालय के बच्चों के बीच एक अभिभावक की भूमिका में उनके मन को टटोला और नसीहत भी दी। जब बच्चों को चॉकलेट देने लगे तो उन्होंने कहा ज्यादा चॉकलेट नहीं खाना चाहिए, यह नुकसान करता है।

सोमवार को सीएम योगी आदित्यनाथ जब अटल आवासीय विद्यालय पहुंचे तो हर क्लास में बच्चे उनके स्वागत में तैयार मिले। बच्चों ने तालियां बजाकर सीएम का स्वागत किया। सीएम ने बच्चों से जब पूछा कि कहां घर है तो किसी ने गाजीपुर तो किसी ने बनारस का नाम लिया। उन्होंने कुछ बच्चों से उनके नाम भी पूछे। कुछ छोटे बच्चों से सीएम ने पूछा कि आप लोगों को माता–पिता की याद तो नहीं आती है? यहां पर किसी को कोई दिक्कत तो नहीं है? उन्होंने बच्चों से पूछा कि आप लोग पढ़ाई मेहनत से तो कर रहे हो ना? खाना ठीक से मिलता है, कम तो नहीं मिलता है। बच्चों ने सीएम के सारे सवालों के सकारात्मक जवाब दिए।

मुख्यमंत्री ने श्री काशी विश्वनाथ का विधि विधान से पूजन किया। उन्होंने मंदिर परिसर में उपस्थित दर्शनार्थियों का अभिवादन स्वीकार किया। दर्शनार्थियों ने हर–हर महादेव का घोष किया। मुख्यमंत्री के आगमन पर श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के अध्यक्ष के प्रो. नागेंद्र पांडेय, ट्रस्टी वेंकटरमन, पंडित दीपक मालवीय, नीलकंठ तिवारी ने मुख्यमंत्री को अंग वस्त्र रुद्राक्ष की माला और प्रसाद भेंट किया। इस मौके पर पर मुख्य कार्यपालक अधिकारी निखिलेश कुमार मिश्रा, एसडीएम शंभू शरण, विशेष कार्य अधिकारी उमेश सिंह उपस्थित रहे।

खेत में काम रहे किसान पर गिरी बिजली, मौत

हलधरपुर (संवाददाता)। थाना क्षेत्र के मोहनसराय गांव में रविवार के देर शाम खेत में काम कर रहे एक वृद्ध किसान की बिजली गिरने से मौत हो गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। किसान रामसरीख (62) हलधरपुर थाना क्षेत्र के मोहनसराय गांव के निवासी थे। रविवार की शाम वह खेत में काम कर रहे थे। अचानक बारिश के साथ बिजली चमकने लगी। वह कुछ समझ पाते कि बिजली की चपेट में आ गए। गंभीर रूप से झुलसने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मासूम बच्चे का ब्लेड से काटा गला, फिर की फांसी से लटकने की कोशिश

सोनभद्र (संवाददाता)। सोनभद्र में विंढमगंज थाना क्षेत्र के महुली गांव में सोमवार की रात महिला ने खौफनाक कदम उठा लिया। पारिवारिक कलह से क्षुब्ध होकर उसने ब्लेड से आठ माह के बेटे का गला काट दिया। इसके बाद खुद भी फांसी लगाकर जान देने की कोशिश की। संयोग रहा कि बच्चे की चीख सुनकर परिवार और पड़ोस के लोग तुरंत मौके पर पहुंच गए।

महिला को फंदे से उतारा और मासूम को दुद्धी सीएचसी पहुंचाया। उपचार के बाद बच्चे की हालत खतरे से बाहर है।

बताया जाता है कि सोमवार की रात किसी बात को लेकर घर में महुली गांव निवासी सुरेश और उसकी पत्नी गीता में विवाद हो गया। इससे नाराज गीता ने गुस्से में आकर अपने आठ माह के मासूम बेटे अंकुश के गले पर ब्लेड से काट दिया। घर के भीतर तेज आवाज में मासूम बच्चे के रोने की आवाज सुनाई देने पर पड़ोसी उस ओर दौड़े, मगर दरवाजा अंदर से बंद था। छत फांदकर वहां पहुंचे तो मासूम बच्चे को छोड़कर मां गीता खुद फंदे से लटककर आत्महत्या करने लगी। ग्रामीणों ने दोनों मां–बेटे को किसी तरह से बचाकर सीएचसी दुद्धी में पहुँचाया। वहां चिकित्सकों ने उनका इलाज किया।

चिकित्सक डॉ विनोद सिंह ने बताया कि आठ माह के मासूम अंकुश के गले में सामने से ब्लेड से काटा गया है, लेकिन वह खतरे से बाहर है। उसका उपचार किया जा रहा है। बच्चे की मां गीता को कुछ भी नहीं हुआ है।

आज मिथिला नगरिया निहाल सखिया..मैथिली ठाकुर ने छेड़ा ये सुर तो तालियों से गूंजा पंडाल

आजमगढ़ (संवाददाता)। मैथिली ने कार्यक्रम की शुरुआत से ही माहौल को अपने आगोश में ले लिया। आज मिथिला नगरिया निहाल सखिया, चारो दुल्हा में बड़का कमाल सखिया. .. गीत पर जब उन्होंने सुर छेड़ा तो लोग मुग्ध हो गए। ". .. ये पहुना एही मिथिला में रहुना" सुनाकर लोगों की खूब वाहवाही लूटी। इसके बाद उन्होंने लोगों की फरमाइश पर कजरी गीतों की भी प्रस्तुति दी। 18 से 24 सितंबर तक चलने वाले आजमगढ़ महोत्सव 2023 का सोमवार की शाम रंगारंग आगाज हुआ। स्थानीय कलाकारों के बाद जब लोकगीतों की मशहूर गायिका मैथिली ठाकुर ने जब मंच संभाला तो पूरा पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

मैथिली ने कार्यक्रम की शुरुआत से ही माहौल को अपने आगोश में ले लिया। आज मिथिला नगरिया निहाल सखिया, चारो दुल्हा में बड़का कमाल सखिया... गीत पर जब उन्होंने सुर छेड़ा तो लोग मुग्ध हो गए। "... ये पहुना एही मिथिला में रहुना" सुनाकर लोगों की खूब वाहवाही लूटी। इसके बाद उन्होंने लोगों की फरमाइश पर कजरी गीतों की भी प्रस्तुति दी। एक से बढ़कर एक गीत कार्यक्रम स्थल पर मौजूद श्रोता भावविभोर हो गए। इसके बाद राजस्थान से आए वायस आफ इंडिया फेम जस्सू खान ने अपनी गायकी से ऐसा समां बांधा कि पंडाल में मौजूद हर श्रोता अपनी जगह पर झूमने लगा। उनकी टीम में शामिल भपंग, मोर्चंग और करताल बजाने वालों की जुगलबंदी देख हर कोई दांतों तले उंगली दबाने को विवश हुआ। इसके बाद मथुरा और वृंदावन से आए कलाकारों ने सोनू ठाकुर के नेतृत्व में मयूर रास का प्रदर्शन किया। जिसे देख हर कोई वाह–वाह कर उठा।

विद्यालय अवधि में बाहर आने-जाने के लिए लेनी होगी लिखित अनुमति

गाजीपुर (संवाददाता)। माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों एवं कर्मचारियों की मनमानी अब नहीं चलेगी। उन्हें विद्यालय अवधि में बाहर आने–जाने के लिए प्रधानाचार्य से लिखित अनुमति लेना अनिवार्य होगा। कोई भी शिक्षक और कर्मचारी बिना अनुमति लिए किसी भी विभागीय कार्य से जिला मुख्यालय पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों से मिलने नहीं जा सकता है। जो शिक्षक विद्यालय में उपस्थित हो जाएगा, वह बिना प्रधानाचार्य की अनुमति के विद्यालय समय से पूर्व नहीं छोड़ सकेगा।

माध्यमिक के शिक्षा निदेशक डॉ. महेंद्र देव का यह निर्देश पत्र सभी मंडलीय संयुक्त शिक्षा निदेशक, मंडलीय उप शिक्षा निदेशक और जिला विद्यालय निरीक्षकों को भेजा गया है। निर्देश में यह कहा गया है कि जिला एवं मंडल स्तर पर शिक्षकों एवं कर्मचारियों का कोई सेवा से संबंधित प्रकरण हो तो उसका निस्तारण अधिकारी एक सप्ताह में कराना सुनिश्चित करें। माध्यमिक शिक्षा परिषद के क्षेत्रीय कार्यालय वाराणसी के उप सचिव राम अवतार यादव ने बताया कि निदेशक के पत्र में यह भी कहा गया है कि माध्यमिक के विद्यालयों में गुणात्मक सुधार लाने के लिए ये तीनों अधिकारी सप्ताह में विद्यालयों का निरीक्षण कर इसकी आख्या निदेशक कार्यालय को उपलब्ध कराएंगे। विद्यालय स्तर पर शिक्षकों एवं कर्मचारियों के विद्यालय अवधि में आने–जाने के लिए गमनागमन पंजिका तैयार कराई जाएगी। इस पंजिका में विद्यालय अवधि में आने–जाने पर प्रत्येक शिक्षक एवं कर्मचारी से कारण एवं आने–जाने के समय को अंकित कराकर हस्ताक्षर कराया जाएगा। कार्यालय स्तर पर आगंतुक पंजिका बनाई जाएगी।

डेढ़ साल बाद बच्ची को मिली नई जिंदगी चोट लगने से फट गई थीं दिमाग की नसें, डॉक्टरों ने नहीं लिए पैसे

वाराणसी (संवाददाता)। ये डॉक्टरों का अटूट विश्वास ही था जो डेढ़ साल से वेंटीलेटर पर पड़ी मासूम प्रिया आज हंस बोल रही है। मां पिता ने तो उम्मीद छोड़ दी थी लेकिन बीएचयू ट्रॉमा सेंटर के डॉक्टरों के अथक प्रयास ने उनके चेहरे पर मुस्कान बिखेर दी। बिहार रोहतास के मुन्ना कुमार गुप्ता की 10 साल की प्रिया ने आज जिंदगी से जंग जीतकर वेंटीलेटर से व्हीलचेयर पर आ गई है। मां–पिता से अब बातें कर रही हैं। उनके पास तो डॉक्टरों का शुक्रिया अदा करने के लिए लफ्ज भी नहीं हैं। मूल रूप से बिहार के रोहतास जिले के सेमारी गांव निवासी प्रिया के पिता मुन्ना कुमार गुप्ता चाय बेचकर जीवनयापन करते हैं। मां साधना गृहिणी हैं। प्रिया जब 10 साल की थी तो अक्तूबर 2021 में प्रिया के सिर पर स्कूल में गमला गिर गया था। इससे उसके सिर में गंभीर चोट आई थी। पांच महीने तक तो परिजन स्थानीय स्तर पर इलाज में लगे रहे लेकिन जब हर जगह से प्रिया के ठीक होने की उम्मीद नहीं मिली तो 28 फरवरी 2022 को मां–पिता से उसे बीएचयू ट्रॉमा सेंटर लेकर आए। बीएचयू ट्रॉमा सेंटर के प्रभारी प्रो. सौरभ सिंह के अनुसार 11 अप्रैल 2022 को उसका ऑपरेशन किया गया। उसके बाद से ही बच्ची को वेंटीलेटर सपोर्ट पर रखा गया। आठ महीने तक उसे 24 घंटे वेंटीलेटर पर रखा गया। इसके बाद अगस्त 2023 तक 12–12 घंटे वेंटीलेटर सपोर्ट दिया गया। हालत में सुधार होने पर सितंबर 2023 से वेंटीलेटर से हटा दिया गया।

ट्रॉमा सेंटर के प्रभारी प्रो. सौरभ सिंह के मुताबिक प्रिया को सर्वाइकल स्पाइन में गंभीर चोट आई थी। चोट लगने से उसके दिमाग की नसें फट गई थीं। सर्जरी के बाद भी बच्ची कोई गतिविधि नहीं कर पा रही थी। पिता की माली हालत ठीक नहीं थी, इसलिए हमने बिना किसी खर्च के इलाज करने का फैसला लिया। उसके लिए अतिरिक्त बेड मंगाकर आईसीयू में लगाया गया। करीब डेढ़ साल से बच्ची इसी बेड पर रही। प्रिया के इलाज में न्यूरो सर्जरी के प्रो. कुलवंत सिंह और डॉ. अनुराग साहू के साथ एनीस्थीसिया विभाग की प्रो. कविता मीना ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्रिया को डेढ़ साल बाद व्हीलचेयर के सहारे चलते और बोलते देख पिता मुन्ना कुमार और माता साधना की खुशी का ठिकाना नहीं है।

कहीं हैं त्रिनेत्र प्रतिमा तो कहीं पिता से पहले पुत्र को किया जाता है प्रणाम

वाराणसी (संवाददाता)। वक्रतुंड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभरू, निर्विघ्नं कुरु में देव सर्व कार्येषु सर्वदा। अर्थात घुमावदार सूंड वाले, विशालकाय शरीर, करोड़ सूर्य के समान महान प्रतिभाशाली। मेरे प्रभु, हमेशा मेरे सारे कार्य बिना विघ्न के पूरे करने की कृपा करें शिव की नगरी काशी में उनके पुत्र और प्रथम पूज्य गणेश के उत्सव की रंगत भक्तों पर नजर आने लगी है। मराठी समाज के अलावा भी घर–घर में भगवान गणेश को विराजमान कराया गया है। तो आइए हम आपको दर्शन कराते हैं काशी के प्रमुख पंच विनायक से...। काशी विश्वनाथ मंदिर के प्रवेश से पहले ढुंढिराज गणेश का मंदिर विराजमान है। बाबा के दर्शन करने आने वाले भक्त सबसे पहले ढुंढिराज को प्रणाम करके आगे बढ़ते हैं। मान्यता है कि भगवान गणेश इस स्वरूप में काशी के कष्टों को भी हरते हैं। जो भक्त निरंतर इनका नाम जपता है, अष्ट सिद्धियां उस व्यक्ति का नाम जपती हैं। उस व्यक्ति को जीवन में समस्त ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है। बड़ा गणेश का स्वयंभू त्रिनेत्र प्रतिमा वाला यह मंदिर लोहटिया में है। मान्यता है कि जब काशी में गंगा मां के साथ मंदाकिनी नदी बहती थी, उस समय भगवान गणेश की यह प्रतिमा मिली थी। यहां पर भगवान गणेश अपनी दोनों पत्नियां ऋद्धि–सिद्धि और संतानों शुभ–लाभ के साथ विराजमान हैं। मान्यता है कि गणेश जी के इस रूप की उपासना करने से व्यक्ति को ऋद्धि–सिद्धि और शुभ–लाभ की प्राप्ति होती है। बाबा कीनाराम आश्रम के प्रांगण में कूटदंत विनायक का मंदिर विराजमान है। वह साक्षात ब्रह्मा के स्वरूप हैं। काशी के 56 विनायकों में यह इकलौते विनायक हैं जिनकी प्रतिमा काले रंग की है। स्कंदपुराण के अनुसार कूटदंत विनायक कठिनाइयों और विपत्तियों का नाश करते हैं। काशी के 56 विनायकों की परिक्रमा करने वाले भक्त इनके दर्शन–पूजन जरूर करते हैं। गणेश घाट पर विराजमान अमृत विनायक मूंगा गणेश के रूप में पूजे जाते हैं। गणेश जी की मूर्ति 11 जून 1807 में स्थापित की गई थी। जिस आसन पर गणेश जी विराजमान हैं वह एक दुर्लभ संगमरमर से बना हुआ है। मूर्ति के अद्भुत रंग के कारण लोगों का मानना है कि मूर्ति मूंगे से बनी है। पेशवाओं द्वारा स्थापित इस मंदिर के नाम से ही गणेश घाट का नाम भी जाना जाता है। दुर्गाकुंड के दक्षिणी कोने में हैं दुर्ग विनायकदुर्ग विनायक का मंदिर दुर्गाकुंड क्षेत्र में है। कुंड के दक्षिण कोने में विराजमान साक्षात दुर्ग विनायक के दर्शन–पूजन से कष्टों का निवारण हो जाता है। ऐसा कहा गया है कि कलयुग में काली और विनायक की पूजा से तत्काल फल प्राप्त हो जाता है।

न्यूज सार

शोध की तैयारी करने वाले छात्रों के लिए खुशखबरी, प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन तिथि बढ़ी

वाराणसी (संवाददाता)। बीएचयू में शोध में दाखिले की तैयारी में लगे छात्रों के लिए राहत भरी खबर है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने शोध प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन के लिए 22 सितंबर तक की तिथि बढ़ा दी है। ऐसे में छात्रों के पास पांच दिन का मौका है। विश्वविद्यालय की ओर से इसकी जानकारी एक्स पर भी डाल दी गई है। पिछले दिनों छात्रों ने शोध प्रवेश परीक्षा के लिए जारी बुलेटिन में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए बदलाव की मांग की थी। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में करीब 1400 सीटें शोध की खाली हैं। एनटीए के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन मांगे गए थे। छात्रों की मांग पर अब उन्हें आवेदन का एक मौका दिया गया है। 22 सितंबर रात 9 बजे तक आवेदन करने के बाद उसी दिन रात 11.50 बजे तक छात्र अपनी फीस ऑनलाइन जमा कर सकेंगे। एनटीए ने भी आदेश जारी कर दिया है। बताया गया है कि फॉर्म में किसी तरह का सुधार भी 23 और 24 सितंबर को किया जा सकेगा। आवेदन की तिथि बढ़ने से छात्रों को बड़ी राहत मिलेगी।

15 साल पहले जहां पत्नी ने लगाई थी फांसी वहीं पति ने खत्म की अपनी जीवन लीला

आजमगढ़ (संवाददाता)। पवई थाना के बसही गांव निवासी शैलेन्द्र सिंह पुत्र रामनाथ सिंह फूलपुर कोतवाली के बिलारमऊ कटार बाजार में हार्डवेयर की दुकान एवं रिहायसी मकान बनवाकर रहते थे। सोमवार की रात शैलेन्द्र सिंह ने अपने मकान की छत में लगी कुंडी में रस्सी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया। 15 वर्ष पहले उसकी पत्नी ने भी इसी मकान में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। फूलपुर तहसील के बिलारमऊ कटार में सोमवार की रात एक दुकानदार ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। फूलपुर पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। पवई थाना के बसही गांव निवासी शैलेन्द्र सिंह पुत्र रामनाथ सिंह फूलपुर कोतवाली के बिलारमऊ कटार बाजार में हार्डवेयर की दुकान एवं रिहायसी मकान बनवाकर रहते थे। सोमवार की रात शैलेन्द्र सिंह ने अपने मकान की छत में लगी कुंडी में रस्सी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया।

ड्रैगन फ्रूट की खेती करके बढ़ाई आमदनी

चंदौली (संवाददाता)। चहनिया के कैथी गांव के मनोज कुमार मौर्य ने ड्रैगन फ्रूट की खेती की है। इस फल को बोने वाले वे जिले के इकलौते किसान हैं और अच्छी कमाई कर रहे हैं। उनके खेत से तीसरे दिन 40 किलो फल का उत्पादन होता है। तीन साल पहले मनोज ने हैदराबाद से पौधे मंगाकर डेढ़ एकड़ में खेती की थी। एक लाख रुपये की लागत से उन्होंने इसकी खेती की। मनोज ने बताया कि दो साल के बाद फल आने शुरू हो गए। तीन दिन के अंतराल पर 40 किलो तक फल निकल रहे हैं। स्थानीय बाजार में फल की कीमत 200 से 300 रुपये प्रति किलो रहती है। इस तरह उनको हर हफ्ते 2000 रुपये से ज्यादा की आय हो जाती है। ड्रैगन फ्रूट की खेती का प्रयोग सफल होने के बाद मनोज इसका रकबा बढ़ाने की तैयारी में हैं। उन्होंने पांच एकड़ में इसकी खेती करने का फैसला किया है। उनका कहना है कि फिलहाल कम उत्पादन होने से स्थानीय बाजार में फल बेचने पड़ रहे हैं लेकिन उनकी योजना एपीडा से संपर्क करके निर्यात करने की है।

बाइक पर चढ़ गया ट्रक, दो युवकों की मौत

नियामताबाद (संवाददाता)। अलीनगर थाना क्षेत्र के चंदरखा गांव के समीप नेशनल हाईवे पर सोमवार की दोपहर तेज रफ्तार ट्रक बाइक पर चढ़ गया। हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में ले लिया और चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। समेत चालक को पकड़ कर आगे की कानूनी कार्रवाई में जुट गई है। अलीनगर थाना क्षेत्र के चंदरखा गांव निवासी प्रभु यादव का पुत्र कमलेश यादव (24) अपने किसी मित्र के साथ बाइक से चंदौली की ओर जा रहा था। नेशनल हाईवे पर कुछ ही दूर पहुंचा था कि तभी पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को कुचल दिया। दोनों युवकों की घटनास्थल पर मौत हो गई। मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। पुलिस भी पहुंच गई। अलीनगर थाना प्रभारी निरीक्षक शेषधर पांडेय ने बताया कि दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। कमलेश यादव के साथ बाइक पर जा रहे दूसरे युवक की पहचान नहीं हो पाई।

हापुड़ कांड को लेकर नहीं थमा अधिवक्ताओं का विरोध

मऊ (संवाददाता)। हापुड़ जिले में अधिवक्ताओं के ऊपर हुए लाठीचार्ज की घटना को लेकर सोमवार क भी अधिवक्ता न्यायिक कार्य से विरत रहे। अधिवक्ताओं के न्यायिक कार्य से विरत रहने के चलते वादकारियों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। जिले के विभिन्न अंचलों से न्याय की आशा लेकर कचहरी आए वादकारियों को अपने मामलों में अगली तिथि लेकर वापस घर जाना पड़ा।

सिविल कोर्ट सेंट्रल बार एसोसिएशन की बैठक सोमवार को संघ के पुस्तकालय भवन में हुई। इसमें हापुड़ जिले में अधिवक्ताओं के ऊपर हुए बर्बर लाठीचार्ज की घटना और दोषियों के विरुद्ध अबतक कार्यवाही न होने को लेकर पर चर्चा की गई। बैठक में अधिवक्ताओं ने सर्वसम्मति अपनी पांच सूत्रीय मांगों को लेकर पूरे दिन न्यायिक कार्य से विरत रहे।

लूट की झूठी कहानी गढ़ तीन लाख हड़पने की कोशिश, ट्रक चालक गिरफ्तार

घोसी (संवाददाता)। कोतवाली पुलिस ने लूट की एक घटना का 12 घंटे में खुलासा करते हुए आरोपी ट्रक चालक को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी चालक ने बताया कि मालिक के तीन लाख से ज्यादा की नकदी हड़पने के लिए उसने लूट की झूठी कहानी गढ़ी थी। गोरखपुर जिले के बड़हलगंज निवासी एवं गल्ला व्यापारी ने रविवार को डीसीएम से खाद्य तेल की खेप घोसी कोतवाली क्षेत्र के नदवासराय स्थित एक किराना की दुकानदार पर भेजी थी। चालक प्रेमसागर निवासी मसीर पुर, बिलरियागंज, आजमगढ़ डीसीएम लेकर व्यापारी के यहां रविवार की देर शाम पहुंचा।

एनसीआर बिल्डरों से जुड़े परिसरों पर आयकर छापे में करोड़ों की कर चोरी का खुलासा

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने हाल ही में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में बिल्डरों से संबंधित कई स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। इसमें लगभग चार करोड़ रुपये नकद, 10 करोड़ रुपये के आभूषण और संबंधित दस्तावेज जब्त किए गए हैं। सूत्रों ने मंगलवार

को बताया कि करोड़ों रुपये की टैक्स चोरी हुई है। सूत्रों ने बताया कि एक शैक्षिक सोसायटी भी उनके रडार पर है। एनसीआर में तीन नामी बिल्डर्स ग्रुप के परिसरों पर तलाशी अभियान चलाया गया। बताया कि आरओएफ, ऑरिस ग्रुप और पायनियर ग्रुप के परिसरों पर तलाशी अभियान चलाया गया। फिलहाल आयकर विभाग ने इस मामले पर आधिकारिक तौर पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

नए संसद भवन के लिए आधिकारिक रूप से नोटिफिकेशन हुआ जारी

नई दिल्ली। संसद के नए भवन को अब भारत के संसद भवन के रूप में नामित कर दिया गया है। इसे लेकर लोक सभा सचिवालय की तरफ से नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है। लोक सभा

सचिवालय की तरफ से संसद के नए भवन को भारत के संसद भवन के रूप में नामित करने के लिए जारी नोटिफिकेशन में कहा गया है कि, 'लोक सभा अध्यक्ष को संसद भवन, नई दिल्ली के परिसर में प्लॉट संख्या 118 पर स्थित संसद के नए भवन को जो मौजूदा संसद भवन के पूर्व में और दक्षिण में रायसीना रोड एवं उत्तर में रेड क्रॉस रोड से लगा हुआ है, को संसद के नए भवन के रूप में अधिसूचित करते हुए प्रसन्नता हो रही है।'

गणेश चतुर्थी 2023: सीमा हैदर ने मनाई गणेश चतुर्थी, भगवान श्री गणेश की प्रतिमा स्थापित कर पूजा अर्चना की

नोएडा। गणेश चतुर्थी है और घर- घर गणपति की प्रतिमाएं विराजमान की गई हैं। कहते हैं भगवान गणेश दुःखी लोगों के दुख हरते हैं, निःसंतानों की गोद भरते हैं। इस अवसर पर पाकिस्तानी सीमा हैदर ने भगवान श्री गणेश की प्रतिमा स्थापित कर पूजा- अर्चना की। इससे पहले पाकिस्तानी सीमा हैदर ने श्री कृष्ण जन्माष्टमी के त्योहार को धूमधाम के साथ मनाया था। सिर पर माता की चुनरी और हरी साड़ी पहनकर सीमा हैदर राधा बनी दिखाई दी थी। सीमा ने बॉलीवुड के गाने पर जमकर डांस करते हुए एक वीडियो भी बनाया था। यह गाना है ' जो है अलबेला मद नैनों वाला, जिसकी दीवानी वृज की हर बाला वह कृष्णा है।

इससे पहले पाकिस्तान से भारत आई सीमा हैदर ने रक्षाबंधन का त्योहार भी पूरे भाव के साथ मनाया था। सचिन के रबूपुरा वाले घर पर वकील एपी सिंह पहुंचे थे। जहां उन्होंने सीमा और सचिन समेत परिवार के सदस्यों के बीच राखी का पर्व मनाया था। सीमा हैदर ने एपी सिंह को राखी बांधी थी, इतना ही नहीं सीमा ने बड़े भाई के पैर छूकर आशीर्वाद भी लिया था। एपी सिंह ने सीमा और उनके बच्चों को मिठाई खिलाई थी। सीमा हैदर ने कहा था कि मुझे बहुत खुशी है कि मुझे एपी सिंह जैसा बड़ा भाई मिला है। वहीं, एपी सिंह ने भी कहा था कि वह हर हाल में सीमा हैदर को भारत की नागरिता दिलाकर रहेंगे।

नायडू की गिरफ्तारी के खिलाफ टीडीपी नेताओं का राजघाट पर मौन प्रदर्शन

नई दिल्ली। तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के नेताओं ने पार्टी महासचिव नारा लोकेश के नेतृत्व में मंगलवार को पार्टी प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी के खिलाफ राजघाट पर मौन विरोध प्रदर्शन किया।

टीडीपी सांसद और पूर्व सांसद महात्मा गांधी की समाधि पर विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। काले बिल्ले पहनकर नेताओं ने राष्ट्रपिता को श्रद्धांजलि अर्पित की। पार्टी सांसदों ने संसद परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा के पास धरना दिया। उन्होंने नारे लगाए और नायडू की गिरफ्तारी को अवैध बताया। उन्होंने कहा कि उन्हें बिना किसी सबूत के जेल में रखा जा रहा है। सांसदों ने यह भी कहा कि केंद्र सरकार को आंध्र प्रदेश की स्थिति पर ध्यान देना चाहिए। नायडू को करोड़ों रुपये के कौशल विकास निगम घोटाले में आंध्र प्रदेश सीआईडी ने 9 सितंबर को गिरफ्तार किया था। विजयवाड़ा की एक अदालत ने उन्हें 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। वह फिलहाल राजमुंदरी सेंट्रल जेल में बंद हैं।

नोएडा में 24वीं मंजिल से गिरकर 12वीं के छात्र की मौत

नोएडा। बिसरख थाना क्षेत्र स्थित गौर सौंदर्यम सोसाइटी में एक नाबालिग लड़के (17) की बिल्डिंग की 24वीं मंजिल से गिरकर मौत हो गई। प्रणव गाजियाबाद के जयपुरिया स्कूल में 12वीं कक्षा में पढ़ाई कर रहा था। सोसाइटी के सुपरवाइजर मामले की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के मुताबिक, छात्र प्रणव अपनी मां और बहन के साथ रहता था। उसके पिता डॉ. अमर श्रीवास्तव आईएमटी दुबई में प्रोफेसर हैं और उसकी मां एडवोकेट हैं। वहीं, बहन बीटेक की छात्रा है। ये लोग मूलरूप से गोरखपुर के रहने वाले हैं। यहां एक सोसाइटी में रहते हैं।

सोसाइटी के सुपरवाइजर ने मंगलवार की सुबह 6:30 बजे प्रणव की मौत की सूचना पुलिस को पुलिस को सूचना दी। पुलिस के मुताबिक, प्रारंभिक जांच में यह मामला आत्महत्या प्रतीत हो रहा है। सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है। वहीं, परिजनों का कहना है कि प्रणव अक्सर अपने दोस्तों से मिलने के लिए देर रात चोरी छुपे बालकनी के बंद रास्ते होते हुए बाहर चला जाता था। अंदेशा यह लगाया जा रहा है कि रात को लौटते समय उसका पैर फिसलने से यह हादसा हो गया।

कैफे में ग्राहक को लेकर विवाद, कर्मचारियों में हाथापाई

नई दिल्ली। साउथ कैंपस इलाके में बीती रात कैफे में ग्राहक को सर्विस देने को लेकर विवाद में कैफे कर्मचारी को उसी के साथी ने मालिक के साथ मिलकर पीटा और चाकू मारकर घायल कर दिया। पुलिस ने पीड़ित के बयान पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने कैफे में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

बीती रात साउथ कैंपस पुलिस को दुर्गा बाई देश मुख मेट्रो स्टेशन के पास सत्य निकेतन में चाकूबाजी होने की पीसीआर कॉल मिली थी। कॉलर संदीप ने बताया कि एक राहगीर ने उसका मोबाइल फोन छीन लिया है। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों से पूछताछ करने पर पता चला कि सत्य निकेतन के एक कैफे में दो लड़कों के बीच झगड़ा हुआ था।

घायल को एसजे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस की एक टीम अस्पताल पहुंची। घायल की पहचान सागरपुर के रहने वाले आशीष के रूप में हुई। आशीष ने बताया कि वह सत्य निकेतन के मित्रो कैफे में सर्विस बॉय के रूप में काम करता है और वहां पर उसके साथ एक लड़का गुड्डू भी काम करता है।

कुछ ग्राहकों को लेकर उसका गुड्डू से विवाद हो गया और गुड्डू उसके साथ अभद्र व्यवहार और गाली-गलौज करने लगा। कैफे मालिक कुणाल ने गुड्डू का पक्ष लेते हुए उसकी पिटाई कर दी और चाकू से उसकी दाहिनी जांघ में वार कर दिया। पुलिस ने आशीष के बयान पर कुणाल और गुड्डू को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी।

एक करोड़ की ड्रग्स के साथ दो सगे भाई गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने एक अंतर्राज्यीय ड्रग्स का धंधा करने वाले दो सगे भाइयों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान तेज सिंह और सूबेदार सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से 915 ग्राम हेरोइन जब्त की है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत एक करोड़ रुपये से ज्यादा है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि एसआई सुखविंदर सिंह और हेड कांस्टेबल राज आर्यन को सूचना मिली कि तेज सिंह नाम का एक व्यक्ति अपने सहयोगी के साथ हेरोइन की खेप लेकर किसी को सप्लाई करने के लिए सेक्टर 23-24, रोहिणी रेड लाइट के पास आएगा। इंस्पेक्टर संदीप स्वामी के नेतृत्व में एसआई सुखविंदर सिंह, एसआई प्रदीप

दहिया, एसआई रवि सैनी, एसआई सतेंद्र दहिया, एएसआई अशोक, एएसआई प्रीतम, एएसआई सुनील, हेड कांस्टेबल राज आर्यन, कपिल यादव, सुमित, परमजीत और परमिंदर और रविंदर को आरोपितों को पकड़ने का जिम्मा सौंपा गया।

पुलिस टीम ने मौके पर घेराबंदी करके आरोपित तेज सिंह और सूबेदार सिंह को ड्रग्स के साथ गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ करने पर पता चला कि उनका एक कॉमन दोस्त ड्रग तस्कर है। उसका सगा भाई कुंवर सिंह भी ड्रग्स के कारोबार में शामिल था और उसकी टैक्सी का इस्तेमाल ड्रग्स तस्करी के लिए करते थे।

इसके लिए उन्हें प्रति चक्कर के बीस हजार रुपये मिला करते थे। साल 2018 में कुंवर सिंह को दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एनडीपीएस के एक मामले में गिरफ्तार किया था। कुंवर सिंह के जेल में रहने के बाद वे जेल में उससे मिलने जाते थे और अन्य मुलाकातियों से परिचय प्राप्त करते थे। इस प्रकार वे उत्तर प्रदेश के ड्रग तस्करों के संपर्क में आए। कुछ लोगों से जान पहचान होने के बाद वे भी इसी धंधे में लग गए।

वे पिछले 10 महीने से दिल्ली के कुछ इलाकों में मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल रहे हैं। आरोपित तेज सिंह टैक्सी चलाया करता था लेकिन उसकी कमाई अच्छी नहीं थी, इसलिए उसने अपनी टैक्सी में अवैध शराब की आपूर्ति शुरू कर दी और 2019 में गिरफ्तार होने पर जेल में बंद हो गया। आरोपित सूबेदार सिंह आसानी से पैसा कमाने के लिए अपने भाई के साथ नशीली दवाओं के कारोबार में शामिल हो गया।

डूसू चुनाव को लेकर कुलपति ने अधिकारियों संग की बैठक

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने 22 सितंबर को होने वाले दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) चुनाव के लिए सुरक्षा उपायों सहित व्यवस्थाओं की समीक्षा के लिए हुई बैठक की अध्यक्षता की। वाइस-रीगल लॉज के काउंसिल हॉल में आयोजित इस बैठक के दौरान डूसू चुनाव 2023-24 से संबंधित विभिन्न मुद्दों जैसे सामान्य व्यवस्था और सुरक्षा उपायों आदि पर चर्चा की गई। इस दौरान कुलपति ने चुनाव से पहले की स्थिति का जायजा लिया और चुनाव के लिए की जाने वाली व्यवस्थाओं के बारे में विश्वविद्यालय के अधिकारियों, कॉलेजों के प्राचार्यों, हॉलों और हॉस्टलों के प्रोवोस्टस व पुलिस अधिकारियों के साथ संयुक्त रूप से बातचीत की। कुलपति ने सभी से अनुरोध किया कि डूसू चुनाव सुचारू और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो इसके लिए कोई भी कसर न छोड़ी जाए।

इस अवसर पर डूसू के मुख्य चुनाव अधिकारी प्रो. चंद्रशेखर ने बताया कि कॉलेज छात्र संघों के चुनाव पेपर बैलेट के माध्यम से होंगे जबकि विश्वविद्यालय छात्र संघ का चुनाव ईवीएम के माध्यम से कराया जाएगा। ईवीएम का त्रुटिहीन उपयोग सुनिश्चित करने के लिए कॉलेजों के नामित शिक्षक-कर्मचारियों के प्रशिक्षण सत्र ईसीआईएल के अधिकारियों की मदद से 18 से 20 सितंबर तक बी-16, रग्बी स्टेडियम, यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स स्टेडियम में सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित किए गए हैं। ईवीएम 21 सितंबर को कॉलेजों में पहुंचाई जाएंगी। उन्होंने बताया कि ईवीएम की सुरक्षा के लिए कॉलेज जिम्मेदार हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि डूसू का वोट पहले डाला जाए, ईवीएम कागजी मतपेटियों से पहले रखी जायें। मतदान का समय दिन की कक्षाओं के लिए सुबह 8:30 बजे से दोपहर एक बजे तक और शाम की कक्षाओं के लिए दोपहर तीन बजे से शाम 7:30 बजे तक है। मतदान के बाद ईवीएम को छात्र प्रतिनिधियों और चुनाव अधिकारी की उपस्थिति में बक्सों में सील कर दिया जाएगा और दिल्ली विश्वविद्यालय के नॉर्थ कैंपस में विश्वविद्यालय स्टेडियम के मल्टीपर्पज हॉल में भेज दिया जाएगा। वोटों की गिनती कॉन्फ्रेंस सेंटर में होगी। कॉलेज चुनाव से संबंधित किसी भी मामले का निपटारा कॉलेज में गठित शिकायत समिति द्वारा ही किया जाना है, न कि डूसू-चुनाव कार्यालय द्वारा।

प्रतिभा ने मोदी से भेंट कर की विशेष आर्थिक पैकेज जारी करने की मांग

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और सांसद प्रतिभा सिंह ने संसद भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भेंट की। इस दौरान उन्होंने प्रदेश में भारी बारिश और भूस्खलन से हुए नुकसान की जानकारी दी। उन्होंने प्रधानमंत्री से राहत और पुनर्वास के लिए विशेष आर्थिक पैकेज देने की मांग की। संसद भवन के प्रधानमंत्री कार्यालय में हुई बैठक में प्रतिभा सिंह ने प्रधानमंत्री से विस्तारपूर्वक चर्चा करते हुए प्रदेश में भारी बारिश और भूस्खलन से हुए जानमाल के नुकसान के बारे में बताया। प्रतिभा ने बताया कि प्रदेश में भारी बारिश और भूस्खलन से करीब 441 लोगों की मौत हुई है। 39 लोग लापता हैं। किसानों और बागवानों की फसलें पूरी तरह बर्बाद हो गई हैं। 1200 आवासीय भवन पूरी तरह ध्वस्त हुए हैं। सड़कों, पुलों को भी भारी नुकसान हुआ है।

उन्होंने कहा कि अभी तक 13,000 करोड़ के आरंभिक नुकसान का आकलन है, जो बढ़ भी सकता है। प्रतिभा ने प्रधानमंत्री से प्रदेश को विशेष आर्थिक मदद की गुहार लगाते हुए कहा कि विकट वित्तीय स्थिति के चलते प्रदेश अपने बलबूते पर इस नुकसान की भरपाई और राहत कार्यों को पूरा नहीं कर सकता। आपदा की इस घड़ी में मानवीय संवेदना के तौर पर केंद्र सरकार से प्रदेश को बहुत उम्मीदें हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रतिभा सिंह को भरोसा दिलाया कि केंद्र

सरकार प्रदेश की हरसंभव मदद करेगी। उन्होंने कहा कि राहत मैन्युअल के तहत प्रदेश को राहत व पुनर्वास कार्यों में भी पूरी मदद की जाएगी। प्रतिभा सिंह ने प्रधानमंत्री का संसद भवन में उनको तुरंत ही मिलने का समय देने और उनका आग्रह सुनने और आर्थिक सहायता देने के भरोसे के लिए आभार जताया।

सिंधिया ने किया 'उड़ान भवन' का उद्घाटन, 'ई-वॉलेट सुविधा' का शुभारंभ

नई दिल्ली। सभी विमानन नियामक प्राधिकरणों को एक ही जगह लाकर उनके बीच बेहतर समन्वय के उद्देश्य से नागर विमानन मंत्रालय ने दिल्ली के सफदरजंग हवाई अड्डे पर एक एकीकृत कार्यालय परिसर 'उड़ान भवन' तैयार किया है जिसका केंद्रीय नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने उद्घाटन किया।

राजीव गांधी भवन के समीप स्थित इस भवन के लोकार्पण कार्यक्रम में केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग तथा नागर विमानन राज्यमंत्री जनरल (डॉ.) विजय कुमार सिंह और नागर विमानन मंत्रालय में सचिव वुमलुनमंग वुअलनम भी उपस्थित थे।

इस नवनिर्मित उड़ान भवन में नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए), नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस), विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) और विमानपत्तन आर्थिक विनियामक प्राधिकरण (एईआरए) के कार्यालय होंगे। ये

चारों विभाग नियामक प्राधिकरण होने के नाते नागर विमानन के क्षेत्र में मानकों के अनुसार नियमों एवं विनियमों के निर्माण व कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह भवन इन चारों प्राधिकरणों के बीच बेहतर समन्वय की सुविधा प्रदान करेगा।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) देशभर में विभिन्न हवाई अड्डों पर निर्माण, संचालन, एटीसी एवं सीएनएस सेवाएं प्रदान करने तथा रखरखाव के लिए जिम्मेदार प्रमुख हवाई अड्डा ऑपरेटर है।

श्री सिंधिया ने इसके साथ ही इस अवसर पर प्रायोगिक ई-वॉलेट सुविधा भारतकोष पोर्टल का शुभारंभ भी किया। यह ई-वॉलेट विभिन्न नियामक अनुमोदनों के लिए शुल्क की प्रोसेसिंग में विशेष रूप से उपयोगी होगा। यह एक प्रीपेड वॉलेट के रूप में कार्य करेगा। प्रारंभ में, धनराशि का समावेश तो केवल एनईएफटी/आरटीजीएस मोड की अनुमति होगी। उपयोगकर्ता तुरंत रसीद और चालान भी पा सकेंगे।

इस अवसर पर केन्द्रीय नागर विमानन तथा इस्पात मंत्री सिंधिया ने कहा, आज एक ऐतिहासिक दिन है क्योंकि हम न केवल उड़ान भवन का उद्घाटन कर रहे हैं बल्कि भारतकोष पोर्टल का भी उद्घाटन कर रहे हैं जो एक प्रीपेड वॉलेट के रूप में कार्य करेगा। यह पोर्टल हमारे नागर विमानन मंत्रालय के माध्यम से अपेक्षाकृत तेज, तत्पर एवं अधिक सुरक्षित भुगतान प्रणाली को संभव बनाएगा।

शिंदे समेत 16 'बागी' विधायकों की अयोग्यता मामले में फैसला दो सप्ताह में बताएं :सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे समेत 16 शिवसेना विधायकों के खिलाफ योग्यता संबंधी मामले पर सुनवाई करते हुए सोमवार को विधानसभा अध्यक्ष से इस मामले पर (उनके समक्ष लंबित मामले) कहा कि एक सप्ताह में यह निर्धारित करें कि इस पर उनके द्वारा कब तक कोई निर्णय लिया जाएगा।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला एवं न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि (वह) अध्यक्ष यह नहीं कह सकते कि इसे उचित समय पर निर्णय लिया जाएगा।

पीठ ने सॉलिसिटर जनरल से कहा यह मामला अनिश्चित काल तक नहीं चल सकता है। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा, इस मामले को अगले सप्ताह

सूचीबद्ध करने दें और हमें दो सप्ताह के बाद बताएं कि क्या कार्यवाही की गई है।

मुख्य न्यायाधीश ने श्री मेहता से पूछा कि इस अदालत के 11 मई के फैसले के बाद विधानसभा अध्यक्ष ने अपने समक्ष लंबित इस मामले में क्या किया?

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने सुनवाई के दौरान पीठ की ओर से कहा अध्यक्ष को शीर्ष अदालत की गरिमा का पालन करना होगा।

उन्होंने अयोग्यता याचिकाओं पर फैसला करने के लिए एक समय-सारणी निर्धारित करने पर जोर पर जोर देते हुए कहा हमारे फैसले को चार महीने बीत चुके हैं। शीर्ष अदालत ने शिवसेना (उद्धव ठाकरे) विधायक सुनील

> **न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा, इस मामले को अगले सप्ताह सूचीबद्ध करने दें और हमें दो सप्ताह के बाद बताएं कि क्या कार्यवाही की गई है।**

प्रभु की याचिका पर 14 जुलाई को महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष को नोटिस जारी किया था। नोटिस में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले बागी शिवसेना विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिकाओं पर शीघ्र निर्णय लेने का निर्देश देने की गुहार लगाई गई थी।

लखीमपुर खीरी में किसानों की मौत का मामला,सुप्रीम कोर्ट ने भंग की एसआईटी

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने 2021 में उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में किसानों की मौत के मामले की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) को सोमवार को भंग कर दिया। न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा यह सूचित किए जाने के बाद एसआईटी भंग करने का आदेश पारित किया कि इस मामले में जांच पूरी हो गई है और मुकदमा चल रहा है। शीर्ष अदालत की एक पीठ ने एसआईटी का गठन किया था। शीर्ष अदालत ने कहा कि हम इस बात से संतुष्ट हैं कि इस स्तर पर एसआईटी के सदस्यों और न्यायमूर्ति राकेश कुमार जैन (जांच की निगरानी के लिए नियुक्त) को उनकी जिम्मेदारियों से मुक्त किया जा सकता है, क्योंकि मामले की जांच पूरी हो चुकी है। शीर्ष अदालत ने 2021 को लखीमपुर खीरी हिंसा के खिलाफ दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया।

इस घटना में आठ लोगों की मृत्यु हो गई थी, जिनमें से चार किसान थे। आरोप है कि कथित तौर पर केंद्रीय मंत्री राज्य और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद (सांसद) अजय कुमार मिश्रा के बेटे आशीष मिश्रा द्वारा इस्तेमाल किए गए वाहनों के काफिले ने किसानों को कुचल दिया गया था।

तीन अक्टूबर 2021 को केंद्र के कृषि कानूनों (जिसे बाद में वापस ले लिया गया) के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान लखीमपुर खीरी जिले में हिंसा भड़कने के बाद चार किसानों सहित आठ लोगों की मौत हो गई थी। किसान संगठनों ने आरोप लगाया था कि आशीष मिश्रा का एक वाहन प्रदर्शनकारियों के एक समूह को कुचल गया था।

न्यूज सार

मायावती व अखिलेश यादव ने किया समर्थन पर रख दी एक शर्त, बोले- सामाजिक संतुलन हो

लखनऊ (संवाददाता)। बसपा सुप्रीमो मायावती व सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने संसद में महिला आरक्षण को लेकर पेश किए गए बिल का समर्थन किया है पर एक शर्त रख दी है। मायावती ने कहा कि केंद्र सरकार महिलाओं को लोकसभा व राज्य विधानसभा में 33 प्रतिशत सीटों पर आरक्षण देने के लिए संसद में बिल लाने जा रही है। हम इसका समर्थन करते हैं।

उन्होंने कहा कि महिलाओं की संख्या देखते हुए आरक्षण का प्रतिशत अगर 33 की जगह 50 होता तो भी हम इसका समर्थन करते। उम्मीद है कि संसद में इस पर चर्चा होगी।

उन्होंने कहा कि इसके तहत अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति की महिलाओं के लिए अलग से कोटा लागू करने की मांग बसपा करती है। संसद से इस बिल के पास होने के बाद लोकसभा व राज्य की विधानसभाओं में महिला सदस्यों के लिए 33 फीसदी सीटें आरक्षित हो जाएंगी। वहीं, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि महिला आरक्षण में लैंगिक न्याय और सामाजिक न्याय का संतुलन होना चाहिए। इसमें पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक, आदिवासी (पीडीए) समाज की महिलाओं का आरक्षण निश्चित प्रतिशत रूप में स्पष्ट होना चाहिए।

वकीलों ने नारेबाजी के बाद पुतला फूंका, 21 को बैठक के बाद आगे की रणनीति तय करेंगे

लखनऊ (संवाददाता)। हापुड़ में वकीलों पर हुए लाठीचार्ज की घटना के विरोध में मंगलवार को अधिवक्ताओं ने लखनऊ के स्वास्थ्य भवन चौराहे पर प्रदर्शन किया और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पुतला फूंका।

वकीलों ने तीन दिन के लिए हड़ताल का ऐलान किया है। इसका ऐलान लखनऊ बार एसोसिएशन के साथ अन्य बार ने मिलकर किया है। वकीलों ने कहा कि आगे 21 सितंबर को बैठक कर आगे की रणनीति तय करेंगे।

अलविदा...जिंदगी से हार गई हूं...गुडबाय... परिवार को मैसेज भेजकर लापता हो गई किशोरी

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ के कृष्णानगर निवासी 16 वर्षीय एक किशोरी ने परिवार को व्हाट्सएप पर मैसेज भेजा.. .अलविदा..जिंदगी से थक हार गई हूं तब ये फैसला लिया है. .गुडबाय..। उसके बाद वह लापता हो गई। पुलिस गुमशुदगी दर्ज कर उसकी तलाश कर रही है। उधर, आशियाना से भी एक किशोरी लापता हुई थी। इस मामले में भी पुलिस तफ्तीश कर रही है। कृष्णानगर निवासी किशोरी कक्षा नौ की छात्रा है। 17 सितंबर को घर से बिना बताए कहीं चली गई थी। खोजबीन के बाद जब उसका पता नहीं चला तब थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई। पुलिस को परिजनों ने व्हाट्सएप पर किशोरी द्वारा भेजे गए मैसेज को दिखाया। उसका मोबाइल बंद है। उधर, आशियाना निवासी 14 वर्षीय एक किशोरी भी 17 सितंबर से घर से लापता है। परिजनों ने एक अयान नामक युवक के खिलाफ शक के आधार पर केस दर्ज कराया है। पुलिस के मुताबिक दोनों मामलों में सर्विलांस की मदद से तहकीकात जारी है। जिस मामले में युवक पर शक जाहिर किया गया है, उससे पूछताछ की जा रही है।

यूपी में लोकसभा की २६, विधानसभा की १३२ सीटें मिलेंगी महिलाओं को, अभी १२ फीसदी

लखनऊ (संवाददाता)। संसद से महिला आरक्षण विधेयक पास होने पर यूपी में भी महिलाओं को इसका बड़ा लाभ मिलेगा। यहां की 26 लोकसभा और 132 विधानसभा सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हो जाएंगी। आजादी के 75 साल बाद भी यहां आधी आबादी को उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिल सका था। वर्तमान में यूपी विधानसभा के 403 सदस्यों में से 48 महिलाएं हैं। यानी, निम्न सदन में उनकी भागीदारी महज 12 फीसदी ही है, जो उनकी जनसंख्या के अनुपात के लिहाज से बेहद कम है। उच्च सदन यानी विधान परिषद में तो उनकी भागीदारी मात्र 6 फीसदी है। यूपी में लोकसभा की कुल 80 सीटें हैं, जिनमें से 11 सांसद ही महिला हैं। इस तरह से यूपी से लोकसभा सीटों में उनका प्रतिनिधित्व देश के औसत 15 फीसदी से कम है। यूपी की कुल लोकसभा सीटों में से 14 फीसदी ही महिलाओं के हिस्से में हैं। राजनीतिक मामलों के जानकार प्रो. संजय गुप्ता कहते हैं कि महिलाओं को आरक्षण दिए जाने से उनकी राजनीतिक भागीदारी बढ़ेगी, जिससे उनकी मुक्ति के वास्तविक युग की शुरुआत होगी।

पिता की लाइसेंसी राइफल से फायरिंग करने वाला छात्र गिरफ्तार

लखनऊ (संवाददाता)। सुशांत गोल्फ सिटी स्थित ओकास सोसाइटी में 15 सितंबर की रात शराब के नशे में लाइसेंसी राइफल से हवाई फायरिंग करने वाले बीएससी छात्र सिद्धार्थ सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से पुलिस ने उसके पिता की लाइसेंसी राइफल भी बरामद की है। पुलिस शस्त्र लाइसेंस निरस्तीकरण के लिए प्रशासन को पत्र भेजने की बात कह रही है। इंस्पेक्टर अतुल कुमार श्रीवास्तव के मुताबिक, सोसाइटी में 15 सितंबर की रात एक युवक ने नशे की हालत में हवाई फायरिंग की थी। मामले में पुलिस से शिकायत की गई थी। पुलिस ने हवाई फायरिंग में इस्तेमाल की गई सिद्धार्थ के पिता अशोक सिंह की लाइसेंसी राइफल भी बरामद की है।

डीटीयू में बेटे के दाखिले के नाम पर सैन्यकर्मी से ९.८१ लाख की ठगी

लखनऊ (संवाददाता)। पीजीआई इलाके में रहने वाले सैन्यकर्मी संदीप कुमार सिंह के बेटे को दिल्ली टेक्निकल विविद्यालय (डीटीयू) में दाखिला दिलाने के नाम पर ठग ऋषि भारद्वाज ने 9.81 लाख रुपये ऐंठ लिए। पीड़ित ने रविवार को पीजीआई थाने में केस दर्ज कराया है। वृंदावन आवास विकास योजना स्थित बहादुर विहार में सैन्यकर्मी संदीप कुमार सिंह परिवार संग रहते हैं। उनके मुताबिक, मई में उनकी ऋषि भारद्वाज नाम से सोशल मीडिया के जरिये जान-पहचान हुई थी। बातचीत के दौरान ऋषि ने संदीप के बेटा का डीटीयू में इंजीनियरिंग में दाखिला कराने की बात कही।

भू उपयोग बदलने की घोषणा ऑफलाइन या देर से की तो नपेंगे अफसर

लखनऊ (संवाददाता)। प्रदेश में कृषि भूमि का भू उपयोग गैर कृषि में बदलने की घोषणा ऑफलाइन करने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में राजस्व परिषद की आयुक्त एवं सचिव मनीषा त्रिघाटिया ने सभी डीएम को आदेश जारी करके कृषि भूमि के भू उपयोग बदलने की कार्रवाई को ऑफलाइन न करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही चेतावनी भी दी है कि यदि शासन की रोक के बाद भी किसी तहसील में ऑफलाइन कार्रवाई की गई तो संबंधित उप जिलाधिकारी या पीठासीन अधिकारी के खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। पिछले दिनों उच्च स्तर पर राजस्व संहिता की भू उपयोग बदलाव से जुड़ी धारा-80 से संबंधित प्रकरणों के निस्तारण की समीक्षा हुई थी। इसमें पाया गया था कि शासन की रोक के बाद भी कई तहसीलों में अभी भी राजस्व संहिता की धारा 80 के तहत कृषि भूमि को गैर कृषि भूमि में बदलने के लिए आने वाले आवेदनों का ऑफलाइन ही निस्तारण का खेल चल रहा है। समीक्षा में यह बात भी सामने आई थी कि शासन के बार-बार निर्देश के बाद भी धारा 80 से संबंधित प्रकरणों का निस्तारण नियत समयावधि में नहीं किया जा रहा है। राजस्व आयुक्त एवं सचिव ने इस स्थिति पर कड़ी नाराजगी जताते हुए सभी डीएम को धारा 80 के प्रकरणों का निस्तारण ऑफलाइन करने पर तत्काल रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही तय समय सीमा के भीतर ऐसे प्रकरणों का निस्तारण सुनिश्चित कराने के को कहा गया है। उन्होंने यह भी निर्देश दिए हैं कि यदि धारा 80 के तहत कोई आवेदन ऑफलाइन प्राप्त होता है तो उसे भी ऑनलाइन दर्ज कराके ही निस्तारित कराया जाए। इस आदेश का पालन न करने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि पिछले साल सितंबर में ही राजस्व विभाग द्वारा शासनादेश जारी किया गया था, जिसमें उप्र राजस्व संहिता-2006 की धारा 80 के अर्न्तगत कृषि भूमि को गैर कृषि कार्य के लिए कृषि भूमि का भू उपयोग बदलने की कार्यवाही के लिए अधिकतम 45 दिन की समय सीमा तय की गई थी। साथ ही यह भी निर्देश दिए गए थे कि यदि तय समय सीमा में एसडीएम द्वारा भू-उपयोग बदलने की कार्रवाई नहीं की जाती है तो ऐसे प्रकरणों में भू-उपयोग स्वतः बदला हुआ मान लिया जाएगा।

इसी क्रम में राजस्व विभाग ने आवास विभाग और औद्योगिक विकास विभाग से दी जाने वाली अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करने के लिए भी 30 दिन की समय सीमा तय किया था।

अपार्टमेंट में चल रहे सेक्स रैकेट का भंडाफोड़

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के पॉश इलाके में एक सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ हुआ है। पुलिस की छापेमारी में विदेशी लड़कियां और पुरुष मिले हैं। सभी को हिरासत में लिया गया है और उनसे पूछताछ जारी है।

शहर के सुशांत गोल्फ सिटी थाने में प्रसिद्ध मेदांता अस्पताल के पास अलखनंदा इन्क्लेव में विदेशी महिलाओं का सेक्स रैकेट चल रहा था। आज सुबह पड़ोसियों ने शक होने के आधार पर शिकायत की जिस पर पुलिस ने छापेमारी कर रैकेट का भंडाफोड़ किया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि फ्लैट में रहने वाली थाईलैंड और नेपाल की युवतियां यहां पर स्पा सेंटर की सर्विस देने के नाम पर सेक्स रैकेट चलाती हैं। यहां पर देर रात तक लोगों का आना जाना लगा रहता है। कई बार नशेबाजी को लेकर विवाद की भी स्थित बन जाती है। जिसको लेकर थाना पुलिस को सूचना दी गई जिसके बाद पुलिस की एक टीम ने छापेमारी कर विदेशी युवतियां (दिखने में) को पकड़ा। जिन्होंने खुद को ब्यूटी पार्लर व्यवसाय से जुड़ा होने और साथ में पकड़े गए दो युवकों को अपना साथी बताया। सुशांत गोल्फ सिटी इंस्पेक्टर के मुताबिक अपार्टमेंट में सेक्स रैकेट चलने की सूचना पर छापेमारी की गई थी। अभी मामले की जांच की जा रही है। तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। लखनऊ जनकल्याण महासमिति ने लखनऊ के सभी अपार्टमेंट मालिकों से अपील की है कि बगैर रेंट एग्रीमेंट और पुलिस वेरिफिकेशन के किसी को भी अपार्टमेंट किराए पर न दें। महासमिति के अध्यक्ष उमाशंकर दुबे ने कहा कि आरडब्ल्यूए (रेजीडेंट वेलफेयर एसोसिएशन) की अनुमति के बिना किराए पर न दिया जाए। उन्होंने मांग की है कि पुलिस वेरिफिकेशन के साथ साथ आरडब्ल्यूए का प्राथमिक वेरिफिकेशन अनिवार्य किया जाए। आरडब्ल्यूए सुनिश्चित करे जिसे किराए पर दिया है।

कोर्स बदला, बाजार में नहीं मिल रहीं किताबें

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय में नई शिक्षा नीति के तहत पाठ्यक्रम में लगातार बदलाव होने से बाजार में सिलेबस की किताबें मिलने में मुश्किल आ रही है। कोर्स में आए बदलाव से प्रकाशक भी बाजार में किताबें लाने से बच रहे हैं। किसी एक किताब में पूरा सिलेबस नहीं मिल पा रहा है। विद्यार्थियों को एक पेपर के लिए कई किताबें पढ़नी पड़ रही हैं। ऐसे में गेस पेपर की मांग और आपूर्ति बढ़ गई है।

लविवि ने वर्ष 2020 में देशभर में सबसे पहले नई शिक्षा नीति लागू करने का गौरव पाया था। इसके चलते सिलेबस में कई बदलाव हुए। स्नातक में मेजर और माइनर विषयों के साथ को-करिकुलर और अब वोकेशनल पेपर भी शामिल किए गए हैं। इन बदलाव के बाद ज्यादातर प्रश्नपत्रों की किताबें बाजार में उपलब्ध नहीं हैं। कैंपस के मुकाबले कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए समस्या ज्यादा है, क्योंकि शिक्षकों की कमी से वहां कक्षाएं भी प्रभावित होती हैं। अमीनाबाद के पुस्तक विक्रेता रमेश वर्मा ने बताया कि अभी तक बीए की कक्षाएं शुरू नहीं हो पाई हैं, लेकिन बाजार में इसके गेस पेपर आ गए हैं। अभी तक सत्र की शुरुआत में किताबें बिकती थीं। परीक्षा शुरू होने से कुछ महीने पहले गेस पेपर की बिक्री होती थी। अब स्थिति बदल गई है और समझ नहीं आ रहा है कि किस समय किसकी बिक्री होगी।

बाजार में किताबें न होने के लिए पाठ्यक्रम में बदलाव के साथ विद्यार्थियों का रवैया भी कम जिम्मेदार नहीं है। ज्यादातर विद्यार्थी महंगी किताबों के बजाय सिर्फ गेस पेपर लेकर काम चलाना चाहते हैं। इसकी वजह से बाजार में किताबों से ज्यादा गेस पेपर की मांग की है। प्रकाशक से लेकर पुस्तक विक्रेता तक इस वजह से किताबों से ज्यादा गेस पेपर पर फोकस कर रहे हैं। लविवि प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव का कहना है कि नई शिक्षा नीति में विद्यार्थियों के बहुमुखी विकास पर ध्यान दिया जा रहा है। मंशा है कि विद्यार्थी ज्यादा से ज्यादा कक्षा में रहें। विद्यार्थी जब शत-प्रतिशत कक्षा में रहेंगे तो किताबों की जरूरत भी कम पड़ेगी। वैसे भी 12वीं के बाद एक किताब के बजाय कई पुस्तकों से पढ़ाई करनी चाहिए।

चुनाव से पहले सरकार और भाजपा के कामकाज की जमीनी हकीकत परखेगा संघ

लखनऊ (संवाददाता)। लोकसभा चुनाव से पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रदेश की योगी सरकार और भाजपा के कामकाज की जमीनी हकीकत जानेगा। संघ के सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले और सह सर कार्यवाह अरुण कुमार की मौजूदगी में मंगलवार को संघ, भाजपा और वैचारिक संगठनों की समन्वय बैठक होगी। आरएसएस के सर संघचालक मोहनराव भागवत 22 से 24 सितंबर तक लखनऊ प्रवास पर आ रहे हैं। संघ प्रमुख के प्रवास से पहले समन्वय बैठक को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। राजधानी लखनऊ में देवा रोड स्थित एक होटल में यह समन्वय बैठक होगी। दोपहर 12 बजे से भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी और महामंत्री संगठन धर्मपाल की मौजूदगी में सरकार के विभिन्न विभागों के मंत्रियों के साथ बैठक होगी। बैठक में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, विहिप, सहकार भारती, सेवा भारती, शैक्षिक महासंघ, किसान संघ सहित संघ के अन्य संगठनों के प्रतिनिधि संघ पदाधिकारियों व सरकार के मंत्रियों की उपस्थिति में विभागीय कार्यों की जमीनी हकीकत बताएंगे और चुनाव से पहले कील कांटे दुरुस्त करने का सुझाव भी देंगे।

पहले चरण में सरकार के मंत्रियों के साथ बैठक होगी। इसके बाद शाम को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक के साथ बैठक होगी। माना जा रहा है कि इस बैठक में सरकार के तीनों प्रमुख लोगों को पहली बैठक में सामने आए फीडबैक से अवगत कराकर लोकसभा चुनाव का रोडमैप तैयार करने पर मंथन किया जाएगा। बैठक में संघ के पश्चिम और पूर्वी क्षेत्र के क्षेत्र प्रचारक भी मौजूद रहेंगे। सूत्रों के मुताबिक वैचारिक संगठनों के पदाधिकारी संघ के शीर्ष पदाधिकारियों की मौजूदगी में कुछ विभागों के कामकाज की पोल खोल सकते हैं। संघ का भी जनता से सीधे तौर पर जुड़े विभागों के कामकाज में सुधार पर जोर है।

रानी लक्ष्मीबाई अस्पताल में शार्ट सर्किट होने से लगी आग

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के राजाजीपुरम के ए ब्लॉक स्थित रानी लक्ष्मीबाई संयुक्त चिकित्सालय में मंगलवार को दोपहर 11 बजे एसी में शार्ट सर्किट होने से आग लग गई। जिससे अस्पताल में अफरातफरी मच गई। दमकल के पहुंचने पर आग पर काबू पाया जा सका। अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड कमरा नम्बर 3 में डॉ केपी सिंह ड्यूटी पर थे। कमरे में एसी चल रहा था। अचानक एसी से बाहर की तरफ धुआं और आग की लपटें निकलने लगीं और अस्पताल परिसर में धुआं भरने लगा। आग की खबर फैलते ही अस्पताल में हड़कंप मच गया। कर्मचारियों ने अग्निशमन उपकरणों से आग बुझाना शुरू कर दिया और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। थोड़ी देर बाद दमकल के पहुंचते ही आग पर काबू पा लिया गया।

निजी लैब की रिपोर्ट में डेंगू पॉजिटिव, सरकारी में निगेटिव, अब नोटिस देने की तैयारी

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ शहर की एक बड़ी निजी लैब में डेंगू पॉजिटिव पाए गए 10 मरीजों में से पांच की सरकारी लैब में जांच में रिपोर्ट निगेटिव आई। इससे निजी लैब की रिपोर्ट पर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्वास्थ्य महकमे के अफसरों का कहना है कि अन्य निजी लैब की डेंगू पॉजिटिव रिपोर्ट के मामलों में भी सरकारी लैब से जांच कराई जाएगी, ताकि स्थिति साफ हो सके।

बताया जा रहा है कि निजी बड़ी पैथ लैब में हुई जांच में डेंगू के सर्वाधिक पॉजिटिव मामले सामने आए थे। इन मामलों की रिपोर्ट स्वास्थ्य विभाग के पोर्टल पर जब अपडेट हुई, तो विभाग को शक हुआ। पोर्टल पर रिपोर्ट अपडेट होने के अगले दिन स्वास्थ्य विभाग ने संबंधित निजी लैब की जांच में डेंगू पॉजिटिव पाए गए 10 मरीजों के सैंपल जुटाए। स्वास्थ्य भवन की लैब में इन नमूनों की एलाइजा जांच कराई, तो आधे की रिपोर्ट निगेटिव आई। सीएमओ डॉ. मनोज अग्रवाल का कहना है कि अब दूसरी लैब से भी नमूने एकत्र करके क्रॉस जांच कराई जाएगी। बहरहाल संबंधित निजी लैब को नोटिस जारी किया जा रहा है। दो लैब की जांच में रिपोर्ट में अंतर आने का मामला कोई नया नहीं है। पर, पॉजिटिव पाए गए 10 मरीजों के नमूनों की सरकारी लैब में हुई जांच में पांच का निगेटिव पाया जाना चौंकाता है। खासकर तब, जबकि दोनों जगह एलाइजा टेस्ट हुआ हो। दावे किए जाते हैं कि एलाइजा जांच की रिपोर्ट 90-98 प्रतिशत तक सटीक होती है। इसको लेकर हमने विशेषज्ञों से बात की।

केजीएमयू के पैथोलॉजिस्ट डॉ. वाहिद अली बताते हैं कि कई बार जांच में फॉल्स निगेटिव आने की आशंका रहती है। यानी कोई डेंगू पॉजिटिव हो और उसकी रिपोर्ट निगेटिव आ जाए। पर, कोई मरीज पूरी तरह से डेंगू निगेटिव हो, वह पॉजिटिव आए इस पर वे हैरानी जताते हैं। एलाइजा की जांच रिपोर्ट कितनी विश्वसनीय होती है, इस सवाल पर आईएमए के पदाधिकारी रह चुके पैथोलॉजिस्ट डॉ. पीके गुप्ता बताते हैं एनएस-1 एंटीजन रैपिड टेस्ट में तो रिपोर्ट को लेकर संशय रहता है, पर एलाइजा प्रामाणिक जांच है। रैपिड टेस्ट में पॉजिटिव आने के बाद भी प्रामाणिकता के लिए एलाइजा जांच कराई जाती है। एलाइजा टेस्ट रिपोर्ट में अंतर आने के सवाल पर वह कहते हैं, नमूना लेने के 24 घंटे बाद जांच पर अंतर आने की आशंका रहती है। खासकर सैंपल के कोल्ड चेन मेंटेन नहीं होने, सैंपल के ट्रांसपोर्टेशन या टेस्टिंग में देरी होने से फॉल्स निगेटिव आने की आशंका रहती है।

प्रियंका गांधी और मायावती के बीच हुई मुलाकात, इंडिया गठबंधन में आ सकती है बसपा

लखनऊ (संवाददाता)। विपक्षी समावेशी गठबंधन 'इंडिया' में बसपा को लाने के अंदरखाने प्रयास किए जा रहे हैं। सब कुछ इसी तरह से चलता रहा तो पांच राज्यों के चुनाव के बाद इसकी आधिकारिक घोषणा हो सकती है। इसमें कांग्रेस सूत्रधार की भूमिका में है। कवायद के तहत दोनों ओर के प्रथम परिवारों के बीच कई राउंड की बातचीत भी हो चुकी है। लोकसभा चुनाव जीतने के लिए इंडिया गठबंधन कोई कसर नहीं छोड़ना चाहता। बसपा को साथ लाने की कोशिशें उसकी इसी रणनीति का हिस्सा है। यूपी के विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस और बसपा के शीर्ष नेतृत्व के बीच बातचीत का सिलसिला शुरू हुआ था। तब यह बातचीत किसी मुकाम तक तो नहीं पहुंच सकी थी, लेकिन तब से दोनों के बीच संवाद बना हुआ है। राजनीतिक सूत्रों के मुताबिक पिछले महीने कांग्रेस की नेता प्रियंका गांधी और बसपा सुप्रीमो मायावती के बीच मुलाकात भी हो चुकी है। बसपा की ओर से अब नेतृत्व के पारिवारिक हो चुके एक पूर्व सांसद की भी इसमें अहम भूमिका बताई जा रही है। यूपी के विधानसभा चुनाव से पहले बसपा-कांग्रेस की गठबंधन की खिचड़ी पकने के बावजूद विघ्न आ गए थे। तब तय हुआ था कि विधानसभा की 125 सीटों पर कांग्रेस और शेष 278 सीटों पर बसपा लड़ेगी। खबरें लीक हुई और फिर सत्ता पक्ष की ओर से ऐसी परिस्थितियां पैदा कर दी गईं कि कदम पीछे खींचने पड़े। चुनाव के बाद राहुल गांधी ने सार्वजनिक रूप से कहा भी था कि हम बसपा को आगे रखकर यूपी में विधानसभा चुनाव लड़ना चाहते थे, पर वह तैयार नहीं हुई। इस बार लोकसभा चुनाव के ऐन पहले ही आधिकारिक रूप से घोषणा करने की रणनीति है। इस सारी कवायद में एक पहलू यह भी है कि क्या इंडिया में बसपा के आने से सपा सहज रहेगी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक सतीश कुमार द्वारा रहमान प्रिंटर्स एंड स्टेशनर्स 19बी, नई बस्ती (निकट पुलिस चौकी) आबूनगर फतेहपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित कराकर दरियामऊ खागा, जिला फतेहपुर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित। संपादक – सतीश कुमार

न्यूज सार

हर बुधवार फाइलेरिया नियंत्रण इकाई पर मरीजों को मिलेगी जांच की सुविधा

सीतापुर (ब्यूरो)। फाइलेरिया के संभावित मरीजों को जांच के लिए भटकना न पड़े। इसको लेकर फाइलेरिया विभाग ने हर बुधवार को जिला मुख्यालय स्थित फाइलेरिया नियंत्रण इकाई पर जांच शुरु कर दी है। यहां पर संभावित रोगियों के रक्त का नमूना लेकर उसकी जांच की जाएगी। जांच में धनात्मक पॉजिटिव पाए जाने पर मरीज का तत्काल उपचार शुरू किया जाएगा। इसके साथ ही यहां पर आने वाले सभी लोगों को फाइलेरिया के कारण, लक्षण और बचाव की जानकारी दी जाएगी। बुधवार को अवकाश होने की दशा में बृहस्पतिवार को जांच होगी। सीएमओ डॉ. हरपाल सिंह ने बताया कि फाइलेरिया के मरीजों को चिह्नित करने के लिए उनके रक्त का नमूना रात में ही लिया जाता है। फाइलेरिया के परजीवी रात के समय खून में अधिक सक्रिय होते हैं। ऐसे में रात के समय रक्त का नमूना लेकर उसकी जांच करने से संक्रमण संबंधी रिपोर्ट सही आती है। उन्होंने बताया कि रक्त का नमूना लेने के बाद इसकी रक्त पट्टिका बनाई जाती है और फिर उसकी प्रयोगशाला में जांच की जाती है।

जुलूस-ए-मुहम्मदी में डीजे पर रहेगी पाबंदी

बिसवां सीतापुर (ब्यूरो)। मरकजी कमेटी जुलूस–ए–मुहम्मदी के सदर मो. अय्यूब कुरैशी के आवास पर सोमवार को बैठक आयोजित की गई। मरकजी कमेटी के सदर ने सभी को रबी उल अव्वल के चांद की मुबारकबाद पेश करते हुए बताया कि 28 सितंबर को शानो शौकत व अदब के साथ जुलूस निकाला जाएगा। जुलूस में मोटर साइकिलें व डीजे साउंड सिस्टम शामिल नहीं किया जाएगा। इसमें शामिल अंजुमनें सिर्फ एक माइक और दो हॉर्न का इस्तेमाल करेंगे। बड़ी अंजुमनें जो अपना नातिया कलाम माइक के जरिए पेश करेंगी, वह बच्चों की अंजुमनों के पीछे मुनासिब फासला देकर चलेंगी।उन्होंने कहा कि जुलूस में कोई भी अंजुमन म्यूजिक वाले कलाम के रिकार्ड या चिप का इस्तेमाल नहीं करेगी। कोई भी आदमी ट्यूब लाइट (रॉड) कतई नहीं फोड़ेगा।

कुत्तों का लाइसेंस न बनवाने वालों पर होगी कार्रवाई, पंजीकरण जरूरी

खैराबाद सीतापुर (ब्यूरो)। नगर पालिका ने आवारा कुत्तों के आतंक को देखते हुए कुत्ता पालने के लिए पंजीकरण कराना अनिवार्य कर दिया है। हर साल इसका नवीनीकरण भी कराना होगा। बिना पंजीकरण के कुत्ता पालने पर नगर पालिका जुर्माने की कार्रवाई करेगी। अगर कोई व्यक्ति नगर में बिना पट्टे के कुत्ता घुमाता है और कुत्ता खुले में शौच कराता है तो उसके मालिक के खिलाफ चालान काटने की कार्रवाई की जाएगी। खैराबाद क्षेत्र में लावारिस कुत्तों के साथ ही पालतू कुत्ते भी लोगों के लिए परेशानी का कारण बने हुए हैं। पिछले तीन दिनों में आवारा कुत्तों के लगातार हमले की घटनाएं सामने आ रही हैं। कुत्तों के हमलों से मासूम बच्चों समेत 25 लोग बुरी तरह जख्मी हुए हैं। रविवार को दो बच्चों पर पालतू कुत्तों के हमला करने की बात सामने आई है। इसके बाद एसडीएम सदर ने सोमवार को पत्र जारी कर पालिका प्रशासन को पालतू कुत्तों के पंजीकरण कराने के निर्देश दिए हैं।

ग्रामीणों ने 30 गोवंशों को स्कूल में किया बंद

जहांगीराबाद (सीतापुर) (ब्यूरो)। बिसवां विकास खंड की ग्राम पंचायत गोधनी सरैया में किसानों ने सोमवार को करीब 30 गोवंशों को गांव के सरकारी स्कूल में बंद कर दिया। सुबह प्रधानाध्यापक जब विद्यालय पहुंचे तो गोवंशों को विद्यालय में देखकर सुरक्षा की दृष्टि से बच्चों को बाहर ही रोक दिया। इसकी सूचना प्रधान को दी। प्रधानाध्यापक ने बताया कि विद्यालय में 278 छात्र–छात्राएं पंजीकृत हैं जिनमें से करीब 90 बच्चे विद्यालय आए थे। आक्रोशित ग्रामीणों ने बताया कि प्रधान रमाकांत यादव ने अपने साथियों के साथ मौके पर पहुंचकर गोवंशों को पकड़ कर विद्यालय में न भेजकर गेट खोलकर निकाल दिया। सचिव हरिओम श्रीवास्तव ने बताया कि ग्रामीणों ने गोवंश विद्यालय में बंद नहीं किए थे। बाउंड्रीवाल टूटी होने से कुछ गोवंश कूदकर अन्दर आ गए थे।

शराब पीने से मना किया तो शराबियों ने पीटकर दुकानदार को मार डाला

रामकोट (सीतापुर) (ब्यूरो)। थाना क्षेत्र में शराब पीने से मना करने पर शराबियों ने एक कबाड़ी को पीट दिया। जिससे उसकी मौत हो गई। परिजनों ने आरोप लगाया है कि पुलिस घटना के बाद मौके पर नहीं पहुंची। वहीं, पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पिटाई के एक आरोपी को गिरफ्तार भी कर लिया है। क्षेत्र स्थित काशीराम कॉलोनी के ब्लॉक नंबर दो निवासी पिंकू कश्यप (52) की कबाड़ की दुकान है। रविवार देर रात वहीं के निवासी राजेंद्र, जीतू और उसके अन्य साथी उसकी दुकान के सामने शराब पीने लगे। पिंकू के मना करने पर शराबियों ने उसके साथ अभद्रता शुरू कर दी। बात इतनी ज्यादा बढ़ी कि शराबियों ने पिंकू पर लोहे की रॉड व तौलने वाले बांट से हमला कर दिया। कबाड़ी मौके पर ही गिर गया। उसके सिर में गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद आरोपी मौके से भाग निकले। इधर, जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और पुलिस को मामले की जानकारी दी। आरोप है कि पुलिस मौके पर नहीं पहुंची।

दूधिया रोशनी से जगमग होंगी रामनगरी की गलियां

अयोध्या (ब्यूरो)। राममंदिर निर्माण के साथ ही पूरी अयोध्या का कायाकल्प हो रहा है। वैदिक सिटी की परिकल्पना के अनुरूप रामनगरी में विकास कार्य चल रहे हैं। मंदिर निर्माण के बाद अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं व पर्यटकों को रामनगरी का नया रंग–रूप देखने को मिलेगा। इसी क्रम में अयोध्या की गलियों को भी दूधिया रोशनी से जगमग करने की तैयारी है। 73 करोड़ से यह योजना साकार रूप लेगी। पहली किस्त के रूप में 29 करोड़ आवंटित हो चुके हैं। योजना के क्रियान्वयन के लिए टेंडर निकाला जा चुका है। अयोध्या नगर निगम के आयुक्त विशाल सिंह ने बताया कि पूरी अयोध्या को सजाया–संवारा जा रहा है। हजारों करोड़ की योजनाएं तेजी से आकार ले रही हैं। अयोध्या में करीब आठ हजार मठ–मंदिर हैं।

सनातन पर दिए बयान पर माफी मांगे उदयनिधि, एक हफ्ते का समय, नहीं तो हम आ रहे हैं तमिलनाडु

अयोध्या (ब्यूरो)। उदयनिधि स्टालिन द्वारा सनातन धर्म पर की गई टिप्पणी का मामला अब साधु–संतों के बीच पहुंच गया है। अयोध्या स्थित आचार्य पीठ तपस्वी छावनी में सोमवार को धर्म संसद अयोजित की गई। इस कार्यक्रम में जुटे संत–धर्माचार्यों ने एक स्वर में कहा कि सनातन धर्म पर अमर्यादित टिप्पणी करने वाले तमिलनाडु मुख्यमंत्री के पुत्र उदयनिधि स्टालिन माफी मांगे। इसके लिए हम उन्हें एक सप्ताह का समय देते हैं। अगर वह माफी नही मांगते हैं। तो देश के हम सभी संत–धर्माचार्य तमिलनाडु के लिए कूच करेंगे। धर्मसंसद की अध्यक्षता करते हुए जगद्गुरु परमहंस आचार्य ने बोले कि सनातन धर्म को मानने वाले लोगों को अपमानित करने का काम किया जा रहा। संवैधानिक पदों पर बैठे लोग ही असंवैधानिक बयान दे रहे हैं। देश के 120 करोड़ सनातनी अभी जिंदा हैं। ऐसी टिप्पणी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सनातन धर्म पर अमर्यादित टिप्पणी, निंदा करने वालों को सत्ता से हटाने व भगाने का काम करेंगे। संत–धर्माचार्यों ने धर्मसंसद में निर्णय लिया है कि सनातन धर्म पर अमर्यादित बयान देने वाला डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन एक सप्ताह के अंदर माफी नही मांगते हैं तो देश के हजारों संत–धर्माचार्य तमिलनाडु के लिए कूच कर वहां विरोध प्रदर्शन करेंगे।

इस मौके पर संकटमोचन सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय दास ने कहा कि जो भी लोग सनातन धर्म की निंदा व कटाक्ष कर रहे हैं। उन्हें पता नही सनातन धर्म सबकी जननी है। सनातन धर्म पर कटाक्ष करने वालों का विनाश निश्चित है। यदि सनातन धर्म पर अमर्यादित टीका–टिप्पणी बंद नही हुई तो वह राष्ट्रपति से मिलेंगे। इसके बाद वह संसद भवन का घेराव करेंगे। श्रीनिर्वाणी अनी अखाड़ा के श्रीमहंत मुरली दास ने कहा कि उदयनिधि स्टालिन, ए राजा, स्वामी प्रसाद मौर्या जैसे लोग धर्म विरोधी हैं, इनका पतन निश्चित है। धर्मसंसद में महंत जगदीश दास, महंत रामचरण दास, सरपंच रामकुमार दास, महंत नंदराम दास, पुजारी हेमंत दास, पहलवान राजेश दास, मामा दास समेत सैंकड़ों संत–धर्माचार्य मौजूद रहे।

पहले दिन आठ भूस्वामियों ने कराया अपनी जमीन का बैनामा

नैमिषारण्य सीतापुर (ब्यूरो)। जिलाधिकारी ने नैमिष में पर्यटन सुविधाओं में विस्तार को लेकर राही पर्यटक आवास में सोमवार को भूमि के विक्रय पत्र के निबंधन के लिए कैम्प कार्यालय का उद्घाटन किया। भूमि अधिग्रहण के तहत पहले दिन आठ बैनामे किए गए। डीएम ने बैनामा करने वाले व्यक्तियों को पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। डीएम अनुज सिंह ने कहा कि नैमिष तीर्थ के आवश्यक विकास कार्यों के लिए भूमि अधिग्रहण का कार्य शुरु हो गया है। भूस्वामियों, स्थानीय नागरिकों और साधु संतों का सराहनीय सहयोग मिल रहा है। उन्होंने बताया कि तीर्थ में पर्यटन सुविधाओं के विस्तार के लिए करीब 21 एकड़ भूमि का अधिग्रहण करना है। अभी लगभग 40 भूस्वामियों ने सहमति जताई है। हमें उम्मीद है कि लगभग 15 दिनों में हम अधिग्रहण कार्य पूरा कर लेंगे। पहले दिन बैनामा कराने वाले हनुमानगढ़ी के महंत 1008 पवन दास, अधिवक्ता आरबी सिंह, ललिता देवी मंदिर के पुजारी अटल बिहारी व सिद्धार्थ अवस्थी को पुष्पगुच्छ देकर डीएम ने सम्मानित किया। इस मौके पर एडीएम राम भारत तिवारी, पर्यटन विभाग के उपनिदेशक कल्याण सिंह यादव, एसडीएम मिश्रिख अजय त्रिपाठी, अधिवक्ता आरबी सिंह, पूर्व चेयरमैन यतींद्र अवस्थी, रजिस्ट्रार सीतापुर राजीव त्रिपाठी, रजिस्ट्रार मिश्रिख सुषमा यादव, नायब तहसीलदार रामसूरत यादव, लेखपाल कुलदीप सिंह, जितेंद्र द्विवेदी, थाना प्रभारी दिग्विजय पांडेय आदि मौजूद रहे। नैमिष तीर्थ विकास के लिए हनुमानगढ़ी के महंत 1008 पवन दास को उनकी भूमि का दो लाख 200 रुपये मिला। उन्होंने यह धनराशि तीर्थ के विकास के लिए दान कर दी। उन्होंने अन्य भूस्वामियों से तीर्थ के विकास में सहयोग करने की अपील की है।

संदिग्ध हालात में पेड़ से लटके मिले बुजुर्ग और अधेड़ के शव

अयोध्या (ब्यूरो)। जनपद में सोमवार को दो अलग–अलग थाना क्षेत्रों में संदिग्ध हालात में फंदे से दो शव लटके मिलने से हड़कंप मच गया। पुलिस ने शवों का पोस्टमार्टम करा परिवारीजनों को सौंप दिया है। हैरिंग्टनगंज पुलिस चौकी के ग्राम आदिलपुर पूरे लाला का पुरवा निवासी रामदुलारे (65) घर से दूर बाग में नीम के पेड़ पर प्लास्टिक की रस्सी के सहारे फंदे से लटके मिले। लगभग 18 वर्ष पूर्व रामदुलारे के पुत्र की एक एक्सीडेंट में मौत हो गई थी। घर में किसी के न होने से बेटी और दामाद यहीं रहते थे। परिवारीजनों का कहना है कि रविवार को बिना किसी को बताए सुबह घर से निकले थे।

वहीं रौनाही थाना क्षेत्र अंतर्गत मीरपुर कांटा निवासी 48 वर्षीय बुद्धू का शव घर के बगल पेड़ से लटकता मिला। ग्रामीणों के अनुसार मृतक नशे का आदी था। आर्थिक स्थिति भी खराब थी। तीन बच्चों के साथ पत्नी के लिए जीविका के लिए संकट उत्पन्न हो गया है।

थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत दौदहा मे रविवार देर शाम सर्पदंश से दो वर्षीय बच्ची की इलाज के दौरान जिला अस्पताल में मौत हो गई। ग्राम प्रधान विनय वर्मा ने बताया कि ग्राम सभा निवासी रवि शर्मा की दो वर्षीय पुत्री सिद्धि रविवार देर शाम छत पर खेल रही थी। इस दौरान उसके पैर की अंगुली में सांप ने काट लिया। परिजन उसे नजदीकी बाजार में एक चिकित्सक के पास ले गए जहां से जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया था। रवि शर्मा विकास नगर में सैलून चलाते हैं।

स्कूल गई नाबालिग छात्रा के घर वापस न आने पर परिवारीजनों ने पिता–पुत्र के विरुद्ध अपहरण का मुकदमा दर्ज करवाया है। मामला थाना क्षेत्र की एक ग्राम सभा का है। किशोरी के पिता ने पुलिस को तहरीर दी है कि उनकी 14 साल की पुत्री गांव के विद्यालय में पढ़ती है। 13 सितम्बर को उसकी पत्नी उसे विद्यालय छोड़ कर घर वापस आ गई, लेकिन विद्यालय में छुट्टी होने के पश्चात उनकी पुत्री घर नहीं आई। उसने जैतपुर निवासी सूरज पर आशंका व्यक्त की। थाना प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार यादव ने बताया कि जैतपुर निवासी सूरज व उसके पिता श्यामलाल के खिलाफ अपहरण का केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

एआरटीओ की चेकिंग के दौरान हुई दो यात्रियों की मौत के मामले में एसएसपी व आईजी से भी शिकायत हुई है। सोहावल क्षेत्र के करेरू निवासी शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने संबंधित दोषी बस संचालक व अधिकारियों पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई किए जाने की मांग एसएसपी राजकरन नैय्यर से की गई है। एसएसपी ने मामले की छानबीन का जिम्मा रमाशंकर सरोज को सौंपकर आख्या मांगी है।

तीन साल बाद भी नहीं मिली पारिवारिक लाभ योजना की धनराशि

सीतापुर (ब्यूरो)। तहसील सदर के ग्राम सहरोई कालिकाबक्श की शिवरानी ने तीन साल पहले पारिवारिक लाभ योजना के तहत सहायता राशि पाने के लिए आवेदन किया था। तहसील के कर्मचारियों की ओर से जांच में इन्हें योजना के लिए पात्र पाया था। लाभ दिए जाने की एसडीएम ने संस्तुति की थी। बावजूद इसके सहायता राशि नहीं मिल सकी है। वह बैंक और जिम्मेदारों के चक्कर लगाने के लिए मजबूर हैं। एलिया ब्लॉक की नौरंगपुर निवासी सुनीता ने योजना का लाभ लेने के लिए सभी जरूरी दस्तावेजों के साथ आवेदन किया था। करीब सवा तीन साल पहले हुई जांच पड़ताल में इनको पात्र पाया गया था। बावजूद इसके योजना में मिलने वाली धनराशि इनके बैंक खाते में नहीं पहुंची। पारिवारिक लाभ योजना के लाभार्थियों की मुसीबतें कम नहीं हो रही हैं। बीते तीन साल से लाभार्थी भटक रहे हैं, उन्हें अभी तक योजना की धनराशि नहीं मिल सकी है। वर्तमान वित्तीय साल में विभागीय वेबसाइट की खामियों के कारण किसी भी लाभार्थी को धनराशि न मिलने से वे जिम्मेदारों के चक्कर लगा रहे हैं। पारिवारिक लाभ योजना के तहत जरूरतमंद परिवार के कमाऊ मुखिया की मौत पर समाज कल्याण विभाग की ओर से 30 हजार रुपये दिए जाते हैं। योजना के तहत तमाम लाभार्थियों को काफी समय से लाभ नहीं मिला है। चकिया की रामप्यारी, बेलगवां की सुनीता, बसेती की पिंकी, अंबोवा की कोकिला, कचनार की मीरा, देहेलिया की पिंकी आदि को दो साल बीत जाने के बाद भी योजना का लाभ नहीं मिला है।

वर्तमान साल के शुरुआत से ही योजना संचालन में दिक्कतें आ रही हैं। विभाग की वेबसाइट पर पहले आवेदन ही नहीं हो रहे थे। लाभार्थी इसके लिए भटक रहे थे। कुछ समय पूर्व इस समस्या का समाधान किया गया तो ऑनलाइन आवेदन तो हो रहे हैं लेकिन अफसर इनका निस्तारण नहीं कर सकते। उनकी लॉगिन नहीं चल रही है। योजना की वेबसाइट पर 897 ऑनलाइन आवेदन किए गए हैं। इनमें से पीएफएमएस की ओर से 319 आवेदन ही स्वीकार किए गए हैं। 53 आवेदन अस्वीकार किए हैं। शेष आवेदनों की क्या स्थिति है, यह जानकारी न होने से असमंजस की स्थिति बनी है। पारिवारिक लाभ योजना की वेबसाइट पर पटल सहायक और अधिकारी का लॉगिन नहीं खुल रहा है। इससे आवेदनों का निस्तारण नहीं हो सका है। इस संबंध में निदेशालय स्तर से शीघ्र ही समाधान किया जाएगा।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का तहसीलदार ने किया दौरा

सीतापुर (ब्यूरो)। बिसवां तहसीलदार ने सोमवार को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। इस दौरान ग्रामीणों से संवाद कर स्थिति की जानकारी ली। कटान प्वाइंट का अवलोकन कर व्यवस्थाएं परखीं। इन दिनों शारदा व सरयू का जलस्तर काफी कम है और कटान भी थमा हुआ है। इसके बाद भी प्रशासन लगातार बाढ़ ग्रस्त इलाके की निगरानी कर रहा है। सोमवार को बिसवां तहसीलदार उमाशंकर त्रिपाठी ने रतनगंज, गोविंदपुर, पासिन पुरवा, गार्गी पुरवा, दुर्गा पुरवा, चहलारी घाट, गौढ़ी बजहा, ताहपुर आदि गांवों का भ्रमण कर हालातों का जायजा लिया। यह सभी गांव बाढ़ आने पर सबसे पहले प्रभावित होते हैं।

फोन पर नोकझोंक के बाद पति-पत्नी फंदे से झूले

पयागपुरविशेश्वरगंज(बहराइच) (ब्यूरो)। एक युवक की किसी बात पर उसकी पत्नी के साथ फोन पर नोकझोंक हो गई। इसके बाद गुस्से में युवक पत्नी को मेसेज भेजकर फंदे पर झूल गया। वहीं झगड़े से क्षुब्ध पत्नी ने भी मायके में फांसी लगा ली। घटना की जानकारी होते ही दोनों परिवारों में कोहराम मच गया। घटना के वक्त युवक के परिवार के लोग जलाभिषेक के लिए बनारस गए थे। पयागपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत सोहरियांवा निवासी बजरंगी (23) का विवाह तीन वर्ष पूर्व विशेश्वरगंज थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत भागीरथपुरवा निवासी कविता(22) के साथ हुआ था। लगभग सात माह पूर्व मार्च माह में उसका गौना संस्कार हुआ था और कविता अपने ससुराल आई थी। लेकिन नागपंचमी पर वह अपने मायके भागीरथपुरवा चली गई थी और तब से वहीं थी। रविवार की रात बजरंगी कविता से फोन पर बात कर रहा था। इसी दौरान किसी बात को लेकर दोनों में नोकझोंक हुई और इसके बाद बजरंगी ने फांसी लगा ली। वहीं मायके में मौजूद कविता भी साड़ी का फंदा बनाकर फांसी पर झूल गई। सूचना पर पहुंची दोनो थानों की पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं पुलिस जांच पड़ताल में जुटी है।

युवक का आखिरी मैसेज बना चर्चा का विषयमृतक बजरंगी ने मायके में मौजूद अपनी पत्नी कविता के मोबाइल पर रात लगभग 1रू07 बजे एक मैसेज भेजा था, जो क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। मैसेज में लिखा है, कि मेरी जान के दुश्मन मेरे मां–बाप हैं और कोई नहीं। मृतक के इस मैसेज के बाद से क्षेत्र में सभी युवक के मां–बाप को दोषी बता रहे हैं। मृतक बजरंगी के पिता हरिशंकर उर्फ नानबाबू ने आरोप लगाते हुए बताया कि नागपंचमी से पहले उनकी बहू मृतका कविता के पिता उसे घर ले जाने के लिए आए थे। लेकिन मृतका ने घर जाने से इंकार कर दिया था। इसके बाद उन्होंने कविता की छोटी बहन व भाई को घर भेजा और वह दोनों उसे मायके लेकर चले गए। इसके बाद से उसके परिजन उसे ससुराल नहीं आने दे रहे थे। इसको लेकर उनका बेटा बजरंगी परेशान था और उसने फांसी लगा ली। उन्होंने बताया कि के लोग बनारस जलाभिषेक के लिए गए थे। इसी दौरान ये घटना हो गई। शव का पोस्टमार्टम करवाने आए मृतका के चचेरे भाई शुभम द्विवेदी ने आरोप लगाते हुए बताया कि उनके जीजा बजरंगी उनकी बहन कविता को घर ले जाना चाह रहे थे। लेकिन उनकी मां इसका विरोध कर रही थीं। शुभम ने आरोप लगाया कि जीजा की मां ने यहां तक कह दिया था, कि कविता को यहां मत लाना। जाना है तो उसी के घर जाकर रहो। दोनो परिवारों ने फौरी तौर पर सूचना दी है, जिसके आधार पर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। किसी भी परिवार ने कोई तहरीर नहीं दी है। मृतका के वायरल मैसेज और अन्य पहलुओं पर गहनता से जांच पड़ताल जारी है।

भूख से बेहाल गोवंशों ने तोड़ा बाड़ा, दो की मौत

मास्टरबाग (सीतापुर) (ब्यूरो)। कसमंडा विकास खंड की ग्राम पंचायत सीतारसोई स्थित गोशाला में भूख से बिलबिलाए गोवंश तार तोड़कर धान के खेत में जा पहुंचे। करीब एक बीघा धान की फसल गोवंशों ने चट कर बर्बाद कर दी। वहीं, दो गोवंशों की भूख से तड़पकर गोशाला में मौत हो गई। सूचना पाकर पहुंचे विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं संग बीडीओ ने मामले की जानकारी लेते हुए तारों को सही कराया। मृत गोवंशों को दफन कराया गया। विकास खंड कसमंडा क्षेत्र के सीतारसोई ग्राम पंचायत में रविवार रात भूख से बेहाल गोवंश तार तोड़कर एक किसान के खेत में घुस गए। धान की हरी–भरी फसल को चट कर गए।

उपकेंद्र पर ग्रामीणों का उत्पात, फाड़े अभिलेख, तोड़े कंप्यूटर

तंबौर(सीतापुर) (ब्यूरो)। अघोषित बिजली कटौती से नाराज ग्रामीणों ने बीती रात तंबौर उपकेंद्र पर घंटों जमकर हंगामा काटा। वे उग्र हो गए और उपकेंद्र पर मौजूद कर्मचारियों को पीट दिया, कार्यालय में रखे अभिलेख फाड़ दिए व कंप्यूटर तोड़ दिया। कर्मचारियों ने किसी तरह भागकर किसी तरह अपनी जान बचाई। इसके बाद कर्मचारियों ने गुस्से में आकर करीब 150 गांवों की तत्काल आपूर्ति ठप कर दी। कार्रवाई की मांग को लेकर सोमवार सुबह उपकेंद्र पर ही वे धरने पर बैठ गए। अधिशाषी अभियंता व सीओ के आश्वासन पर व मुकदमा दर्ज करने पर कर्मचारियों का गुस्सा शांत हुआ और धरना खत्म किया। इस दौरान करीब 20 घंटे आपूर्ति बंद रही। एक लाख आबादी को नुकसान उठाना पड़ा। विद्युत उपकेंद्र तंबौर से खंभरिया, बेहटा, काशीपुर, तंबौर टाउन व तंबौर देहात फीडर संचालित हो रहे हैं। इनसे जरिए करीब 150 गांवों को आपूर्ति दी जाती है। बीती रात अघोषित कटौती से नाराज होकर करीब 15 उपद्रवी रात 10 बजे उपकेंद्र पहुंच गए। इन लोगों ने कर्मचारी अमर सिंह, हरीश व संजय कुमार के साथ मारपीट शुरू कर दी। उपकेंद्र पर रखे सरकारी अभिलेख फाड़ दिए। कंप्यूटर सेट तोड़ दिया।

आरोप यह भी है कि उपद्रवी बिलिंग के रखे 75 हजार रुपये भी उठा ले गए। अवर अभियंता अमरीश कुमार ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। उसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। ग्रामीणों के उपद्रव से नाराज कर्मचारियों ने सभी फीडरों की आपूर्ति रात में ही बंद कर दी। सुबह वे उपकेंद्र पर धरने पर बैठ गए। पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। अधिशाषी अभियंता धीरज व सीओ बिसवां अभिषेक प्रताप मौके पर पहुंचे। उन्होंने मुकदमा दर्ज कराने का आश्वासन देकर मामला शांत कराया। लेकिन शाम छह बजे तक आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी। उपभोक्ताओं का कहना है कि उपकेंद्र से जुड़े चार फीडरों के लोग 15 दिनों से परेशान हैं। 24 घंटे में महज तीन से चार घंटे ही बिजली मिल रही है। कस्बे में रोस्टिंग के बाद बिजली आने पर बार–बार ट्रिपिंग होती है। आरोप है कि कस्बे में रोजाना चेकिंग के नाम पर कर्मचारी वसूली करते हैं। लापरवाही तो इस कदर है कि दो दिन पहले एक लाइनमैन पोल पर बिजली ठीक कर रहा था। इसी दौरान करंट लगने से वह झुलस गया और पोल से गिर कर गंभीर रूप से चोटिल हो गया। अब वह लखनऊ में जिंदगी व मौत के बीच जूझ रहा है। तंबौर कस्बे में 25 प्लाईवुड फैक्ट्रियां चल रही हैं। 20 घंटे बिजली गुल होने से इनका कारोबार ठप हो गया। कई जगहों पर जनरेटर चले, लेकिन डीजल से लागत अधिक आने के कारण सिर्फ जरूरी काम निपटाए गए। फैक्ट्री मालिकों ने कहा कि इससे लाखों का नुकसान उठाना पड़ा है।

कनाडाई पत्रकार ने ट्रूडो सरकार पर दागे सवाल, कहा– महज तीन महीने में जांच कैसे पूरी

ओटावा (एजेंसी)। कनाडा और भारत के बीच हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर आरोप–प्रत्यारोप का खेल शुरू हो चुका है। कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो ने आरोप लगाया है कि हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के पीछे भारत सरकार की साजिश हो सकती है। इसपर भारत सरकार ने भी पलटवार किया है। उन्होंने सभी बयानों को बेतुके बताया है। वार–पलटवार के बीच भारत और कनाडा के बीच मनमुटाव बढ़ता जा रहा है। इस मामले को लेकर, कनाडा के वरिष्ठ पत्रकार ने अपने पीएम ट्रूडो पर ही सवाल खड़े कर दिए।

उन्होंने कहा कि वह संसद में ऐसा बयान कैसे दे सकते हैं? उनका बयान बेहद चौंकाने वाला है। हालांकि, वहीं साउथ एशिया इंस्टीट्यूट के निदेशक ने ट्रूडो का पक्ष लिया है। उन्होंने कहा कि अगर पीएम ने इतने विश्वास से कुछ कहा है तो सच हो सकता है। यह समय क्या संकेत देता है? वरिष्ठ कनाडाई पत्रकार ताहिर असलम गोरा ने कहा कि कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो ने संसद में बयान दिया कि हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीयों का हाथ है। उन्होंने कहा कि ऐसा बयान अचानक से देना हम कनाडाई लोगों को सोचने पर मजबूर करती है कि यह समय क्या संकेत देता है? उन्होंने कहा कि पीएम ट्रूडो अभी भारत से लौटे हैं। जब से वह लौटे हैं, तबसे ही भारतीय और कनाडाई मीडिया में विवादित खबरें चल रही हैं। उन्होंने कहा कि ये खुलासा पहले या जांच पूरी होने के बाद किया जा सकता था। गोरा ने आगे कहा कि संसद में पीएम ट्रूडो ने ये भी बताया कि जब वो भारत में थे तो पीएम मोदी से उनकी इस संबंध में बातचीत हुई थी। वरिष्ठ कनाडाई पत्रकार ने कहा कि भारतीय कनाडाई जो कि एक विशाल प्रवासी हैं, के मन में यह सवाल है कि भारत ने कनाडा के लिए कभी भी बुरे इरादे नहीं रखे हैं और कनाडा की ओर से भी यही बात है। पीएम ट्रूडो ने भारतीय राजनयिक को निष्कासित करने का भी आदेश दिया। उन्होंने कहा कि भारत और कनाडा के संबंधों में यह बहुत कठिन स्थिति है। लोग अभी भी सोच रहे हैं कि पीएम ट्रूडो ने इस मौके पर ऐसा संदेश क्यों दिया? असलम गोरा ने कहा कि कुछ खालिस्तानी गतिविधियों को छोड़कर भारत और कनाडा एक दूसरे के शुभचिंतक है।

भारत और कनाडा के बीच हमेशा अच्छे संबंध रहे हैं। कनाडाई प्रधानमंत्री ने चीन और रूस के बारे में अपनी चिंताएं जाहिर की हैं, लेकिन भारत के बारे में कभी नहीं। उन्होंने कहा कि पीएम ट्रूडो का ऐसे अचानक खुलासा करना बेहद चौंकाने वाला है। कनाडाई भी सदमे में हैं और हम हमेशा चाहते थे कि तथ्यों को जानने के लिए जांच पूरी हो।

उन्होंने कहा कि हमारे पास अभी भी सवाल है कि महज तीन महीने में जांच कैसे पूरी हो गई और पीएम ट्रूडो संसद में ऐसा बयान कैसे दे सकते हैं? यह प्रवासी भारतीयों के लिए एक मुद्दा है और हर कोई इस स्थिति से सदमे में है और डरा हुआ है। यह बहुत दुखद स्थिति है। उन्होंने कहा कि पीएम ट्रूडो का खुलासा चौंकाने वाला है। विल्सन सेंटर में साउथ एशिया इंस्टीट्यूट के निदेशक माइकल कुगेलमैन ने कहा कि जाहिर है, कनाडा के प्रधानमंत्री के हाउस ऑफ कॉमन्स के सामने बोलने से पता चलता है कि उनके पास यह मानने के बहुत मजबूत कारण हैं कि वह जो कह रहे हैं वह सही है।

पाकिस्तान ने अमेरिका को बेचे हथियार

इस्लामाबाद (एजेंसी)। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि यूक्रेन को सप्लाई करने के लिए पाकिस्तान ने एक खुफिया सौदे के तहत अमेरिका को हथियार बेचे। इसके बदले में आर्थिक संकट से घिरे पाकिस्तान को आईएमएफ ने बेलआउट पैकेज दिया है। रिपोर्ट में अपने दावे के पक्ष में पाकिस्तानी और अमेरिकी सरकार के दस्तावेजों का हवाला दिया गया है। हालांकि पाकिस्तानी सरकार ने इन आरोपों को खारिज किया है। ऑनलाइन खोजी वेबसाइट द इंटरसेप्ट ने यह रिपोर्ट प्रकाशित की है। रिपोर्ट में बताया गया है कि यूक्रेनी सेना के इस्तेमाल के लिए पाकिस्तान और अमेरिका के बीच यह सौदा हुआ। रिपोर्ट के अनुसार, इस सौदे के लिए कथित तौर पर अमेरिका ने पाकिस्तान पर दबाव बनाया। बता दें कि आर्थिक तंगी से जूझ रहे पाकिस्तान को आईएमएफ से तीन अरब डॉलर का बेलआउट पैकेज मिला है। रिपोर्ट के अनुसार, आईएमएफ से इस बेलआउट पैकेज को पाने के लिए ही अमेरिकी दबाव में पाकिस्तान ने यह सौदा किया। हालांकि पाकिस्तान के विदेश विभाग की प्रवक्ता मुमताज जाहरा बलोच ने रिपोर्ट में किए गए दावों को खारिज कर दिया। जाहरा बलोच ने आरोपों को आधारहीन और मनगढ़ंत बताया।

बलोच ने कहा कि रूस–यूक्रेन युद्ध में पाकिस्तान की नीति सख्त तौर पर निष्पक्ष रहने की है और किसी भी देश को हथियार या गोला बारूद मुहैया नहीं कराए हैं। पाकिस्तान के हथियार निर्यात के लिए सख्त नियम हैं। गौरतलब है कि जुलाई में यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्री कुलेबा ने पाकिस्तान का दौरा किया था। उस दौरान कुलेबा ने पाकिस्तान द्वारा यूक्रेन को हथियार सप्लाई करने की खबरों को खारिज कर दिया था। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने भी इन आरोपों को खारिज किया था। ऐसी भी रिपोर्ट्स आईं थी कि पाकिस्तान ने वारसा में हथियारों की बिक्री के लिए एक फर्म भी स्थापित की थी। वहीं अप्रैल में बीबीसी को दिए एक इंटरव्यू में यूक्रेन के एक शीर्ष कमांडर ने बताया था कि उन्हें पाकिस्तान समेत कई देशों से हथियार मिले हैं लेकिन यूक्रेन की सरकार ने इससे इनकार कर दिया था। बीते साल 24 फरवरी को रूस–यूक्रेन के बीच युद्ध शुरू हुआ था।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में बाइडन के अलावा शीर्ष नेता नहीं पहुंचे

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र महासभा में सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्यों में से अधिकतर नेता अनुपस्थित रहने वाले हैं। सिर्फ अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ही संयुक्त राष्ट्र महासभा में शामिल हो रहे हैं। इसे लेकर जब यूएन प्रमुख एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि यहां कोई मेला नहीं चल रहा है! विभिन्न गंभीर वैश्विक मुद्दों पर सरकारों द्वारा लिए गए फैसले, किसी नेता विशेष की उपस्थिति से ज्यादा अहम हैं।

बता दें कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्यों अमेरिका, चीन, फ्रांस, रूस और ब्रिटेन में से सिर्फ अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ही संयुक्त राष्ट्र महासभा में शिरकत कर रहे हैं। 78वीं संयुक्त राष्ट्र महासभा के लिए रविवार को बाइडन न्यूयॉर्क पहुंच गए। वहीं रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग, ब्रिटिश पीएम ऋषि सुनक और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों उच्च स्तरीय बैठक में भाग नहीं ले रहे हैं। रूस की तरफ से उनके विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव, चीन की तरफ से उपराष्ट्रपति हान झंग, ब्रिटेन से उप–प्रधानमंत्री ओलिवर डाउडेन और फ्रांस से यूरोप और विदेश मामलों की मंत्री कैथरीन कोलोना संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने–अपने देशों का प्रतिनिधित्व करेंगे।

जब अधिकतर शीर्ष नेताओं की गैरमौजूदगी को लेकर संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि यहां कोई मेला नहीं चल रहा है। यह एक राजनीतिक निकाय है, जिसमें सरकारों का प्रतिनिधित्व किया जाता है। यह मायने नहीं रखता कि किसी देश का प्रतिनिधित्व किसके द्वारा किया जा रहा है। गुटेरेस ने कहा कि मुझे चिंता इस बात की है कि जो देश यहां हैं, वह सतत विकास लक्ष्य की प्रतिबद्धताओं को मानने के लिए तैयार हो। गुटेरेस ने कहा कि दुर्भाग्य से चीजें सही दिशा में आगे नहीं बढ़ रही हैं और ये एक हकीकत है। हमें कई अहम चीजों पर प्रतिबद्धता की जरूरत है। गुटेरेस ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को यह समझना होगा कि हमारे पास एक अन्यायपूर्ण, निष्क्रिय और पुरानी अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली है, जिसे सुधारने की जरूरत है।

'चीन के देंग की तरह भारत को आर्थिक महाशक्ति बना रहे मोदी', अमेरिकी निवेशक और लेखक रे डेलियो का दावा

वाशिंगटन (एजेंसी)। मशहूर अमेरिकी निवेशक व लेखक रे डेलियो का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत को ठीक उसी तरह आर्थिक महाशक्ति बनाने की राह पर लेकर जा रहे हैं, जिस तरह से 1978 से से 1989 के दौरान चीन में आर्थिक क्रांति पैदा कर चीन को औद्योगिक अर्थव्यवस्था बनाया था। इसके साथ ही डेलियो का दावा है कि आने वाले दशक में पूरी दुनिया में भारत की विकास दर सबसे ज्यादा रहेगी। असल में चीनी अर्थव्यवस्था को विदेशी निवेशकों के लिए खोलने और तमाम व्यापक सुधारों का श्रेय देंग को ही दिया गया है, क्योंकि उन्होंने देश में बाजार अर्थव्यवस्था और पूंजीवादी जैसे उद्यमों के निर्माण को प्रोत्साहित किया था।

रे डेलियो ने लॉस एंजल्स में यूसीएलए परिसर में ऑल–इन समिट, 2023 में एक पॉडकास्ट में कहा कि हमारे पास दुनिया की शीर्ष 22 अर्थव्यवस्थाओं की विकास दर का अनुमान है, जिनमें भारत शीर्ष पर है। भारत अब उस स्थान पर है, जहां एक समय चीन था। डेलियो ने कहा, पीएम मोदी भारत के लिए देंग की तरह हैं, जिनके पास बड़े पैमाने पर सुधार, विकास, रचनात्मकता जैसे सभी तत्व हैं, हालांकि, निश्चित रूप से कई जोखिम भरे मुद्दे हैं, जिनसे भारत को निपटना होगा। शिखर सम्मेलन की मेजबानी ऑल–इन पॉडकास्ट की तरफ से की गई, जिसमें चमथ पालीहापिटिया, जेसन कैलाकानिस, डेविड सैक्स और डेविड फ्रीडबर्ग शामिल थे।

डेलियो ने पॉडकास्ट शिखर सम्मेलन के दौरान कहा, अब निश्चित रूप से 24 करोड़ मुसलमानों की आबादी से संबंधित एक धार्मिक आंतरिक मुद्दा है। हालांकि, इसके सहित कोई भी मुद्दा भारत के उभार को नहीं रोक पाएगा, क्योंकि इतिहास बाताता है कि, जो देश तटस्थ रहते हैं, वे अच्छा प्रदर्शन करते हैं और दुनिया में जारी संघर्ष के लिहाज से भारत तटस्थता का आदर्श उदाहरण है। इससे पहले 14 सितंबर को फिच रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के विकास अनुमान को 6.3:पर बरकरार रखते हुए कहा था कि भारतीय अर्थव्यवस्था लगातार लचीलापन दिखा रही है। जून में, फिच रेटिंग्स ने 2023–24 के लिए भारत की वृद्धि का अनुमान मार्च के अपने पहले अनुमान 6.0 से बढ़ाकर 6.3 फीसदी कर दिया था, जिससे भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन गया।

राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन पार्टी की बहस में शामिल नहीं होंगे डोनाल्ड ट्रंप

वॉशिंगटन (एजेंसी)। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रिपब्लिकन पार्टी की दूसरी बहस में भी शामिल नहीं होंगे। दरअसल जिस समय बहस होगी, उस समय डोनाल्ड ट्रंप डेट्रॉयट में यूनियन कार्यकर्ताओं की भीड़ को संबोधित करेंगे। वह ऑटो वर्कर्स को संबोधित करेंगे। बता दें कि ट्रंप रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद के लिए हो रही पहली बहस से भी नदारद रहे थे। डोनाल्ड ट्रंप, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की इलेक्ट्रिक वाहनों की नीति का आलोचक हैं। ट्रंप ने आरोप लगाया है कि जो बाइडन ने इलेक्ट्रिक वाहन जनादेश के द्वारा ऑटो इंडस्ट्री के खिलाफ जंग छेड़ी हुई है। ट्रंप, रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनने की रेस में बहुत आगे हैं। पहले बहस में शामिल ना होने के बावजूद डोनाल्ड ट्रंप 50 प्रतिशत पॉइंट्स के साथ अपने नजदीकी प्रतिद्वंदी से आगे हैं।

पीएम मोदी का मुरीद हुआ व्हाइट हाउस

वाशिंगटन (एजेंसी)। इस साल भारत की अध्यक्षता में हुआ जी–20 शिखर सम्मेलन काफी सफल रहा। दुनियाभर में जी–20 की सफलता की प्रशंसा हो रही है। व्हाइट हाउस सम्मेलन के बाद से ही भारत और पीएम मोदी की तारीफों के पुल बांध रहा है। एक बार फिर अमेरिका ने जी–20 की अध्यक्षता के लिए भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया और कहा कि राष्ट्रपति जो बाइडन दिल्ली में नेताओं के शिखर सम्मेलन से बहुत सकारात्मक और आशावादी महसूस कर रहे हैं। अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के रणनीतिक संपर्क समन्वयक जॉन किर्बी ने एक सवाल के जवाब में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि बाइडन जी–20 से आने के बाद से ही बेहद सकारात्मक और आशावादी महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मेरा मतलब है कि जी–20 में जरूरी मुद्दों पर सफल बात हुई।

भारतीय राजनयिक को कनाडा ने किया निष्कासित, PM ट्रूडो बोले– निज्जर हत्याकांड में हो सकता है भारत का हाथ

ओटावा (एजेंसी)। कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने सोमवार को आरोप लगाए कि निज्जर की हत्या के पीछे भारत सरकार का हाथ हो सकता है। ट्रूडो ने कहा कि कनाडाई सुरक्षा एजेंसियों के पास यह मानने के कारण है कि भारत सरकार के एजेंटों ने ही निज्जर की हत्या की है। कनाडा और भारत के बीच मनमुटाव बढ़ता जा रहा है। इस बीच, कनाडा ने भारत के एक शीर्ष राजनयिक को निष्कासित कर दिया। पूरा मामला सिख नेता हरदीप सिंह निज्जर हत्याकांड की जांच से जुड़ा है। कनाडा सरकार का आरोप है कि भारतीय राजनयिक हत्याकांड की जांच में हस्तक्षेप कर रहे थे और वह भी तब जब कनाडाई एजेंसी मामले की जांच के लिए प्रतिबद्ध हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने आरोप लगाया है कि निज्जर की हत्या के पीछे भारत सरकार की साजिश हो सकती है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, इसी साल जून में कनाडा के एक प्रमुख खालिस्तानी नेता हरदीप सिंह निज्जर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। कनाडा के सरे में स्थित गुरु नानक सिख गुरुद्वारे के नजदीक दो अज्ञात हमलावरों ने निज्जर पर हमला किया था। हमले में उसकी मौत हो गई थी। भारतीय एजेंसी एनआईए ने निज्जर को भगोड़ा घोषित किया था। बता दें, निज्जर गुरु नानक सिख गुरुद्वारे का अध्यक्ष था और कनाडा में चरमपंथी संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) का प्रमुख चेहरा था। निज्जर, खालिस्तान टाइगर फोर्स का प्रमुख भी था। विदेशी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, कनाडाई प्रधानमंत्री मंत्री जस्टिन ट्रूडो ने

सोमवार को आरोप लगाए कि निज्जर की हत्या के पीछे भारत सरकार का हाथ हो सकता है। ट्रूडो ने कहा कि कनाडाई सुरक्षा एजेंसियों के पास यह मानने के कारण है कि भारत सरकार के एजेंटों ने ही निज्जर की हत्या की है। कनाडाई एजेंसियां निज्जर की हत्या में भारत की साजिश की संभावनाओं की जांच कर रही हैं। ट्रूडो ने जोर दिया कि कनाडा की धरती में कनाडाई नागरिक की हत्या में किसी भी प्रकार की संलिप्तता अस्वीकार्य है। कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने संसद में बताया कि नई दिल्ली में आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बात की थी। इस दौरान मैंने उन्हें कहा था कि हत्याकांड की जांच में भारत सरकार की कोई भी संलिप्तता अस्वीकार्य होगी। मैंने उनसे जांच में सहयोग करने का आग्रह किया था। कनाडाई धरती पर एक कनाडाई नागरिक की हत्या हुई है। इसकी जांच में किसी विदेशी सरकार की संलिप्तता हमारी संप्रभुता का उल्लंघन है। उनकी सरकार खुद कनाडा एजेंसियों के साथ काम कर रही हैं। सरकार और एजेंसियों के बीच समन्वय है।

कनाडा की विदेश मंत्री मेलानी जोली ने कहा कि कनाडा में भारतीय अधिकारी को निष्कासित कर दिया है। जोली ने कहा कि अगर यह हमारी संप्रभुता का हनन है। जोली का कहना है कि पीएम ट्रूडो ने यह मुद्दा अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के सामने भी उठाया है। कनाडाई सार्वजनिक सुरक्षा मंत्री डोमिनिक लेब्लांक ने कहा कि कनाडा के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और कनाडा के जासूसी सेवा प्रमुख ने भारतीय समकक्षों से इसे लेकर बात की है।

कोविड संक्रमित होने के बावजूद सहकर्मियों पर खांसने का आरोप

सिंगापुर (एजेंसी)। सिंगापुर में भारतीय मूल के 64 वर्षीय व्यक्ति को कोरोना नियमों का उल्लंघन करने के आरोप में दो सप्ताह जेल की सजा सुनाई गई है। आरोप हैं कि व्यक्ति ने कोरोना संक्रमित होने के बावजूद मास्क नहीं पहना और अपने सहकर्मियों पर खांसा भी था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, व्यक्ति की पहचान तमिलसेल्वम के रूप में हुई है जो लिओंग हूप सिंगापुर में सफाईकर्मी के रूप में काम कर रहा था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 18 अक्तूबर 2021 को तमिलसेल्वम ने काम के दौरान अपने सहायक लॉजिस्टिक मैनेजर को बताया कि वह स्वस्थ महसूस नहीं कर रहे हैं। चूंकि उस समय कोरोना महामारी फैली हुई थी तो तमिलसेल्वम का कोरोना टेस्ट कराया गया। जिसमें तमिलसेल्वम कोरोना संक्रमित पाया गया। इसके बाद तमिलसेल्वम को घर जाने के लिए कह दिया गया। आरोप है कि तमिलसेल्वम तुरंत घर नहीं गया और अपने सहायक लॉजिस्टिक मैनेजर को इसकी सूचना देने उनके कार्यालय पहुंच गया। सहायक लॉजिस्टिक मैनेजर को पहले ही तमिलसेल्वम के कोरोना संक्रमित होने की जानकारी हो गई थी। ऐसे में उन्होंने तमिलसेल्वम को तुरंत कार्यालय से बाहर निकल जाने को कहा। आरोप है कि तमिलसेल्वम दरवाजे से निकल गया था लेकिन खांसते हुए कार्यालय में दोबारा लौटा। यह पूरी घटना कार्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। इतना ही नहीं तमिलसेल्वम ने इसके बाद भी मजाक में कई बार मास्क नीचे करके खांसा। इससे सहकर्मी परेशान हो गए। एक सहकर्मी क्लर्क गुर्दे की बीमारी से जूझ रहा था, जिसके चलते उसे काफी परेशानी हुई।

ट्रूडो के बयान के बाद दो घंटे में खालिस्तानियों ने रची भारत के खिलाफ साजिश!

नई दिल्ली (एजेंसी)। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भारत के ऊपर बेबुनियाद आरोप लगाकर कनाडा में पल रहे खालिस्तानी समर्थकों को हवा दे दी है। प्रधानमंत्री के इन आरोपों के बाद कनाडा के अलग–अलग राज्यों में खालिस्तान समर्थकों ने ऐसी साजिश रचनी शुरू कर दी जिससे वहां रह रहे न सिर्फ भारतीयों बल्कि डिप्लोमेट्स और भारतीय दूतावास के लिए बड़ा खतरा पैदा हो गया है। जानकारी के मुताबिक खालिस्तानी समर्थको ने 25 सितंबर को कनाडा के हाईकमीशन और सभी काउंसलेट के बाहर बड़े प्रदर्शन की तैयारी की है। खुफिया एजेंसी को मिले इनपुट के आधार पर पता चला है कि ब्रिटिश कोलंबिया के सरे स्थित गुरुद्वारे में काउंसिल के कुछ सदस्यों ने इसे लेकर साजिश रची है।

बता दें कि कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने वहां की संसद में दिए अपने हालिया बयान में भारत के ऊपर आरोप लगाते हुए कहा कि कनाडाई नागरिक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के पीछे भारत सरकार का हाथ हो सकता है। उसके बाद से ही कनाडा में बैठे खालिस्तान समर्थक सक्रिय हो गए हैं। खुफिया एजेंसी से मिली जानकारी के मुताबिक खालिस्तानी समर्थको ने ब्रिटिश कोलंबिया के एक गुरुद्वारे में सोमवार को पीएम के बयान के बाद बैठक कर भारत के विरोध में बड़ी साजिश रचने की तैयारी शुरू कर दी। सूत्रों के मुताबिक ब्रिटिश कोलंबिया स्थित सरे के गुरु नानक सिख गुरुद्वारा काउंसिल के प्रवक्ता सरदार मोनिंदर सिंह ने इस बैठक का नेतृत्व किया। इस दौरान मोनिंदर सिंह समेत कुछ और खालिस्तान और चरमपंथियों ने मिलकर कनाडा में भारतीय समर्थको, यहां के डिप्लोमेट्स और उनके परिजनों के अलावा कनाडा के हाईकमीशन समेत सभी काउंसलेट के बाहर 25 सितंबर को बड़े प्रदर्शन की तैयारी की है। सूत्रों के मुताबिक जानकारी यह भी है कि इस पूरे प्रदर्शन में कनाडा के कई पूर्व सांसद, नेता और कुछ चरमपंथी और खालिस्तान समर्थक इस मामले पर खतरनाक मंसूबों के साथ आगे बढ़ रहे हैं। रक्षा मामलों से जुड़े विशेषज्ञों का मानना है कि कनाडा की जमीन पर पहले से ही खालिस्तान समर्थकों को कनाडा की सरकार प्रश्रय देती आई है। यही वजह है कि कनाडा सरकार के समर्थन के चलते भारत विरोधी गतिविधियां इस देश के अलग–अलग हिस्सों में लगातार चलती रहती हैं। बीते कुछ समय में खालिस्तान जनमत संग्रह के नाम पर कनाडा की सरकार न सिर्फ इन भारत विरोधी खालिस्तानियों को सुरक्षा मुहैया कराती आई है बल्कि कार्यक्रम स्थलों की भी उपलब्ध करवाती आई है। खुफिया एजेंसियों के मुताबिक कनाडा के कई चरमपंथी जनप्रतिनिधि भी भारत के विरोध में खालिस्तान समर्थकों का न सिर्फ हौसला बढ़ाते आए हैं बल्कि भारत के विरोध में सदस्यों को आगे की रणनीति पर काम करने की सलाह भी देते आए हैं। जानकारों का मानना है कि जिस तरीके से कनाडा के प्रधानमंत्री ने भारत के ऊपर बेबुनियाद आरोप लगाया है उसका असर अगले कुछ दिनों में ही बहुत तेजी से दिखाना शुरू हो सकता है।

मैं थोड़ी बिगड़ी हुई और बहुत जिद्दी हूं कंगना रनौत

हाल ही में फिल्म निर्देशक अनुराग कश्यप ने बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत कंगना रनौत के साथ काम करने का एक्सपीरियंस शेयर किया था। उन्होंने कहा था कि कंगना टैलेंटेड हैं, मगर उनके साथ काम करना मुश्किल है। उन्होंने कंगना को टफ एक्ट्रेस बताया था।

अब कंगना ने रिएक्शन दिया है, जो की चर्चा में आ गया है। अपने बारे में कही गई ऐसी बात सुन खुशी से गदगद हुई कंगना ने कहा, इस बात से सब सहमत होते हैं लेफ्ट राइट दोनों विंग। इसके बाद चार प्वाइंट्स में कंगना ने अपनी खूबियां गिनाईं।एक तो मैं बहुत बद्तमीज हूं। हिंसक और अतिवादी भी हूं। मुझे हिंसा पसंद है और हिंसा को मैं पसंद हूं। थोड़ी बिगड़ी हुई और बहुत जिद्दी हूं। भयंकर वाली टैलेंटेड मतलब जीओएटी टाइप। इसके बाद उन्होंने लिखा- इसे कहते हैं बैटमैन...वही हूं मैं। कंगना रनौत की प्रोफेशनल लाइफ की बात करें, तो एक्ट्रेस इन दिनों फिल्म चंद्रमुखी 2 को लेकर लाइमलाइट में हैं। मूवी में उनके अलावा राघव लॉरेंस भी नजर आएंगे। वह फिल्म में बहुत ही अहम किरदार प्ले कर देखे जाएंगे। इसके अलावा एक्ट्रेस के पास तेजस है, जो 20 अक्टूबर को रिलीज हो रही है। इस फिल्म का टीजर अक्टूबर के शुरुआती दिनों में दिखाया जाएगा। अनुराग ने कहा था, कंगना शानदार एक्ट्रेस हैं। बात जब काम की आती है तो वह ईमानदार होती हैं। उनके साथ अन्य समस्याएं भी होती हैं।

हालांकि, जब उनके टैलेंट की बात आती है, तो कोई भी उनसे यह छीन नहीं सकता। एक अभिनेता के रूप में, ईमानदार आलोचक के रूप में भी, उनके अंदर क्या है, इससे कोई निपटा नहीं सकता। हंसल मेहता ने भी एक्ट्रेस से मतभेदों को दूर रखते हुए उनके आर्ट की तारीफ की थी। बता दें कि कंगना रनौत किसी को भी कुछ भी कहने से पीछे नहीं हटतीं। या फिर चाहे कोई भी मुद्दा हो, एक्ट्रेस अपने मन में छिपी बात को बेबाकी से बोलना जानती हैं और अगर कोई उनके बारे में कुछ कहे, तो उसे क्या जवाब देना है वह यह भी जानती हैं।

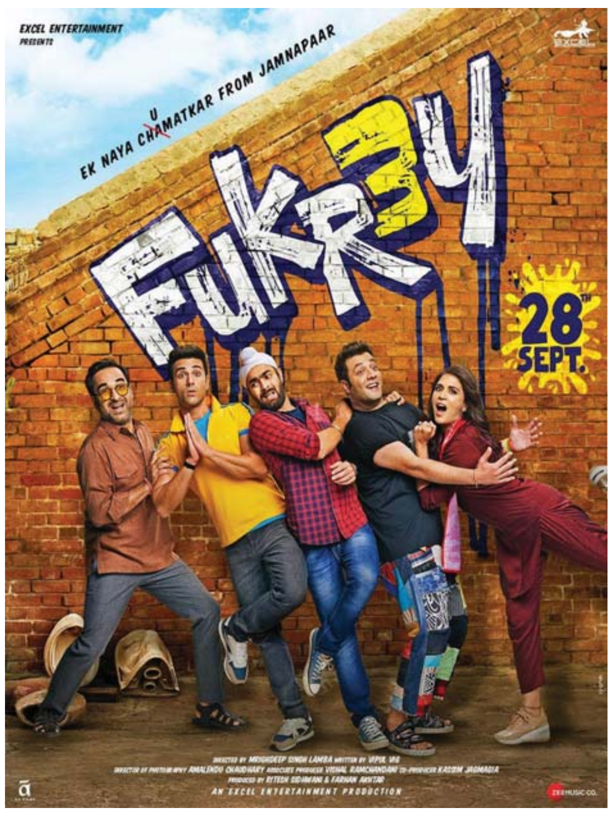

फुकरे 3 अपनी रिलीज के लिए तैयार

एक्सेल एंटरटेनमेंट की फिल्म फुकरे 3 को लेकर दर्शकों का उत्साह लगातार बढ़ रहा है। यह फिल्म रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म की टीम भी फिल्म के प्रमोशन्स में कोई कसर बाकी नही छोड़ रही ताकि फिल्म ज्यादा से ज्यादा दर्शकों तक पहुंचे।

हाल ही में इसी सिलसिले में फुकरा गैंग दिल्ली में थी, जहां वे प्रमोशनल कैंपन को अगले स्तर तक ले गए और अब वे दिल्ली के स्ट्रीट फूड को एजॉय करने के लिए एक हैंग-आउट प्लेस पर पहुंच गए हैं। फुकरा गैंग के पुलकित सम्राट, वरुण शर्मा और मनजोत सिंह ने दिल्ली में हॉट एंड स्पाइसी जंक्शन नाम के एक फूड स्टॉल का दौरा किया है। ऐसे में जब ये दिल्ली की सड़कों पर स्ट्रीट फूड के मजे लेते देखे गए, तो वहां प्रशंसकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी।

फिल्म में वास्तव में 28 सितंबर को बड़े पर्दे पर आने वाले जुगाड़ू बॉयज को देखने के लिए उत्साह बढ़ा दिया है। रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर की एक्सेल एंटरटेनमेंट ने समय-समय पर झेडएनएमडी, दिल चाहता है जैसी कई और ब्लॉकबस्टर फिल्मों के साथ दर्शकों को एंटरटेन किया है।बता दें, फुकरे रिटर्न्स के दौरान फुकरा बॉयज इस स्टॉल पर आए थे और अब लगभग 10 साल बाद वे दोबारा इस जगह पर आए और मोमोज का स्वाद चखा। दिल्ली में फुकरा गैंग को देखना वास्तव में एक मजेदार अनुभव है क्योंकि फुकरे फ्रेंचाइजी का असली सार शहर में ही बसा है।

9 साल बाद फिर साथ आएंगे टाइगर श्रॉफ-कृति सेनन

टाइगर श्रॉफ, कृति सेनन की बहुप्रतीक्षित नई फिल्म गणपथ- राइज ऑफ द हीरो का नया पोस्टर अब रिलीज हो गया है और यह इस युवा जोड़ी के प्रशंसकों को उत्साहित कर देगा। जैसे ही भारत गणेश चतुर्थी मनाने के लिए तैयार हो रहा है, बहुप्रतीक्षित फिल्म के लिए टाइगर श्रॉफ के एक्शन से भरपूर पोस्टर के भव्य अनावरण के साथ उत्साह बढ़ गया है। पूजा एंटरटेनमेंट द्वारा गणपथ- राइज़ ऑफ़ द हीरो, इस फिल्म में टाइगर श्रॉफ, कृति सनोन और महान अमिताभ बच्चन की गतिशील तिकड़ी है, और यह पूरे भारत के दर्शकों के लिए एक सामूहिक मनोरंजन है।

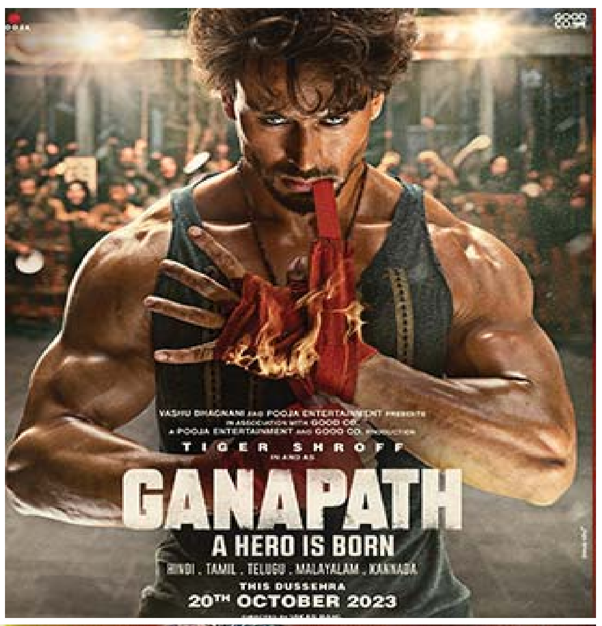

दूसरी शादी को लेकर चर्चाओं में नागा चैतन्य

दक्षिण भारतीय अभिनेता नागा चैतन्य अपनी दूसरी शादी को लेकर चर्चाओं में है। उन्होंने 2 अक्टूबर 2021 को एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु के साथ अलगाव की घोषणा करके फैंस को चौंका दिया था। एक रिपोर्ट के मुताबिक अटकलें लगाई जा रही हैं कि नागार्जुन बेटे नागा के लिए दूसरी शादी की योजना बना रहे हैं। हालांकि अभी दुल्हन की पहचान सामने नहीं आई है। रिपोर्ट्स की मानें तो लड़की एक बिजनेसमैन की फैमिली से है। उसका ग्लैमर की दुनिया से कोई वास्ता नहीं है। हालांकि इस खबर को लेकर कहीं से कोई पुष्टि नहीं हुई है। इससे पहले नागा का नाम अभिनेत्री शोभिता धूलिपाला के साथ जोड़ा गया और उनकी नजदीकियों व डेटिंग की अटकलों ने इंटरनेट पर तूफान ला दिया था।

सिल्वर स्कर्ट और डीपनेक क्रॉप टॉप में मोनालिसा ने दिए हॉट पोज

भोजपुरी अभिनेत्री मोनालिसा ने एक बार फिर अपनी हॉट तस्वीरें साझा करके फेंस को अपनी ओर आकर्षित किया है। मोनालिसा आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। वह भोजपुरी सिनेमा के साथ-साथ कई टीवी सीरियल में भी काम कर चुकी हैं। मानालिसा सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और अपनी हॉट तस्वीरें शेयर कर सोशल मीडिया का तापमान बढ़ाती रहती हैं। एक बार फिर मोनालिसा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की कुछ तस्वीरें शेयर कर इंटरनेट का पारा बढ़ा दिया है। भोजपुरी सिनेमा का क्वीन का असली नाम अंतरा बिस्वास है। वहीं, एक्ट्रेस ने सिल्वर स्कर्ट और डीपनेक क्रॉप टॉप में फोटोज़ शेयर करके फैंस के दिलों में आग लगा दी है। डीपनेक क्रॉप टॉप में फैंस उनकी अदाओं के दीवाने हो गए हैं। भोजपुरी इंडस्ट्री की धाकड़ एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपनी ये तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। एक्ट्रेस ने जैसे ही मदमस्त करने वाली ये फोटोज शेयर की तो उनके कमेंट सेक्शन में आग लग गई। मोनालिसा की इन सिजलिंग तस्वीरों पर जमकर कमेंट आ रहे हैं।

'टाइगर वर्सेज पठान' की स्क्रिप्ट को मिली मंजूरी

खबरे सामने आई है कि फिल्म 'टाइगर वर्सेज पठान' की स्क्रिप्ट को लेकर दोनों सुपरस्टारों से एक महीना पहले मीटिंग भी हो चुकी है। आदित्य चोपड़ा वाईआरएफ में सलमान खान और शाहरुख खान की 'टाइगर वर्सेज पठान' बनाने वाले है।

जानकारी के अनुसार आदित्य चोपड़ा द्वारा मेगा-स्टार्स को फिल्म सुनाने के बाद, अगले साल मार्च में शुरू होने वाली शूटिंग के लिए नवंबर में तैयारी शुरू करने के लिए 'टाइगर वर्सेज पठान' की टीम के लिए स्क्रिप्ट लॉक कर दी गई है। हिंदी सिनेमा के दो मेगा-स्टार द्वारा स्क्रिप्ट पर अपनी सहमति देने के बाद 'टाइगर वर्सेज पठान' की स्क्रिप्ट लॉक हो गई है। यह फिल्म एक बहुत बड़ा मील का पत्थर है क्योंकि इसमें बॉक्स ऑफिस पर धूम मचाने वाले करण अर्जुन को फिर एक साथ देखा जाएगा। आदित्य चोपड़ा ने शाहरुख और सलमान के साथ पर्सनल मीटिंग की और उन्हें फिल्म के बारे में बताया। सुपरस्टार्स को कहानी पसंद आई है और फिल्म अब मार्च में फ्लोर पर जाएगी।

सिद्धार्थ आनंद द्वारा निर्देशित, 'टाइगर वर्सेज पठान' को भारत की अब तक की सबसे बड़ी फिल्म माना जाता है। यह प्रसिद्ध वायआरएफ स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा है, जो सलमान खान और कैटरीना कैफ अभिनीत टाइगर फ्रेंचाइजी के साथ शुरू हुआ, एक था टाइगर (2012) और टाइगर जिंदा है (2017) से शुरू हुआ, और वॉर (2019) तक जारी रहा, जिसमें ऋतिक ने एक्ट किया। इसके बाद शाहरुख खान, दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम की पठान (2023), जो हिंदी सिनेमा की अब तक की सबसे बड़ी हिट है। वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की सभी चार फिल्में ब्लॉकबस्टर हैं।

परिणीति चोपड़ा ने अपनी फिल्म 'मेरी प्यारी बिंदू' की विफलता का ठीकरा बाहुबली के सिर पर फोड़ा

बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा आने वाले दिनों में राघव चड्ढा से शादी करने वाली हैं।एक्ट्रेस ने बॉलीवुड की कई बड़ी फिल्मों में काम किया लेकिन उन्हें वो सफलता नहीं मिली जिसकी वह हकदार है लेकिन उन्होंने अपने दमपर कई फिल्मों को हिट करवाया है। उन्होंने हाल ही में अपनी फिल्म मेरी प्यारी बिंदू (2017) की विफलता के बारे में खुलासा किया। फिल्म में परिणीति चोपड़ा आयुष्मान खुराना के साथ नजर आयी थी। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास प्रदर्शन नही कर सकी थी।

मेरी प्यारी बिंदु की असफलता पर परिणीति चोपड़ा

रेडियो नशा से बात करते हुए परिणीति चोपड़ा ने उल्लेख किया कि यह काफी हद तक हुआ क्योंकि फिल्म एसएस राजामौली के महाकाव्य बाहुबली 2 के साथ रिलीज हुई थी, जिसमें प्रभास और राणा दग्गुबाती ने अभिनय किया था। परिणीति ने यह भी बताया कि उन्हें कैसा लगता है कि मेरी प्यारी बिंदू बॉक्स ऑफिस पर अधिक प्यार की हकदार थी और कहा, 'मेरी प्यारी बिंदू बाहुबली के साथ रिलीज हुई थी और इसलिए उसे तब प्यार नहीं मिला। लेकिन यही वह फिल्म है जिसके लिए मुझे आज सबसे ज्यादा प्यार मिलता है। और यही मायने रखता है। इस तरह की कई फिल्में हैं जो उस समय नंबर नहीं बनातीं, लेकिन वे हमेशा आपको ढूंढ लेती हैं।'

'छोटे शहर की लड़की' की भूमिका निभाने पर

उसी बातचीत के दौरान, परिणीति ने यह भी बताया कि उन्हें कैसा लगा कि उन्होंने 'छोटे शहर की लड़की' का किरदार इतनी अच्छी तरह से निभाया है कि उस समय उनके साक्षात्कारों में उनसे पूछा गया था कि क्या वह अंग्रेजी बोलती हैं। उन्होंने कहा कि 卐यह पागलपन है। जब मैंने कुछ छोटे शहर की भूमिकाएँ कीं, तो लोग मेरे पास आने लगे और कहने लगे, 'ओह, आप अंग्रेजी बोलते हैं? तुम्हें अंग्रेजी बोलनी आती है?' मुझे यह अजीब लगा। आप यह कैसे मान लेंगे कि मैं अंग्रेजी नहीं बोलता?

जॉब के लिए इन चीजों की कुर्बानी कभी न दें

हम आठ से दस घंटे जॉब करते हैं और वह भी अपना पूरा सौ प्रतिशत देकर। आप भले ही अपने जॉब से कितना भी प्यार क्यों न करते हों लेकिन आपको अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में सीमा बनाकर रखने की जरूरत होती है। अगर हम ऐसा नहीं करेंगे तो हमारा काम, हमारा स्वास्थ्य, हमारा निजी जिंदगी प्रभावित होगी। आइए जानते हैं कि ऐसी कौन सी 5 चीजें हैं जिसे आपको अपने जॉब के लिए कभी कुर्बान नहीं करना चाहिए।

आपका स्वास्थ्य

यह बहुत ही मुश्किल होता है कि काम के समय आप अपने स्वास्थ्य के लिए सीमा तैयार कर ले क्योंकि आपको इसके दुष्प्रभाव का अंदाज ही नहीं होता। आप तनाव का स्वागत करते हैं, नींद खो देते हैं और बिना व्यायाम के लंबे समय पर बैठकर काम करते हैं। जब तब आपको इस बारे में पता चलेगा आपकी हालत खराब हो चुकी होगी। इसलिए इस बात को सुनिश्चित कर लें कि आपकी जॉब के कारण आपके हेल्थ पर कोई गलत प्रभाव तो नहीं पड़ रहा है। कोई भी जॉब ऐसी नहीं है जिसकी कीमत आपके स्वास्थ्य से बढ़कर हो।

आपका परिवार

यह बहुत ही आसान होता है कि आपका परिवार आपके जॉब के कारण प्रभावित हो रहा हो। हममें से कई लोग यह करते हैं क्योंकि हम हमारी नौकरी को हमारे परिवार का चलाने का साधन मानते हैं। आप यह सोचते हैं कि बच्चों को अच्छे कॉलेज-स्कूल में पढ़ाना है तो मुझे ज्यादा पैसा कमाना होगा। बस फिर क्या आप परिवार के साथ क्वॉलिटी टाइम भी नहीं बिता पाते। आप ऐसी कई मेमोरिज मिस कर देते हैं जो आपके परिवार को खुशियां देती है।

आपका विवेक

वह जॉब जो आपके विवेक का एक छोटा सा हिस्सा भी ले ले तो यह आपके लिए अच्छा नहीं है। आपका विवेक कुछ ऐसा है कि इसे आपको ही मॉनिटर करना होगा और खुद को हेल्दी रखने के लिए सीमाएं तय करनी होगी।

आपकी पहचान

जब आपका काम आपकी पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है तो यह खतरनाक साबित हो सकता है कि आपकी पूरी पहचान केवल आपका काम ही हो। अपनी पहचान के बाहर का काम कर के आपको सुखद एहसास होगा। यह आपके तनाव दूर करने में मदद करेगा और एक व्यक्ति के रूप में विकास करने में मददगार साबित होगा।

आपके संपर्क

आपके संपर्क आपकी मेहनत और प्रयास का उत्पाद है। किसी भी जॉब की खातिर आप अपने अच्छे संपर्क सूत्रों से मुंह नहीं मोड़ सकते हैं।

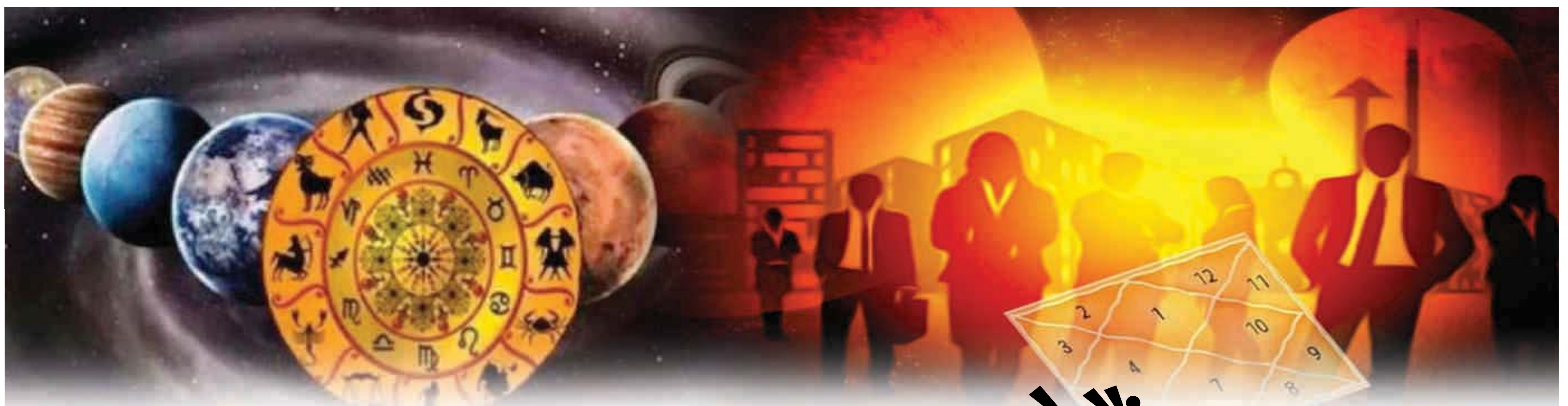

इस तरह बना सकते हैं ग्रह, नक्षत्रों में करियर

इन दिनों युवाओं में ज्योतिष की पढ़ाई को लेकर भी खूब क्रेज है। बाजार में ज्योतिषियों की बढ़ती मांग को देखते हुए युवाओं को इसमें भविष्य संवारने का सुनहरा मौका दिया है। ज्योतिष कोर्स को लेकर युवाओं के बढ़ते रुझान को देखते हुए यह एक बेहतरीन करियर विकल्प बन गया है। पिछले कुछ सालों में इस फील्ड में काफी स्कोप बढ़ा है। यही नहीं ज्योतिष के साथ पूजा-पाठ में करियर का व्यापक प्रचार-प्रसार हो रहा है। जहां लोग अपना भविष्य जानना चाहते हैं, वहीं ग्रह-नक्षत्र को शांत करने के लिए धार्मिक अनुष्ठान कराते हैं।

कुंडली मिलान से लेकर, मांगलिक कार्य, शादी ब्याह, पंचाग, राशिफल, अंकविज्ञान, कर्मकांड आदि भी इसी दायरे में आते हैं। ज्योतिष, पूजा-पाठ के कई तरह के कोर्स उपलब्ध है। 12 वीं करने के बाद भी आप इस क्षेत्र में करियर बना सकते हैं। स्नातक ऑनर्स या शास्त्री की डिग्री तीन साल की होती है। दो साल का पीजी कोर्स या आचार्य की डिग्री हासिल की जा सकती है। आप पीएचडी भी कर सकते हैं।

ज्योतिष अलंकार कोर्स के लिए 12वीं पास होना जरूरी है। इसके बाद आप ज्योतिषाचार्य का कोर्स कर सकते हैं। ज्योतिष और अध्यात्म के साथ-साथ पूजा-पाठ में करियर का व्यापक प्रचार-प्रसार हो रहा है। जहां लोग अपना भविष्य जानना चाहते हैं, वहीं ग्रह-नक्षत्र को शांत करने के लिए भी धार्मिक अनुष्ठान कराते हैं। अधिकतर संस्थानों और विश्वविद्यालयों में संस्कृत के साथ ही ज्योतिष विज्ञान, कर्मकांड, धर्मशास्त्र, व्याकरण, वेद, पुरोहित आदि की पढ़ाई होती है। वेद, व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, वैदिक दर्शन, जैन-बुध्द दर्शन, धर्मशास्त्र मीमांसा, धर्मागम आदि का अध्ययन संस्कृत विषय के तहत ही किया जाता है। हालांकि कई संस्थानों में ज्योतिष प्रज्ञ में सर्टिफिकेट कोर्स तो ज्योतिष भूषण में डिप्लोमा कोर्स भी आयोजित कर रहे हैं।

संभावनाएं

ज्योतिष में करियर बनाने के इच्छुक लोगों को रत्न, पत्थर, ग्रह-नक्षत्र के साथ भारतीय लोगों के दृष्टिकोण को पहचानने की क्षमता होनी चाहिए। इस क्षेत्र में कभी भी मंदी नहीं आती क्योंकि अधिकतर भारतीय पारंपरिक हैं और ज्योतिष पर विश्वास करते हैं। कोई भी व्यक्ति अखबार, न्यूज चैनलों के अलावा पत्रिकाओं में भविष्यवक्ता भी बन सकता है।

स्किल्स

इस फील्ड में आप तभी सफल हो सकते हैं जब आप में लगातार कुछ न कुछ सीखने के गुण हों। आपका व्यक्तित्व आकषर्क हो, आप लोगों के साथ दोस्ताना रवैया रख सकें। केवल पैसा कमाना ही आपका मकसद न होकर दूसरों की सहायता करना भी होना चाहिए। ईमानदारी इस पेशे में काफी अहमियत रखती है। साथ ही, जिम्मेदारी की भावना भी आप में कूट-कूट कर भरी होनी चाहिए। लोगों को अपनी बातों से कंविंस करना इस फील्ड की मुख्य चुनौती है। आप अपनी बात हर समय तर्कयुक्त ढंग से रखें जिससे सामने वाला आपकी बातों पर हामी भरे। ज्योतिष सीखना और भविष्यवाणी करना आसान काम नहीं है। इसके लिए कठिन परिश्रम की आवश्यकता होती है। नकारात्मक बातों की भविष्यवाणी करने से पहले आपको इस बात का ख्याल रखना होता है कि ग्राहक कहीं बेहद निराश में न डूब जाए।

कोर्सेस

बीएससी इन एस्ट्रोलॉजी, एमएससी इन एस्ट्रोलॉजी, सर्टिफिकेट कोर्स इन एस्ट्रोलॉजी, डिप्लोमा कोर्स इन भारतीय ज्योतिष, बीएम/एमए/पीएचडी इन एस्ट्रोलॉजी, एमए इन संस्कृत रिसर्च इन एस्ट्रोलॉजी, कोर्स इन वेदांग ज्योतिष, टू ईयर ग्रेडेट कोर्स इन वैदिक एस्ट्रोलॉजी, एम इन एस्ट्रोलॉजी (पत्राचार), बीए (संस्कृत), ज्योतिष एमए (आचार्य), ज्योतिष बीए (संस्कृत), ज्योतिष फलित, ज्योतिष बीए (ज्योतिष), एमए (फलित ज्योतिष), एमए (सिध्दांत ज्योतिष), बीए शास्त्री (सिध्दांत ज्योतिष), बीए (फलित ज्योतिष), ज्योतिष डिप्लोमा कोर्स, ज्योतिष डिप्लोमा पुरोहित सर्टिफिकेट ट्रेनिंग कोर्स इन पुरोहित, पीजी डिप्लोमा इन वास्तुशास्त्र रिफ्रेशर कोर्स इन ज्योतिष (ज्योतिष प्रज्ञ और ज्योतिष भूषण), ज्योतिष प्रवीण बेसिक एस्ट्रोलॉजी कोर्स (एक साल)।

इन तरीकों से दूर कर सकते हैं अपनी कमजोरियां

कई बार हम बिना सोचे-समझे दूसरों की आलोचना कर देते हैं लेकिन ऐसा करते हुए हम यह नहीं सोचते कि इसका परिणाम क्या होगा। दूसरों की आलोचना पर ध्यान देने या उनकी कमियां निकालने में समय गंवाने के बजाय हमें खुद को सशक्त बनाने पर ध्यान देना चाहिए। अपने आप को कमजोर या हीन समझने के बजाय यह देखें कि आखिर वह कौन-सी खासियत है, जो आपके भीतर है, जिसे आगे बढ़ाकर आप कामयाबी के शिखर की तरफ बढ़ सकते हैं। कभी भी यह न सोचें कि आपके भीतर कोई हुनर नहीं है। अगर आपको लगता है कि वाकई कोई अच्छाई आपमें नहीं है, तो किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले जरा ठहरें। कुछ दिन पूरी एकाग्रता के साथ आत्म-मंथन करें। अपनी रुचियों, आदतों, व्यवहार, बातचीत, प्रतिक्रिया आदि पर ध्यान दें। आपको जरूर पता चल जाएगा कि आप में कौन-सी अच्छाई है। अगर फिर भी समझ में नहीं आता, तो घर के किसी समझदार सदस्य, अध्यापक या फिर काउंसलर की मदद से खुद की ताकत को जानें-समझें। इससे आपको अपनी पसंद के क्षेत्र में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।

घबराएं न हार से

अगर आप कभी किसी परीक्षा या टेस्ट में फेल हो जाते हैं, किसी टीम का हिस्सा होते हुए भी बेहतर परफॉर्म नहीं कर पाते या फिर किसी वजह से शर्मिंदा होना पड़ता है, तो ऐसी स्थिति में भी धैर्य बनाए रखें। हताश बिल्कुल न हों। खुद को संयत रखें। फिर यह सोचें कि आखिर आप असफल क्यों हुए? आपसे कहां चूक हो गई? आपने गलती कहां की? अपनी हार या असफलता में छिपे कारणों को ढूंढें। जब तक आप उन कारणों को ढूंढकर उन्हें दूर करने का प्रयत्न नहीं करेंगे, कामयाबी आपसे दूर ही रहेगी। अगर आप खुद को विजेता के रूप में देखता चाहते हैं, तो अपनी कमियों-कमजोरियों को ढूंढकर उन्हें यथाशीघ्र दूर करें। याद रखें, दुनिया में ऐसे बहुत कम कामयाब लोग होंगे, जिन्होंने कभी असफलता का स्वाद नहीं चखा होगा। कामयाबी के शिखर पर पहुंच चुके तमाम लोगों को अपने प्रयासों में कई बार हार मिली। चाहे बल्ब के आविष्कारक थॉमस एडिसन हों या फिर नए संसार की खोज में निकले कोलंबस और वास्को-डि-गामा जैसे लोग। बार-बार की असफलता के बावजूद ऐसे उत्साही लोगों ने उम्मीद का दामन नहीं छोड़ा। आखिर एक दिन ऐसा आ ही गया, जब उन्हें कामयाबी मिली और दुनिया भर ने उनका लोहा माना। अगर आप भी किसी परीक्षा या प्रतियोगिता में असफल हो जाते हैं, तो इसे जिंदगी का आखिरी इम्तेहान समझने के बजाय इस बात पर विचार करें कि आखिर किन कमियों के कारण आपको सफलता नहीं मिल सकी। इन कमियों को दूर कर फिर दोगुने उत्साह के साथ प्रयास करें।

आत्ममुग्धता से बचें

अक्सर यह भी देखने में आता है कि छोटी-छोटी सफलताएं पाकर हम आत्ममुग्ध हो जाते हैं। इसका नतीजा यह होता है कि बड़े लक्ष्य को पाने के लिए किए जाने वाले हमारे प्रयास शिथिल पड़ने लगते हैं। कई बार हम खुद को बेहद काबिल मानकर यह सोच लेते हैं कि हमें सफलता तो मिल ही जाएगी। मगर जब ऐसा नहीं होता और असफलता हाथ लगती है, तो हमें शॉक लगता है। तब हमें एहसास होता है कि काश दूसरों की तारीफों के कारण हम आत्ममुग्धता के शिकार न हुए होते।

सकारात्मकता का साथ

आप चाहे पढ़ाई कर रहे हों या नौकरी, अपनी सोच को हर समय सकारात्मक बनाए रखें। परिस्थितियां चाहे कैसी भी हों, संघर्ष चाहे जितना करना पड़े, सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ेंगे, तो इसके अच्छे परिणाम भी जरूर दिखेंगे। किसी के बारे में बुरा सोचने या उसकी निंदा करने के बजाय अच्छा सोचें, अच्छा करें। दूसरे क्या कर रहे हैं या क्या नहीं कर रहे हैं, इस पर नजर रखने के बजाय हमेशा अपने दायित्व को पूरा करने पर ध्यान दें। अपने काम में नित नई पहल करते हुए जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ेंगे, तो सफलता भी मिलेगी और नई पहचान भी बनेगी।

वर्कप्लेस क्राइसेस से इन तरीकों से डील करें

ऐसे समय के दौरान जिम्मेदारी संगठनात्मक नेतृत्व की होती है कि आगे की योजना तैयार करे और कर्मचारियों को आश्वस्त करें।

वर्कप्लेस पर क्राइसेस अनेक रूप ले सकता है। यह प्रतिष्ठा को लेकर या मुकदमेबाजी का मुद्दा हो सकता है या फिर प्राकृतिक आपदा। यह भी हो सकता है कि रिवेन्यू में कमी होने से कॉस्ट कटिंग और डाउनसाइजिंग का दौर चले। ऐसे समय के दौरान जिम्मेदारी संगठनात्मक नेतृत्व की होती है कि आगे की योजना तैयार करे और कर्मचारियों को आश्वस्त करें।

पारदर्शिता

आतंरिक या बाह्य किसी भी तरह के क्राइसेस में कर्मचारियों को चिंता होती है कि वह किस तरह से प्रभावित होंगे। उनके साथ स्पष्ट रूप से संवाद किया जाए और बड़ी खबरें न छुपाई जाए। क्राइसेस को लेकर पारदर्शी रहे और सावधानी से काम करें।

विश्वास रखें

एक लीडर के रूप में आपसे उम्मीद की जाती है कि वर्कप्लेस क्राइसेस से निपटने के लिए आप कॉन्फिडेंट रहें। जहां भी आवश्यक हैं, वहां हस्तक्षेप करें और समाधान के लिए हटकर सोचने से डरे नहीं।

ईमानदार रहें

व्यक्तिगत रूप से कर्मचारियों से मिलें और उन्हें निश्चिंत करें कि इस संकट आप उनका ध्यान रखेंगे। ईमानदारी से स्थिति बयां करते हुए जरूरी एक्शंस को लेकर उनसे बात करें।

मदद मांगने में न हिचकें

अपने कर्मचारियों के पास जाएं और उनसे सलाह मांगे। ऐसा करना आपकी लीडरशिप पर सवाल नहीं है बल्कि यह एक अच्छा तरीका है जिसमें क्राइसेस के समय कर्मचारियों को अपना योगदान देने में गर्व ही महसूस होगा।

किस तरह क्वॉलिफाई कर सकते हैं सीसैट

युवाओं में सिविल सर्विसेज की प्रिलिम्स, यानी सीसैट (सिविल सर्विसेज एप्टिट्यूड टेस्ट) बहुत मायने रखती है। अगर आपमें पैशन है, तो आप इस परीक्षा में अपनी योग्यता दिखाकर अच्छे अंक पा सकते हैं। जानते हैं सी-सैट सहित सिविल सेवा परीक्षा से संबंधित कुछ सामान्य सवालों के जवाब।

सीसैट की तैयारी में कितना समय लगता है

सीसैट (प्रिलिम्स) में 2 ऑब्जेक्टिव टाइप सेक्शन होते हैं। पहला पेपर जनरल स्टडीज का और दूसरा पेपर एप्टीट्यूड टेस्ट का होता है। अगर उम्मीदवार प्रिलिम्स की तैयारी कर रहा है, तो उसे दोनों यानी जनरल स्टडीज पेपर 1 और जीएस मेन्स की तैयारी साथ में ही करनी चाहिए। जहां तक समय का सवाल है, तो प्रिलिम्स की तैयारी के लिए 6 से 8 महीने का समय लग जाता है। अगर उम्मीदवार सही तरीके से तैयारी करे, तो वह जीएस मेन्स का 60 से 70 प्रतिशत भाग कवर कर सकता है। इसके अलावा नोट्स बनाने भी बहुत जरूरी हैं। आपको सिलेक्शन पाने के लिए कुछ हटकर करना पड़ेगा।

सीसैट व मेन्स का जीएस पेपर क्या एक-दूसरे से किसी तरह संबंधित हैं?

शायद ही इन दोनों में कुछ कॉमन हो। फिर भी, अगर हम इसकी गहराई में जाएं, तो एक संबंध देख सकते हैं कि अगर किसी उम्मीदवार की जीएस बहुत अच्छी है, तो यह उसे रीडिंग काम्प्रिहेंशन सेक्शन में मदद कर सकती है, जिससे सीसैट में कम से कम 40 से 60 प्रतिशत प्रश्न पूछे जाते हैं।

सीसैट पेपर 1 और 2 के लिए विद्यार्थियों की क्या रणनीति होनी चाहिए?

पेपर 1 - इसके लिए सबसे जरूरी यह है कि उम्मीदवार एनसीईआरटी की पुस्तकों को बहुत अच्छे-से पढ़े। कक्षा 6 से 12 तक की हिस्ट्री, सिविक्स और जिओग्रॉफी को अच्छे से पढ़ें। कक्षा 9 से 12 तक की इकोनॉमिक्स का गहराई से अध्ययन करें और कक्षा 11 व 12 की सोशलॉजी पर फोकस करें। एनसीईआरटी बुक्स के साथ-साथ आपको एक अच्छा अखबार भी नियमित रूप से पढ़ना चाहिए। इसके अलावा वार्षिक बुक भी अच्छे से पढ़ें। आपको इकोनॉमिकल और पॉलिटिकल साप्ताहिक मैगजीन भी पढ़नी चाहिए।

पेपर 2 - इसके लिए आपको कक्षा 7 से 10 तक की मैथ्स पर बहुत अच्छा कमांड होना चाहिए। इसके अलावा रीजनिंग का बेसिक ज्ञान भी अच्छा होना चाहिए।

करंट अफेयर्स के तहत किस तरह के प्रश्न पूछे जाते हैं?

जहां तक प्रिलिम्स का सवाल है, कुछ साल पहले तक करंट अफेयर्स से काफी प्रश्न पूछे जाते थे, लेकिन पिछले 2-3 सालों से इन प्रश्नों में कुछ कमी आई है। एक बात का हमेशा ध्यान रखें कि सिविल सर्विसेज एग्जाम का कोई स्पष्ट ट्रेंड नहीं होता है। करंट अफेयर्स के प्रश्न सीसैट में नहीं पूछे जाते, बल्कि मेन्स में पूछे जाते हैं। इसीलिए उम्मीदवारों को अपने आसपास की घटनाओं से अपडेट रहना चाहिए।

सीसैट में एक सामान्य विद्यार्थी की सफलता की कितनी संभावना होती है?

2019 में लगभग 5 लाख उम्मीदवार इस परीक्षा के लिए बैठे थे, जिसमें 3.7 प्रतिशत ही सीसैट क्रैक कर पाए, जबकि करीब 80 प्रतिशत उम्मीदवार ऐसे भी थे, जो बहुत आश्वस्त थे अपने चयन को लेकर मगर वे प्रिलिम्स तक नहीं क्वॉलिफाई कर पाए। वास्तव में प्रतिस्पर्धा 20 प्रतिशत उम्मीदवारों के बीच ही थी। पिछले 5-6 साल से सक्सेस रेट 3-6 प्रतिशत रहा है। सीसैट कठिन तो है पर असंभव नहीं है। एक सामान्य विद्यार्थी भी कड़ी मेहनत करके सीसैट क्वॉलिफाई कर सकता है।

क्या सीसैट क्वॉलिफाई करने के लिए कोचिंग जरूरी है?

कोचिंग जरूरी तो नहीं है, फिर भी अगर आप कोई कोचिंग ज्वॉइन करना चाहते हैं, तो बहुत सोच-समझकर ऐसा करें और हो सके तो उसी से मार्गदर्शन लें, जिसने खुद यह परीक्षा दी हो। कारण यह कि कई कोचिंग संस्थानों में फैकल्टी अच्छी नहीं होती।

सीसैट में सफलता का मुख्य सूत्र क्या है?

सबसे जरूरी बात तो यह है कि उम्मीदवारों का कॉन्सेप्ट बिल्कुल स्पष्ट होना चाहिए। कॉन्सेप्ट क्लीयर हो, तो सी-सैट मुश्किल नहीं। सभी विषयों पर मेहनत करें। किसी विषय को नजरअंदाज न करें।